- असम में हिंसा, मौके पर आरएएफ तैनात और इंटरनेट बंद - 07

- बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर चार माह के उच्चतम स्तर 3.7 प्रतिशत पर - 10

- ग्रीनलैंड पर शुल्क की धमकी से ट्रंप की विश्वसनीयता पर उठे सवाल - 11

- न्यूजीलैंड से वनडे का हिसाब चुकता करने उतरेगा भारत - 12

आज का मौसम

22.0° अधिकतम तापमान

8.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.08

सूर्यास्त 05.45

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष तृतीया 02:47 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 21 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 352, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

नबीन मेरे भी बॉस : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा की मौजूदगी में नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन ने पदभार ग्रहण किया। मोदी ने इस मौके पर कहा- अब नितिन नबीन मेरे भी बॉस हैं। ● एजेंसी

पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को नई दिल्ली में नितिन नबीन से मिलकर उन्हें बधाई और उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। योगी ने कहा, नितिन नबीन का कुशल नेतृत्व, गहरा संगठनात्मक अनुभव और दूरदर्शी सोच पार्टी को नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा प्रदान करेगी।

ट्रंप की धमकियों से सहमे बाजार में 9.86 लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी

- चौतरफा बिकवाली से सेंसेक्स 1,066 अंक लुढ़का, निफ्टी में भी 353 अंकों की भारी गिरावट

अमेरिकी प्रशासन की ओर से टैरिफ को विदेश नीति के एक उपकरण के रूप में आक्रामक और अप्रत्याशित तरीके से इस्तेमाल किए जाने से वैश्विक बाजारों में बेचैनी बढ़ी है जो वित्तीय बाजारों में तेज उतार-चढ़ाव पैदा कर रही है। - **पोनमुडी आर**, सीईओ एनरिच मनी

चीन, जापान, कोरिया में भी भारी गिरावट यूरोप के बाजारों में भी मचा हाहाकार

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजारों में कारोबार के दौरान एक प्रतिशत से अधिक की कमजोरी देखी गई। अमेरिकी बाजार सोमवार को अवकाश के कारण बंद रहे।

● शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 3,262.82 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,234.30 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को आक्रामक हथियार बनाने और लगातार धमकियां देने का बड़ा असर मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार पर पड़ा। सेंसेक्स 1,065.71 अंकों की भारी गिरावट के साथ धड़ाम हो गया और निफ्टी भी 353 अंक टूट गया। इस भारी गिरावट से निवेशकों के 9.86 लाख करोड़ रुपये डूब गए।

ट्रंप की धमकियों से वैश्विक स्तर पर लगातार तनाव बढ़ने के कारण मंगलवार को शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली हुई। इससे सेंसेक्स में भारी गिरावट आई और वह 1.28 प्रतिशत फिसलकर 82,180.47 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 353 अंक यानी 1.38 प्रतिशत गिरकर 25,232.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबारियों ने इस भारी गिरावट का कारण अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट जारी रहने को भी बताया। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने इस संकट को और गहरा कर दिया। बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सूचकांक 2.74 प्रतिशत और मझोली कंपनियों के मिडकैप सूचकांक में 2.52 प्रतिशत लुढ़क गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन 9,86,093.96 करोड़ रुपये घटकर 4,55,82,683.29 करोड़ रुपये यानी 5.01 लाख करोड़ डॉलर रह गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,503 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई जबकि 780 शेयर चढ़कर बंद हुए और 119 अपरिवर्तित रहे।

ब्रीफ न्यूज

इजराइल ने यूएन कार्यालय पर चलाया बुलडोजर

यरुशलम। इजराइल के अधिकारियों ने पूर्वी यरुशलम में संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय को बुलडोजर से गिराना शुरू कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी ने कहा कि इजराइली सेना ने कार्यालय के कर्मचारियों के उपकरण जब्त कर लिए और उन्हें शेख जर्राह इलाके में स्थित इमारत से जबरन बाहर निकाल दिया। संयुक्त राष्ट्र ने 'एक्स' पर कहा, यह न केवल यूएनआरडब्ल्यूए और उसके परिसर पर अभूतपूर्व हमला है, अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र के विशेषाधिकारों का गंभीर उल्लंघन भी है।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप- 4 के प्रतिबंध हटे

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता में सुधार होने के बाद चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के चौथे चरण के तहत लागू पाबंदियां हटा लीं। सीएक्यूएम ने एक आदेश में कहा कि पहले, दूसरे और तीसरे चरण की पाबंदियां लागू रहेंगी। आदेश में कहा गया, ग्रैप के चौथे चरण की पाबंदियां हटा ली गई हैं। लोगों से अनुरोध है कि वे ग्रैप के पहले, दूसरे और चौथे चरण के तहत लागू पाबंदियों का सख्ती से पालन करें ताकि एक्यूआई और खराब न हो।

चुनाव से ऐन पहले केरल-तमिलनाडु में राज्यपाल और सरकारों में बढ़ा टकराव

तमिलनाडु में अभिभाषण पढ़े बगैर चले गए रवि, केरल में राज्यपाल ने छोड़े कई अंश

चेन्नई/तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि मंगलवार को यह कहकर राज्य विधानसभा के इस साल के पहले सत्र में सदन में अभिभाषण पढ़े बिना बाहर चले गए कि द्रमुक सरकार द्वारा तैयार अभिभाषण में बहुत सी गलतियां हैं। उधर, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी आरोप लगाया कि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राज्य मंत्रिमंडल की ओर से अनुमोदित भाषण के कई हिस्सों को नहीं पढ़ा। दोनों राज्यों में इसी साल होने जा रहे विधानसभा चुनाव से पहले राजनीति एक बार फिर गरमा गई है।

राज्यपाल के सदन से जाने के बाद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने उनकी कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि वह नियमों, परंपराओं का उल्लंघन करते हुए एक बार फिर सदन से बाहर चले गए हैं। उनका व्यवहार उनके उच्च पद के अनुकूल नहीं है और सदन और उसकी गरिमा का भी अपमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 176 के अनुसार परंपरागत संबोधन राज्य सरकार तैयार करती है और इसे राज्यपाल द्वारा पूरी तरह से पढ़ा जाना चाहिए।

चेन्नई में राज्यपाल के सदन से जाने के बाद एआईएडीएमके के विधायकों ने भी वाकआउट कर गए।

मेरा माइक बंद किया, राष्ट्रगान का हुआ अपमान: रवि

चेन्नई। विधानसभा में हुए घटनाक्रम के बाद लोकभवन ने बयान जारी कर दावा किया कि राज्यपाल आरएन रवि ने परंपरागत अभिभाषण पढ़ने से इसलिए इन्कार कर दिया, क्योंकि उसमें कई अप्रमाणित दावे और भ्रामक बयान शामिल थे। लोकभवन ने आरोप लगाया कि राष्ट्रगान का एक बार फिर अपमान किया गया। साथ ही, जनता को परेशान करने वाले कई मुद्दों को अनदेखा किया गया। राज्यपाल रवि परंपरागत अभिभाषण की शुरुआत में राष्ट्रगान बजाने की मांग कर रहे थे, जबकि राज्य सरकार का कहना है कि परंपरा के अनुसार शुरुआत में तमिल थाई वाज़्थु और अंत में राष्ट्रगान बजाया जाता है। लोकभवन की ओर से जारी 13 बिंदुओं वाले एक विवरण में यह भी आरोप लगाया गया कि राज्यपाल का माइक बार-बार बंद किया गया और उन्हें बोलने नहीं दिया गया।

राज्यपाल ने केंद्र की आलोचना वाले अहम हिस्से नहीं पढ़े: विजयन

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा में मंगलवार को तब अभूतपूर्व स्थिति उत्पन्न हो गई जब मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सदन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के संबोधन के तुरंत बाद आरोप लगाया कि उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल की ओर से अनुमोदित नीतिगत भाषण को पूरी तरह नहीं पढ़ा। विजयन ने कहा कि छोड़े गए अंशों में भाजपा-शासित केंद्र सरकार की राजकोषीय नीति की आलोचना करने वाले हिस्से और राजभवन में लंबित विधेयकों से संबंधित संदर्भ शामिल थे। विजयन के अनुसार, राज्यपाल ने दस्तावेज के 12वें पैरा का शुरुआती हिस्सा और 15वें पैरा के अंतिम हिस्से को नहीं पढ़ा। इसके अलावा, 157 पैरा और 72 पृष्ठों वाले नीतिगत भाषण के 16वें पैरा में राज्यपाल ने एक पंक्ति जोड़ी। विजयन ने विधानसभा अध्यक्ष से आग्रह किया कि राज्य मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर नीतिगत संबोधन को ही आधिकारिक संस्करण के तौर पर स्वीकार किया जाए।

अभिभाषण की अनिवार्यता हटे : मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी संविधान में संशोधन के माध्यम से उन प्रावधानों को हटाने का प्रयास करेगी, जिनमें वर्ष की शुरुआत में राज्यपाल के अभिभाषण को अनिवार्य बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने एक प्रस्ताव भी पेश किया जिसमें कहा गया कि सदन राज्यपाल के परंपरागत संबोधन न पढ़ने के व्यवहार को स्वीकार नहीं करता है।

घर में एक ही परिवार के पांच सदस्यों के शव मिले

सहारनपुर, एजेंसी

सहारनपुर जिले के सरसावा थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी से मंगलवार सुबह एक दंपती समेत परिवार के पांच लोगों के शव पुलिस ने बरामद किए हैं।

सहारनपुर के एसएसपी आशीष तिवारी के मुताबिक सुबह पुलिस को जानकारी मिली कि सरसावा की कौशिक विहार कॉलोनी में एक अमीन समेत परिवार के पांच सदस्यों के शव उन्हीं के मकान के एक कमरे में मिले हैं। मृतकों में अमीन के पद पर कार्यरत अशोक राठी (40), उसकी पत्नी अजिंता (37), मां विद्यावती (70), पुत्र कार्तिक (16) और देव (13) शामिल हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां अशोक राठी के शव की बगल में तीन लोडेड पिस्टल भी मिलीं। अशोक राठी सहित सभी के सिर पर गोली लगी थी जो बहुत पास से मारी गई थी। एसएसपी के मुताबिक पूरे क्षेत्र की सीसीटीवी फुटेज की जांच के साथ मामले की छानबीन की जा रही है। मौके से बरामद तीनों पिस्टल देसी हैं। वह लाइसेंसी हैं या नहीं, इसकी जांच कराई जा रही है।

एसएसपी ने बताया कि अशोक राठी को पिता की मौत के बाद मृतक आश्रित कोटे में अमीन की नौकरी मिली थी और वह नकुड़ तहसील में कार्यरत था। उसके दोनों बेटे दसवीं और 11वीं कक्षा में पढ़ रहे थे। पुलिस ने अशोक राठी के घर को सील कर दिया है ताकि किसी भी स्तर पर जांच प्रभावित न हो पाए।

अविमुक्तेश्वरानंद से प्रशासन ने शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा

प्रयागराज। प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट के नोटिस का हवाला देते हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को नोटिस जारी कर 24 घंटे में ज्योतिष पीठ का शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा है। जवाब में उन्होंने कहा है कि शंकराचार्य वह है जिसे बाकी तीन पीठों के शंकराचार्य मान्यता देते हैं। उन्होंने दावा किया है कि बाकी दो पीठ द्वारका पीठ और श्रृंगेरी पीठ के शंकराचार्य उन्हें शंकराचार्य कहते हैं। पिछले माघ मेले में उनके साथ स्नान भी कर चुके हैं। जब दोनों शंकराचार्य यह कह रहे हैं कि वह शंकराचार्य हैं तो और किस प्रमाण की आवश्यकता है कि वह शंकराचार्य हैं कि नहीं।

अमेठी के जिला समाज कल्याण अधिकारी निलंबित

अमेठी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही और अनियमितता के आरोप में जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) नलिन राज को निलंबित कर दिया गया है। बता दें कि रायबरेली की फर्म मेसर्स बालाजी फूड प्रोडक्ट्स के प्रोपराइटर जगदीश प्रसाद ने मंडलायुक्त अयोध्या समेत शासन के उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र भेजा था।

जनवरी के लिए पंचायतों को 900 करोड़ की सौगात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुति पर जिला, ब्लॉक व ग्राम पंचायतों को धनावंटन
- कुल 10,800 करोड़ रुपये की वार्षिक व्यवस्था में से जनवरी के लिए किस्त स्वीकृत

अमृत विचार : योगी सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने के लिए बड़ा निर्णय लेते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनवरी के लिए 900 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। यह राशि पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के अंतर्गत जनरल ग्रांट के रूप में जिला पंचायतों, ब्लॉक पंचायतों और ग्राम पंचायतों को दी जाएगी। शासनादेश जारी हो गया है।

विशेष सचिव आलोक दीक्षित की ओर से पंचायती राज निदेशक को भेजे गए शासनादेश के अनुसार यह धनराशि स्थानीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति एवं समनुदेशन से जारी की जाएगी। कुल 10,800 करोड़ रुपये की वार्षिक व्यवस्था में से जनवरी माह के लिए यह किस्त स्वीकृत की गई है। धनराशि निदेशक, पंचायती राज के निवर्तन पर रखी जाएगी, जिसे तय शर्तों के अनुसार संबंधित पंचायतों के खातों में सीधे अंतरित किया जाएगा। यह वितरण पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों के अनुसार किया जाएगा। इस निर्णय से प्रदेश की पंचायतों को विकास कार्यों और जरूरतों के पूरा होने की उम्मीद है।

पंचायतों में वितरण

● जिला परिषद/जिला स्तरीय पंचायतें: 135 करोड़ रुपये ● ब्लॉक पंचायत/मध्यवर्ती स्तरीय पंचायतें: 135 करोड़ रुपये ● ग्राम पंचायतें: 630 करोड़ रुपये

वीडियो वायरल होने पर कर्नाटक के डीजीपी निलंबित

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने डीजीपी के. रामचंद्र राव के महिलाओं के साथ अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सोमवार को कई समाचार चैनलों ने भी यह वीडियो प्रसारित किया जिसमें राव महिलाओं के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दे रहे थे।

सरकार ने राव की कहीं आवाजाही पर भी रोक लगा दी है और बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़ने का आदेश दिया है। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से जारी एक आधिकारिक आदेश में सरकार ने कहा कि टेलीविजन चैनल और डिजिटल मीडिया मंचों पर प्रसारित वीडियो और समाचार में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को अश्लील तरीके स व्यवहार करते हुए दिखाया गया है। इस कारण उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्णय लिया गया है। उधर, राव ने वीडियो को मनगढ़ंत और झूठा बताया है।

फैसला सुप्रीम कोर्ट ने कहा- केस दर्ज कर आरोपपत्र भी कर सकती है दाखिल, सीबीआई की पूर्वानुमति की भी जरूरत नहीं

केंद्रीय कर्मियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच कर सकती है राज्य पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में व्यवस्था दी कि रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के अपराधों के मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत राज्य पुलिस के अधिकारी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ जांच कर आरोप पत्र दाखिल कर सकते हैं। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि राज्य पुलिस को केंद्र सरकार के किसी कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज करने से पहले सीबीआई की पूर्व अनुमति की भी आवश्यकता नहीं है।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराधों की जांच राज्य एजेंसी, केंद्रीय एजेंसी या कोई भी पुलिस एजेंसी इस शर्त के साथ कर सकती है कि पुलिस अधिकारी विशेष रैंक का हो। पीठ ने अधिनियम की धारा 17 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह धारा राज्य पुलिस या राज्य की किसी विशेष एजेंसी को केंद्रीय कर्मचारियों के खिलाफ रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार और कदाचार से संबंधी मामलों को दर्ज करने या जांच करने से नहीं रोकती है। पीठ ने कहा, सुविधा और काम के दोहराव से बचने के लिए सीबीआई को केंद्र के कर्मचारियों के खिलाफ जांच का जिम्मा सौंपा गया है। इसी तरह राज्य के भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो पर राज्य सरकार के कर्मचारियों के खिलाफ जांच करने जिम्मेदारी है।

आवारा कुत्तों के मामले में मेनका गांधी का बयान अवमानना

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी की आवारा कुत्तों के मुद्दे पर अपने आदेशों की आलोचना करने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्होंने अदालत की अवमानना की है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि उदारता के कारण वह पूर्व मंत्री के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू नहीं कर रही है। न्यायमूर्ति मेहता ने मेनका के वकील से पूछा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री के रूप में मेनका गांधी ने आवारा कुत्तों की समस्या को खत्म करने के लिए बजट में आवंटन कराने में क्या मदद की। पीठ ने कहा कि कुत्तों को खाना देने वालों को जवाबदेह ठहराने के संबंध में उसकी टिप्पणी व्यंग्य नहीं, बल्कि गंभीर थी। अदालत ने 13 जनवरी को कहा था कि वह राज्यों को कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए भारी मुआवजा देने को कहेगी और ऐसे मामलों के लिए कुत्तों को खाना देने वालों को जवाबदेह ठहराएगी।

समाचारपत्रों को नहीं रोक सकते निर्बाध चलेंगी पंजाब केसरी की प्रेस

सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए कि ''समाचारपत्रों को रोका नहीं जा सकता'' पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह पंजाब केसरी अखबार के प्रकाशन के खिलाफ कोई कदम न उठाए। कोर्ट ने मौखिक उल्लेख के बाद समाचारपत्र समूह की याचिका पर तत्काल सुनवाई करते हुए आदेश दिया कि हिंदी दैनिक के प्रिंटिंग प्रेस निर्बाध रूप से काम करते रहेंगे। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने कहा कि समाचार पत्र समूह की याचिका पर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के फैसला सुनाए जाने के बाद भी उसका अंतरिम आदेश एक सप्ताह तक प्रभावी रहेगा। इससे पहले समाचार पत्र समूह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने इसे असाधारण मामला बताते हुए आरोप लगाया कि पंजाब सरकार के खिलाफ समाचारों के बाद राज्य ने उत्पीड़न का अभियान शुरू कर दिया।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 21 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

बदायूं में रिश्वत लेते लेखपाल गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : एंटी करप्शन टीम ने बदायूं के तहसील बिसौली में तैनात लेखपाल सतीश चंद्र शर्मा को 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। आरोपी लेखपाल बदायूं जिले के थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के निवासी ओमप्रकाश से वर्ष 2015 में आवंटित आबादी के प्लॉट पर कब्जा दिलाने के एवज में अवैध धनराशि की मांग कर रहा था। शिकायत मिलने पर भ्रष्टाचार निवारण संगठन की बरेली इकाई ने निरीक्षक इस्तियाक वारसी के नेतृत्व में ट्रैप की योजना बनाई। मंगलवार को टीम ने फैजगंज बेहटा क्षेत्र के बाहर नव-निर्मित गौशाला के पास से लेखपाल को रिश्वत लेते हुए दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। एंटी करप्शन अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और रिश्वतखोरी में संलिप्त किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा।

दिव्यांगजनों के प्रति सरकार प्रतिबद्ध : नरेंद्र

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को सम्मानजनक, आत्मनिर्भर और बाधारहित जीवन देने के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। यह बात पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने योजना भवन, लखनऊ में आयोजित दिव्यांगता पर गठित राज्य सलाहकार बोर्ड की सातवीं बैठक में कही। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, विधायकों और बोर्ड सदस्यों द्वारा दिव्यांगजनों के हित में कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे गए, जिन पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद नीतिगत निर्णय लिए गए। मंत्री कश्यप ने कहा कि सरकार का स्पष्ट निर्देश है कि केंद्र और प्रदेश सरकार की सभी योजनाओं का लाभ दिव्यांगजनों तक समयबद्ध, निष्पक्ष और बिना किसी बाधा के पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि पेंशन भुगतान या अन्य लाभों में किसी भी प्रकार की देरी और लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 11 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को 1000 रुपये प्रतिमाह (12,000 रुपये वार्षिक) भरण-पोषण पेंशन दी जा रही है, जबकि वर्ष 2017 से पहले यह राशि मात्र 300 रुपये प्रतिमाह थी।

प्रोजेक्ट टाइगर-एलीफेंट को 23.19 करोड़ मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : वन्यजीव संरक्षण को मजबूती देने की दिशा में योगी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। शासनादेश के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र प्रायोजित "प्रोजेक्ट टाइगर एंड प्रोजेक्ट एलीफेंट" योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अवमुक्त केंद्रीय सहायता की प्रथम किस्त के उपयोग हेतु कुल 23 करोड़ 19 लाख 20 हजार रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह धनराशि राजस्व एवं पूंजीगत मदों में पुनर्विनियोग के माध्यम से व्यय की जाएगी। शासन के उप सचिव विनय कुमार पाठक की ओर से प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष को भेजे गए शासनादेश में बताया गया है कि यह स्वीकृति वित्त विभाग की अनुमति के क्रम में दी गई है। धनराशि प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश के निवर्तन पर रखी जाएगी। सरकार का मानना है कि इस वित्तीय स्वीकृति से प्रदेश में बाघ और हाथी संरक्षण योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिलेगी।

सामाजिक सुरक्षा और रोजगार प्रशिक्षण के लिए 102.33 स्वीकृत

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने सामाजिक सुरक्षा, महिला-बाल कल्याण और ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए दो अलग-अलग शासनादेशों के माध्यम से महत्वपूर्ण धनराशि स्वीकृत की है। इन आदेशों से जहां आईसीडीएस (एकीकृत बाल विकास सेवा) के तहत पोषण एवं सेवाओं को गति मिलेगी, वहीं ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) योजना से युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और आत्मनिर्भरता का अवसर मिलेगा। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुदान संख्या-83 के तहत 82.04 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई है। यह धनराशि केन्द्र प्रायोजित आईसीडीएस योजना के लिए एसएनए (सिंगल नोडल एजेंसी) खाते में हस्तांतरित की जाएगी। इसमें केन्द्रांश 49.22 करोड़ और राज्यांश 32.81 करोड़ रुपये शामिल है। दूसरे शासनादेश में ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) योजना के लिए 20.29 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की गई है। यह राशि 100% केन्द्रांश पर आधारित है और अनुदान संख्या-13 के तहत एसएनए स्पर्श प्रणाली के माध्यम से जारी की जाएगी।

अप्रैल से जुलाई तक कराए जाएंगे टीईटी, टीजीटी और पीजीटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ प्रयागराज

- उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने जारी किया कैलेंडर

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (यूपीईएसएससी) ने लंबे इंतजार के बाद शिक्षक भर्ती परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। मंगलवार को आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद टीईटी, टीजीटी, पीजीटी और सहायक आचार्य भर्ती परीक्षाओं की नई तिथियों की घोषणा की गई। जारी कैलेंडर के अनुसार अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच परीक्षाएं होंगी।

आयोग के अनुसार, लंबे समय से अटकी भर्ती प्रक्रिया को गति देने के लिए परीक्षाएं चरणबद्ध ढंग से कराई जाएंगी। सभी परीक्षाएं कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ आयोजित की जाएंगी। परीक्षा केंद्र, पाली और प्रवेश पत्र से संबंधित जानकारी अभ्यर्थियों को समय से आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि सभी परीक्षाएं निर्धारित समय पर कराई जाएंगी और किसी भी तरह की अफवाहों से बचने के लिए अभ्यर्थी केवल आधिकारिक सूचना पर ही भरोसा करें।

परीक्षा की संभावित तिथियां

- सहायक आचार्य (विज्ञापन संख्या-51) : 18-19 अप्रैल 2026
- प्रवक्ता पीजीटी (विज्ञापन संख्या-02/2022) : 9-10 मई 2026
- प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक टीजीटी (विज्ञापन संख्या-01/2022) : 3-4 जून 2026
- यूपी शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी 2026) : 2, 3 और 4 जुलाई 2026

तीन साल बाद यूपी में टीईटी

- यूपी में आखिरी बार टीईटी परीक्षा 21 जनवरी 2022 को हुई थी। इससे पहले 28 नवंबर 2021 को प्रस्तावित परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने के कारण निरस्त कर दी गई थी। इसके बाद प्रशासनिक कारणों से परीक्षा लगातार टलती रही, जिससे लाखों अभ्यर्थी असमंजस में थे। अब परीक्षा कैलेंडर जारी होने से अभ्यर्थियों में तैयारी को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।

बिना टीईटी पास शिक्षक योग्य नहीं

- सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर स्पष्ट किया है कि बिना टीईटी उत्तीर्ण किए कोई भी शिक्षक योग्य नहीं माना जाएगा। अदालत ने कहा कि जिन शिक्षकों की सेवा में पांच वर्ष से अधिक समय शेष है, उनके लिए टीईटी पास करना अनिवार्य होगा। ऐसा न करने पर उन्हें इस्तीफा या अनिवार्य सेवानिवृत्ति का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, जिन शिक्षकों की सेवा में पांच वर्ष से कम समय बचा है, उन्हें इस शर्त से राहत दी गई है। अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों पर यह आदेश लागू होगा या नहीं, इस पर निर्णय बड़ी पीठ करेगी। इस फैसले का असर देशभर में करीब 10 लाख और अकेले यूपी में लगभग 2 लाख शिक्षकों पर पड़ने का अनुमान है।

लविवि में समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में स्थित सार्वजनिक स्थलों की खराब स्थिति पर एनएसयूआई से जुड़े छात्रों ने डीन छात्र कल्याण अधिष्ठाता को ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने ज्ञापन के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन का ध्यान गेट संख्या 1 से कैशियर कार्यालय तक सड़क के किनारे लगे वृक्षों के चबूतरे पर आकृष्ट किया जिनमें टूटफूट हो रही है। छात्रों ने अपने ज्ञापन में कहा कि टैगोर लॉन की अधिकांश सीटें पूरी तरह उखड़ी हुई हैं और जगह-जगह मिट्टी और गंदगी फैली हुई है।

विधायी संस्थाओं में पारदर्शिता अपरिहार्य

लोकसभा अध्यक्ष ने दिया जनता के प्रति जवाबदेही तय करने पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए विधायी संस्थाओं की कार्यप्रणाली में गुणवत्ता के स्पष्ट मानक, पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बदलते समय के साथ विधायिका को नवाचार, प्रौद्योगिकी और दक्ष मानव संसाधन के माध्यम से स्वयं को और अधिक प्रभावी बनाना होगा।

86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के दूसरे दिन लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि देशभर की विधायिकाओं में अपनाई जा रही सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को एक-दूसरे से साझा किया जाना चाहिए, ताकि विधायी कार्य अधिक प्रभावी, नागरिक-केंद्रित और परिणामोन्मुख हो सके। उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा द्वारा विभिन्न राज्यों की अच्छी विधायी परंपराओं और प्रक्रियाओं को अपनी कार्यप्रणाली में शामिल करने के प्रयासों की सराहना की। बिरला ने कहा कि विधायकों की शैक्षणिक योग्यता, पेशेवर अनुभव और सामाजिक पृष्ठभूमि को पहचानकर यदि उनका रचनात्मक उपयोग किया जाए, तो विधायी चर्चाओं की गुणवत्ता और निर्णयों की प्रभावशीलता कई गुना बढ़ सकती है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि पारदर्शी और कुशल विधायी प्रक्रियाओं के लिए डिजिटल तकनीक और आधुनिक आईटी टूल्स का उपयोग अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। ई-विधान, डिजिटल रिकॉर्ड, लाइव प्रसारण और नागरिक सहभागिता जैसे उपाय विधायिकाओं को जनता के और करीब लाते हैं। इससे जनता का विश्वास भी मजबूत होता है।

पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं कलाकार।

तीन प्रमुख विषयों पर हुआ विचार-विमर्श

- सम्मेलन के दूसरे दिन तीन अहम विषयों पर पूर्ण सत्रीय चर्चा की गई। पहला विषय था—पारदर्शी, कुशल एवं नागरिक-केंद्रित विधायी प्रक्रियाओं के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग। दूसरा—विधायकों की क्षमता-वृद्धि के माध्यम से कार्यकुशलता में सुधार और लोकतांत्रिक शासन को और सुदृढ़ करना। तीसरा—जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही। इन सत्रों में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की उपस्थिति में गहन विचार-विमर्श हुआ, जबकि चर्चा का संचालन राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने किया।

संसद-विधानसभाओं में समन्वय की जरूरत

- राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने विधायी संस्थाओं की कार्यकुशलता बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एआई के प्रभावी और विश्वसनीय उपयोग के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। साथ ही संसद और राज्य विधायिका के बीच अधिक समन्वय पर बल देते हुए कहा कि इससे संस्थागत ज्ञान और अनुभव का बेहतर उपयोग संभव हो सकेगा।

सचान की पुत्री-दामाद को दिया आशीर्वाद

- लोकसभा अध्यक्ष ने प्रदेश सरकार में मंत्री राकेश सचान के राजकीय आवास (माल एवेन्यू) पहुंचकर उनकी पुत्री राशि सचान एवं दामाद सीवेन्द्र सचान को नवविवाहित जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ने सुख, समृद्धि और सफल दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं देते हुए परिवार से आत्मीय संवाद किया, जबकि मंत्री राकेश सचान ने उनका स्वागत कर आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित भोज के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मंत्री और अन्य पदाधिकारी।

प्रदेश में बनेगा एक गीगावॉट का एआई डेटा सेंटर

एएम ग्रीन ग्रुप और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच हुआ एमओयू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 25 अरब डॉलर का निवेश, ग्रेटर नोएडा बनेगा ग्लोबल एआई हब
- वैश्विक स्तर की एआई और एसपीसी जरूरतें होंगी पूरी

अमृत विचार: प्रदेश को वैश्विक डिजिटल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थव्यवस्था के केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। एएम ग्रीन ग्रुप ने इन्वेस्ट यूपी के साथ एक ऐतिहासिक समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 1 गीगावॉट क्षमता का अत्याधुनिक डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा, जो वैश्विक स्तर की एआई और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (एसपीसी) जरूरतों को पूरा करेगा।

यह एमओयू विश्व आर्थिक मंच, दावोस में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना समेत वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और एएम ग्रीन ग्रुप के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में हुआ। इस परियोजना में लगभग 25 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 2 लाख करोड़ रुपये) का निवेश प्रस्तावित है, जो अब तक देश के सबसे बड़े डेटा सेंटर निवेशों में से एक माना जा रहा है। परियोजना

का विकास चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। इसकी पहली क्षमता वर्ष 2028 तक शुरू होने की संभावना है, जबकि 2030 तक पूर्ण 1 गीगावॉट क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। एएम ग्रीन ग्रुप के चेयरमैन अनिल चलमालसेट्टी ने कहा कि एआई आज हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए यह एक निर्णायक तकनीक होगी। वहीं, एएम ग्रीन के प्रेसिडेंट महेश कोल्ली ने कहा कि एक गीगावॉट कंप्यूट क्षमता को 24×7 ग्रीन पावर के साथ जोड़कर कंपनी वैश्विक एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर का एक नया और टिकाऊ मॉडल तैयार कर रही है।

एआई और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग को मिलेगी गति

- इस डेटा सेंटर में लगभग पांचलाख अत्याधुनिक हाई-परफॉर्मेंस चिपसेट्स लगाए जाएंगे। यह केंद्र वैश्विक हाइपरस्केलर्स, फ्रंटियर एआई लैब्स, बड़े उद्यमों और भारत की सॉवरेन एआई पहलों को बड़े पैमाने पर और तेज गति से कंप्यूटिंग क्षमता उपलब्ध कराएगा। एएम ग्रीन का यह एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर हब ऊर्जा, हेल्थकेयर, मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, मीडिया, गेमिंग और सरकारी क्लाउड सेवाओं जैसे अनेक क्षेत्रों में एआई आधारित समाधानों के विकास में मदद करेगा।

निवेश और रोजगार का बड़ा केंद्र बनेगा यूपी

- इस परियोजना से प्रदेश में हजारों उच्च-कुशल रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। हार्डवेयर मैन्युफैक्चरिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेटा एनालिटिक्स, कूलिंग टेक्नोलॉजी और एआई एप्लिकेशन डेवलपमेंट का एक मजबूत स्थानीय इकोसिस्टम विकसित होगा। साथ ही, यह परियोजना राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को भी नई गति देगी।

कार्बन-फ्री ऊर्जा से संचालित होगा डेटा सेंटर

- परियोजना की एक बड़ी विशेषता यह है कि इसे 24×7 कार्बन-फ्री ग्रीन एनर्जी से संचालित किया जाएगा। एएम ग्रीन ग्रुप अपनी अक्षय ऊर्जा विशेषज्ञता के तहत पवन, सौर और पम्प्ड स्टोरेज समाधानों का उपयोग करेगा। इससे यह डेटा सेंटर न केवल तकनीकी रूप से उन्नत होगा, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ डिजिटल अर्थव्यवस्था का भी उदाहरण बनेगा।

25 जिलों में हुआ सीएम युवा हेल्प डेस्क का आयोजन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश के 25 जिलों में मंगलवार को एक साथ 'सीएम युवा हेल्प डेस्क' का आयोजन किया गया, जिसने युवाओं में उद्यम स्थापित करने को लेकर उत्साह और भरोसा पैदा किया। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्रों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में यूपीकॉन के माध्यम से संचालित विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना और एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़े युवाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया।

इस व्यापक आयोजन के दौरान युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना (सीएम युवा योजना) के तहत उपलब्ध सुविधाओं, ऋण व्यवस्था और आवेदन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। महज कुछ ही घंटों में 1072 इच्छुक प्रशिक्षणार्थियों ने योजना के अंतर्गत आवेदन किया, जो यह दर्शाता है कि सरकार की नीतियों से प्रेरित होकर युवा अब स्वरोजगार और उद्यमिता की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं।

सीएम युवा हेल्प डेस्क में जानकारी लेते युवक और युवतियां। अमृत विचार

45 पॉलीटेक्निक में बनेंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वीकृत हुई 159.01 करोड़ की पहली किस्त, 318.03 करोड़ का प्रावधान
- टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग तकनीकी शिक्षा को मिलेगा आधुनिक स्वरूप

अमृत विचार: प्रदेश में तकनीकी शिक्षा को उद्योगोन्मुख और आधुनिक बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। शासन ने टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड (टीटीएल) के सहयोग से प्रथम चरण में चयनित 45 राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापना के निर्माण कार्यों को प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके लिए पहली किस्त के 159.01 करोड़ रुपये भी जारी कर दिए गए हैं।

संयुक्त सचिव प्रभाकर चंद्र मिश्र की ओर निदेशक प्राविधिक शिक्षा को भेजे गए शासनादेश के अनुसार, ये परियोजना तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित की जाएगी। इससे पहले सरकार द्वारा 14 नवंबर 2025 को मानकीकृत लागत 706.75 लाख रुपये प्रति संस्थान तय की जा चुकी है। कुल मिलाकर इस योजना के लिए 318.03 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसके सापेक्ष पहली किस्त के रूप में यह धनराशि अवमुक्त की गई है।

शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्माण कार्य शुरू करने से पहले सभी आवश्यक तकनीकी स्वीकृतियां, वैधानिक अनापत्तियां और पर्यावरणीय क्लियरेंस प्राप्त किए जाएंगे। परियोजना की गुणवत्ता, मानकों और समयबद्धता की जिम्मेदारी निदेशक, प्राविधिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश की होगी। किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता की पूरी जवाबदेही भी विभागीय स्तर पर तय की गई है।

इन जिलों में बनेंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

- पहले चरण में लखनऊ, कानपुर, कानपुर देहात, ललितपुर, जालौन (उरई), महोबा, बांदा, हमीरपुर, औरैया, हरदोई, गोंडा, मैनपुरी, बरेली, गाजियाबाद, मेरठ, सहारनपुर, अमरोहा, बिजनौर, शामली, बुलंदशहर, हाथरस, वाराणसी, चंदौली, आजमगढ़, बलिया, संत कबीरनगर, सोनभद्र, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, झांसी, बदायूं, शाहजहांपुर, लखीमपुर-खीरी, अयोध्या, अमेठी, मुरादाबाद, फिरोजाबाद, गाजीपुर, जौनपुर, मऊ, गोरखपुर, देवरिया और मिर्जापुर सहित 45 राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों को शामिल किया गया है। प्रत्येक संस्थान के लिए लगभग 3.53 करोड़ की पहली किस्त जारी की गई है।

उद्योग से जुड़ा प्रशिक्षण

- इन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से छात्रों को नई और उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे सीधे उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार हो सकें। टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के सहयोग से तैयार पाठ्यक्रम, अत्याधुनिक लैब, मशीनरी और प्रशिक्षण ढांचा विकसित किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

यूपी दिवस विशेष | योगी सरकार के श्रम, रोजगार, निवेश और सामाजिक सुरक्षा मॉडल से बदली तस्वीर

उत्तर प्रदेश में अब पलायन नहीं, लौटने का दौर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रोजगार सृजन से लगा पलायन पर ब्रेक, निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर बने विकास की रीढ़

अमृत विचार: यूपी को कभी रोजगार की तलाश में पलायन करने वाले राज्यों में गिना जाता था, आज योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकास, आत्मनिर्भरता और समावेशी समृद्धि की नई कहानी लिख रहा है। बीते पौने नौ वर्षों में लागू नीतियों का असर अब जमीन पर साफ दिख रहा है। युवाओं और श्रमिकों को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रदेश छोड़ने की मजबूरी नहीं रही। उलटे, पहले बाहर गए अनेक लोग अब अवसरों की तलाश में वापस लौट रहे हैं। पलायन का स्थान 'परावर्तन' ने ले लिया है।

औद्योगिक निवेश, एमएसएमई विस्तार, सेवायोजन मेलों और कौशल विकास कार्यक्रमों के जरिए बड़े पैमाने पर रोजगार बने हैं। बेरोजगारी दर में ऐतिहासिक गिरावट आई है और लाखों युवाओं को सरकारी व निजी क्षेत्र में काम मिला है। सेवायोजन विभाग के सेवामित्र पोर्टल पर 53 हजार से अधिक कुशल कामगार पंजीकृत होकर सीधे रोजगार से जुड़ रहे हैं। घर के पास अवसर मिलने से कामकाजी पलायन में निर्णायक कमी आई है।

इन्वेस्ट यूपी के सिंगल-विंडो सिस्टम, पारदर्शी प्रक्रियाओं और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुधारों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। एक्सप्रेसवे नेटवर्क, एयरपोर्ट्स, औद्योगिक व डिफेंस कॉरिडोर, मेडिकल कॉलेज और लॉजिस्टिक्स हब्स ने उद्योगों को जिलों तक पहुंचाया।

आज प्रदेश में 30 हजार से अधिक फैक्ट्रियां संचालित हैं, 2017 से पहले यह संख्या इसकी आधी भी नहीं थी। नतीजतन, स्थानीय स्तर पर स्थायी नौकरियां बनीं और युवाओं को अपने गृह जनपदों में अवसर मिले। योगी सरकार ने रोजगार के साथ सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी। पंजीकृत श्रमिकों और कोविड काल में निराश्रित बच्चों के लिए हर मंडल में अटल आवासीय विद्यालय संचालित हैं, जहां 100-100 बालक-बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा मिल रही है। इससे श्रमिक परिवारों का भविष्य सुरक्षित हुआ है।

दुर्घटना, मृत्यु और दिव्यांगता पर आर्थिक संबल

- सरकार ने मजबूत सुरक्षा कवच तैयार किया है। कार्यस्थल पर मृत्यु पर 5 लाख रुपये, स्थायी दिव्यांगता पर 3 लाख रुपये, आंशिक दिव्यांगता पर 2 लाख रुपये, पंजीकृत श्रमिक की दुर्घटना से मृत्यु पर 5 लाख रुपये, सामान्य मृत्यु पर 2 लाख रुपये और 25,000 रुपये अंत्येष्टि सहायता समेत अपंजीकृत श्रमिक की दुर्घटना/मृत्यु पर 1.25 लाख रुपये की मदद के प्रावधानों ने असुरक्षा की भावना को काफी हद तक समाप्त किया है।

पेंशन, बैंकिंग और परिवार सुरक्षा

- प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन, अटल पेंशन, मातृत्व-शिशु-बालिका मदद, निर्माण कामगार सहायता योजनाओं से लाखों लाभान्वित हैं। कन्या विवाह सहायता योजना के तहत दो बालिकाओं के विवाह पर 55,000-61,000 रुपये तक सहायता मिलती है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत प्रदेश में 9.52 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं। गंभीर बीमारी में सरकारी अस्पतालों में 100% व्यय प्रतिपूर्ति से श्रमिक परिवारों पर आर्थिक बोझ घटा है।

हत्या कर फेंका शव, हादसा दिखाने को पलटाया ई-रिक्शा

खेत में मिली खून लगी टंकी, बिस्तर, कमरे की फर्श पर भी खून, भाई ने भाभी और भतीजों पर के खिलाफ दी हत्या की तहरीर

संवाददाता, मलिहाबाद

- फॉरेंसिक टीम व डॉग स्क्वॉयड ने घटनास्थल पर जुटाए साक्ष्य

खेत में मिली टंकी में लगा खून।

घटनास्थल पर जांच करती पुलिस। अमृत विचार

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के खड़ता गांव में ई-रिक्शा चालक की हत्या कर शव गांव के बाहर फेंक दिया गया। हादसा दर्शाने के लिए शव पर ई-रिक्शा पलटा दिया गया। सुबह ग्रामीणों की सूचना पर एडीसीपी उत्तरी, और मलिहाबाद ने मौके पर जांच की और फारेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। कुछ दूरी पर खून लगी टंकी और बिस्तर और घर के कमरे में खून मिला। मृतक के भाई ने भाभी और दो भतीजों पर हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगा तहरीर दी।पुलिस तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मृतक की पत्नी ने भी अज्ञात के खिलाफ हत्या की तहरीर दी है।

खड़ता गांव निवासी अर्जुन पाल (50) ई-रिक्शा चलाता था। उसके परिवार में पत्नी शिवरानी, बेटे रूपलाल पाल और रविंद्र पाल हैं। मंगलवार सुबह करीब 7 बजे गांव के बाहर लिंक रोड पर अर्जुन का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। शव पर ई-रिक्शा पड़ा था। ग्रामीणों ने परिजन और डॉयल-112 पर सूचना दी। कुछ देर में इंस्पेक्टर मलिहाबाद सुरेंद्र सिंह भाटी उसके बाद एडीसीपी उत्तरी ऋषभ रुणवाल पहुंच गए।

मृतक के चेहरे, सिर व हाथ पर धारदार हथियार से वार के निशान थे। पुलिस ने डॉग स्क्वॉयड और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल का साक्ष्य जुटाए। छानबीन में पुलिस को घटनास्थल के पास खेत में स्टील की खून लगी पानी की टंकी और बिस्तर मिला। भाई मुन्नूलाल ने अर्जुन की पत्नी, बेटों पर हत्या कर हादसा दिखाने के लिए शव गांव के बाहर फेंककर रिक्शा पलटाने का आरोप लगाया। मुन्नू पाल की तहरीर पर पुलिस तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मुन्नूलाल ने बताया कि अर्जुन का पत्नी और बेटों का रात में विवाद हुआ था। उसी दौरान तीनों ने हत्या कर दी। शिवरानी ने अज्ञात के खिलाफ पति की हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। एडीसीपी ने बताया कि तीनों से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही स्थिति साफ हो जाएगी।

कमरे में फैला था खून, ग्रामीणों ने लगाया ताला

- मुन्नूलाल और ग्रामीणों ने बताया कि कई दिनों से अर्जुन का शिवरानी और बेटों में विवाद चल रहा था। सुबह अर्जुन का शव मिलने पर ग्रामीणों को पत्नी और बेटों पर हत्या का शक हुआ। ग्रामीण उसके घर पहुंचे, पत्नी और बेटों से पूछताछ की तो आनाकानी करने लगे। ग्रामीण घर के अंदर जाने लगे तो परिजन ने विरोध किया। शक होने पर ग्रामीणों ने कमरे में ताला लगा दिया। पुलिस के पहुंचने पर जब ताला खोला तो फर्श पर खून फैला हुआ था।

हत्या की वजह तलाशने में जुटी पुलिस

- शिवरानी ने बेटों के साथ मिलकर अर्जुन की हत्या क्यों की? यह अभी साफ नहीं है। भाई मुन्नूलाल ने बताया कि अर्जुन और उनके दोनों बेटे शराब पीने के आदी थे। जिसके चलते आए दिन झगड़ा होता था। आशंका है कि सोमवार रात भी नशे में पारिवारिक विवाद में तीनों ने मिलकर अर्जुन की हत्या कर दी। उसके बाद खून भी साफ करने का प्रयास किया। पुलिस को ई-रिक्शा के साइड हैंडल और कई जगह खून के धब्बे मिले हैं।

पति की मौत की सूचना पर भी शिवरानी के नहीं निकले आंसू, हुआ शक

- ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार रात करीब तीन बजे अर्जुन का ई-रिक्शा गांव की उन गलियों से होते हुए नहर की ओर तेजी से गया था, जहां से वह कभी नही निकला। ग्रामीणों को लगा हो सकता है कि अर्जुन किसी ग्रामीण को लेकर जा रहा है। मंगलवार सुबह जब ई-रिक्शा के नीचे अर्जुन का शव दबा मिला तो ग्रामीणों ने परिजन को बताया। अर्जुन की मौत के बाद भी पत्नी और बेटों को शांत देख ग्रामीणों को शक हुआ। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी। शिवरानी ने पुलिस को बताया कि पति देर रात घर लौट रहे थे। आशंका है ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलटा और नीचे दबने से उनकी मौत हो गई।

साथी ने गला रेत की सिलेंडर डिलीवरी मैन की हत्या

संवाददाता, पीजीआई

- बाइक पर पीछा बैठे साथी को राहगीरों ने दबोचा, पुलिस को सौंपा
- पीजीआई के चिरैयाबाग अंडर पास की घटना

अमृत विचार: थाना क्षेत्र स्थित चिरैयाबाग अंडर पास के पास मंगलवार रात चलती बाइक पर पीछे बैठे साथी ने गैस सिलेंडर डिलीवरी करने वाले प्रदीप सिंह परिहार (28) की गला रेतकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद भाग रहे आरोपी को स्थानीय लोगों ने दौड़ाकर पकड़कर जमकर पीटा। सूचना पर पहुंची पीजीआई पुलिस ने आरोपी को भीड़ के चंगुल से निकाला। जानकारी मिलते ही एडीसीपी साउथ रल्लापल्ली वसंथ कुमार मौके पर पहुंचे और फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किए। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

मूल रूप से कानपुर देहात के रूरा निवासी प्रदीप करीब दो साल से पत्नी पूजा के साथ उतरेटिया में किराए के मकान में रह रहा था। मंगलवार रात वह साथी राम तीरथ के साथ बाइक से शहीदपथ सर्विस लेन से लौट रहा था। इस बीच प्रदीप का पीछे बैठे साथी राम तीरथ से विवाद हो गया। विवाद के दौरान राम तीरथ ने पीछे से प्रदीप को पकड़ा और धारदार हथियार से उसका गला रेत दिया। इसके चलती बाइक अनियंत्रित हुई। पीछे से रामतीरथ ने संभाल लिया।

प्रदीप सड़क पर गिरा तो राम तीरथ भागने लगा। शोर सुनकर झोपड़पट्टी के लोगों और राहगीरों ने साहस दिखाते हुए राम तीरथ को दौड़ाकर दबोच लिया। पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। पीजीआई थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह और एडीसीपी रल्लापल्ली बसंथ कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस आनन-फानन में खून से लथपथ प्रदीप को अपेक्स ट्रामा सेंटर लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एडीसीपी ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। वह अमेठी का रहने वाला है। हत्या की वजह जानकारी की जा रही है।

बाइक पर टंगा रहा खाना पत्नी कर रही थी इंतजार

मृतक प्रदीप सिंह

- घटना की जानकारी पर प्रदीप की पत्नी पूजा अस्पताल पहुंची। पति के शव से लिपटकर रोने लगी। पुलिस ने बताया कि पूजा ने बताया कि पति ने उसे फोनकर बताया था कि वह खाना बाहर से खाकर आएगा। उसके लिए कबाब पराठे लेकर आ रहा है। वह घर पर पति का इंतजार कर रही थी। इस बीच पुलिस ने पति की मौत की सूचना दी।

न्यूज ब्रीफ

महिला का लैपटॉप लूटने वाले दो गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: निजी कंपनी की महिला कर्मी का स्कूटी से लैपटॉप लूटने वाले दो बदमाशों को कैंट पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी रोहन खान और मो. सलीम थाना क्षेत्र के राजीव गांधीनगर के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटा गया लैपटॉप, चार्जर और लूट में प्रयुक्त स्कूटी बरामद कर ली है। एसओ गुरमीत कौर ने बताया कि 15 जनवरी को डिंपल हजारिका ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी। मूल रूप से बाराबंकी निवासी आरोपी रोहन खान के खिलाफ बाराबंकी के जैदपुर और हल्द्वानी में दो मामले दर्ज हैं।

यौन शोषण का आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने वाले आरोपी को गुडंबा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मनोज जायसवाल अंबेडकरनगर का रहने वाला है। पीड़िता ने 9 सितंबर 2025 को गुडंबा थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी थी।

गैंगस्टर गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: गोसाईंगंज पुलिस ने तीन माह से फरार गैंगस्टर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी राहुल गुप्ता जनता काफी हाउस थाना कैसरबाग का रहने वाला है। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि मूल रूप से गाजियाबाद निवासी आरोपी मो. आरिफ उर्फ चीनी, राहुल गुप्ता, नासिर और आजम के खिलाफ सुशांत गोल्फ सिटी थाने में 30 सितंबर को गैंगस्टर एक्ट की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। आरोपी राहुल के खिलाफ पूर्व में तीन मामले दर्ज हैं।

वारियर्स क्रिकेट टीम ने जीती ट्रॉफी

अमृत विचार, सरोजनीनगर: सरोजनी नगर के चंद्रावल ग्रामसभा के भौनवाल क्रिकेट ग्राउंड में हुए क्रिकेट टूर्नामेंट में सीआरपीएफ कर्मियों की वारियर्स क्रिकेट टीम विजेता बनी। फाइनल मैच में उसने कैथी की टीम को पराजित किया। वारियर्स ने 156 रन बनाए, लक्ष्य का पीछा करने उतरी कैथी टीम 70 रन पर सिमट गई। सोनू ने 92 रन की पारी खेली। पियूष को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और विकास को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज घोषित किया गया।

चिनहट सीएचसी पर एक्सरे जांच हफ्तेभर से बंद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : चिनहट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में मरीजों की एक्सरे जांच नहीं हो पा रही है। एक सप्ताह से मरीजों की जांच बंद है। मरीजों को जांच के लिए चिनहट कोतवाली के पास 50 बेड अस्पताल में भेजा जा रहा है। वहां पहले से मरीजों का भार रहता है। कई मरीजों को निजी केंद्र पर जांच करवानी पड़ रही है। सीएचसी अधीक्षक की ओर से मशीनों को सही करने वाली कंपनी को सूचना दी गई, लेकिन अभी तक मशीन बन नहीं सकी है।

चिनहट सीएचसी में रोजाना 150 से 200 मरीज ओपीडी में आते हैं। इनमें से 10 से 15 मरीजों को एक्सरे जांच के लिए कहा जाता है। सीएचसी में 13 जनवरी से एक्सरे मशीन खराब चल रही है। उससे पहले भी कुछ दिन पूर्व

> करीब एक सप्ताह से एक्सरे मशीन खराब है। सॉयरेक्स कंपनी के इंजीनियरों को मशीन खराब होने की सूचना दे दी गई थी। शुक्रवार को इंजीनियरों ने पहुंचकर मशीन सही करने का आश्वासन दिया है। मरीजों को 50 बेड अस्पताल में जांच के लिए भेजा जा रहा है।
>
> **-डॉ. ज्योति कामले,** अधीक्षक सीएचसी चिनहट

मशीन खराब हो गई थी। सीएचसी में जा रहे मरीजों को एक्सरे के लिए टेक्नीशियन करीब एक किमी. दूर चिनहट कोतवाली के पास बने 50 बेड अस्पताल में जांच के लिए भेज रहे हैं। वहां पर पहले से एक्सरे जांच वाले मरीज रहते हैं। ऐसे में सीएचसी से जाने वाले मरीजों को एक या दो दिन बाद बुलाया जा रहा है। मरीजों को एक्सरे जांच के लिए बार-बार अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। कई मरीज तो मजबूरी में निजी केंद्र पर कीमत चुकाकर एक्सरे जांच करवा रहे हैं।

रास्ते के विवाद में खूनी संघर्ष, 13 घायल

संवाददाता, बख्शी का तालाब

- सभी घायलों को पुलिस ने कराया अस्पताल में भर्ती
- दोनों पक्षों ने महिगवां थाने में दी तहरीर, रिपोर्ट दर्ज

अस्पताल में भर्ती मारपीट में घायल महिलाएं। अमृत विचार

अमृत विचार : महिंगवा थाना क्षेत्र के खंतारी गांव में सोमवार रात रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे और धारदार हथियार चले। बवाल में एक पक्ष से तीन महिलाओं सहित सात और दूसरे पक्ष से छह लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थिति को संभालने के साथ ही पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

खंतारी गांव निवासी नारेंद्र कुमार ने तहरीर में बताया कि प्रदीप, दिलीप, प्रभात व अन्य ने साथियों के साथ मिलकर गांव में बाउंड्री का निर्माण कर रहे थे। जिससे उनके घर का आवागमन बंद हो गया। उन्होंने तहसील, थाना और पुलिस अधिकारियों तक फरियाद लगाई। इसके बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। नारेंद्र का आरोप है कि सोमवार रात रास्ते को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया।

बात बढ़ने पर दोनों ओर से दर्जनों लोग जमा हो गए। नारेंद्र का आरोप है कि करीब एक दर्जन से अधिक लोगों ने लाठी-डंडा व धारदार हथियार लेकर हमला कर दिया। हमले में मुकेश रावत, नारेंद्र कुमार, अंकुल, पूनम, सुमन, सोनी व एक अन्य घायल हो गए। जबकि दूसरे पक्ष से महेश, रामा, आशीष, सरिता, मनोज समेत छह लोग घायल हो गए। महिंगवा पुलिस ने दोनों पक्षों को राम सागर मिश्र हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। इंस्पेक्टर रामकुमार गुप्ता ने बताया दोनों पक्षों से तहरीर मिली है। रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

नदी में उतराता मिला लापता युवक का शव

संवाददाता, काकोरी

- भाई ने दुबग्गा थाने में दर्ज कराई थी गुमशुदगी की रिपोर्ट
- परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, मोबाइल गायब

अमृत विचार : दुबग्गा के कटौली गांव निवासी चार दिन से लापता मजदूर मनोज यादव (24) का शव सोमवार रात गांव के बाहर बेहता नदी में उतराता मिला। खेतों में पानी लगा रहे किसानों ने शव देखा तो पुलिस और परिजनों को सूचना दी। परिवारवालों ने हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए जांच की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर श्रीकांत राय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

परिजनों के अनुसार मनोज 15 जनवरी की देर रात बिना किसी को बताए घर से निकल गया था। काफी देर तक वापस न लौटने पर परिजनों ने कॉल की, लेकिन मोबाइल बंद मिला। रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में खोजबीन की गई, मगर कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद दुबग्गा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। भाई रमेश यादव ने बताया कि जिस दिन मनोज लापता हुआ, उसी दिन गांव के बाहर पश्चिम दिशा में करीब आधा किलोमीटर दूर उसका एक जूता और लोवर पड़ा मिला था। तभी से परिजन किसी अनहोनी की आशंका जता रहे थे। चार दिन बाद नदी में शव मिलने से उनका शक और गहरा हो गया है। परिजनों का कहना है कि अविवाहित मनोज शांत स्वभाव का था।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

- **अमृत विचार, गोसाईंगंज:** थाना क्षेत्र के ग्राम मंगहुआ में तालाब के पास स्थित आम के बाग में एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की, लेकिन खुदकुशी की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी। मृतक की पहचान इसी गांव के वासु (23) पुत्र रामसेवक पासी के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि वासु मानसिक रूप से विक्षिप्त था। वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। उसका एक भाई भी मानसिक रूप से विक्षिप्त था, जो करीब 10 वर्ष पहले घर छोड़कर चला गया था। वासु की शादी लगभग छह माह पूर्व हुई थी और वह कभी-कभी मजदूरी करता था।

चेन चुराने वाली महिला गिरफ्तार

- **अमृत विचार, गोसाईंगंज:** बुजुर्ग महिला की चेन चोरी करने वाली महिला को नाका पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चेन बरामद कर ली है। इंस्पेक्टर अभिनव कुमार वर्मा ने बताया कि अंबेडकरनगर निवासी 62 वर्षीय राकेश कुमार ने पत्नी की चेन चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। जांच के दौरान पुलिस ने दुर्गापुरी मेट्रो स्टेशन के पास से आरोपी अंजना निवासी मटियारी चिनहट को गिरफ्तार कर लिया है।

युवक को अगवा कर शहीद पथ पर चलती गाड़ी में पीटा

अमृत विचार , लखनऊ : कमता स्थित अवध बस अड्डे के पास देर रात काली थार जीप सवार चार-पांच बदमाशों ने 21 वर्षीय युवक अनूप सिंह को अगवा कर लिया। शहीद पथ पर चलते वाहन में उसे बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा गया। मोबाइल का सिमकार्ड बदमाशों ने निकालकर रख लिया। पिटाई के बाद बदमाशों ने युवक को वृंदावन योजना इलाके में फेंक दिया। घटना के बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। चिनहट के कृष्णा विहार कॉलोनी निवासी अनूप 17 जनवरी की रात करीब 11 बजे अपनी कार से चालक अमित के साथ कमता तिराहा स्थित अवध बस अड्डे पर पहुंचे। चालक को सामान लेने भेजने के दौरान एक युवक दौड़ता हुआ आया और कार में बैठ गया। विरोध करने पर बदमाश ने कार की चाबी छीनकर भागने का प्रयास किया।

छोटा हाथी और बाइक की टक्कर, किसान की मौत

अमृत विचार, निगोहां: नगराम के करौरा गांव के पास सोमवार रात उल्टी दिशा से आ रहे छोटा हाथी और बाइक में आमने-सामने टक्कर हो गयी। हादसे में बाइक सवार किसान की मौत हो गयी, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस वक्त हुआ जब किसान दोस्त के ससुराल से लौट रहा था। पुलिस ने घायल को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है। नगराम के जमालपुर दादूरी निवासी रवि (23) खेती-किसानी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। सोमवार को वह अपने दोस्त प्रदीप के साथ खुजौली स्थित अपनी ससुराल गया था। वहां से लौटते समय रात में करौरा गांव स्थित टीवीएस एजेंसी से पहले उनकी बाइक की टक्कर सामने से आ रही अमूल डेयरी के छोटा हाथी से हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि छोटा हाथी वाहन की सिर्फ एक लाइट जल रही थी, जिससे सामने से आ रही बाइक को दोपहिया वाहन का भ्रम हुआ और चालक सीधा वाहन में जा घुसा। हादसे में रवि और प्रदीप दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और एंबुलेंस की मदद से दोनों को ट्रामा सेंटर भिजवाया गया। ट्रामा सेंटर पहुंचने पर डॉक्टरों ने रवि को मृत घोषित कर दिया

सिटी डायरी

पत्रकारों से चर्चा करते किसान नेता।

खाद की समस्या उठाई

अमृत विचार, लखनऊ: भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत गुट ने मंगलवार को यूपी प्रेसक्लब में प्रेसवार्ता कर डीएपी, यूरिया की किल्लत और कालाबाजारों की समस्या उठाई। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अनिल तालान और प्रदेश प्रभारी ठाकुर तारा सिंह बिष्ट ने रबी फसल के लिए जरूरत के अनुसार समय पर खाद उपलब्ध कराने 13 सूत्रीय मांगपत्र रखा। समस्याओं का निराकरण और मांगें पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी। इस दौरान किसान दुर्घटना बीमा में परिवार को इकाई मानने, बीमा राशि दोगुनी करने और मृतक आश्रित नियमों में संशोधन का लाभ देने की मांग उठाई। बाढ़ व प्राकृतिक आपदा की स्थिति में फसल बीमा का पूरा लाभ और प्रति किसान 25 हजार रुपये मुआवजा देने की भी मांग की गई। घरेलू बिजली 400 यूनिट मुफ्त करने, चेकिंग के नाम पर उत्पीड़न बंद करने की मांग भी शामिल रही। किसानों ने उत्तर प्रदेश में गन्ना मूल्य बढ़ाकर 550 से 580 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग की।

ब्रास बैंड से वंदे मातरम् की प्रस्तुति देते जवान।

जवानों ने ब्रास बैंड पर गाया वंदेमारतम्

अमृत विचार, लखनऊ : भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय के निर्देश पर ''वंदे मातरम्'' की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर द्वितीय चरण में मंगलवार को सीमांत मुख्यालय, सशस्त्र सीमा बल ने गोमती नगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में ब्रास बैंड का भव्य एंव देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रदर्शन किया। नेतृत्व महानिरीक्षक रत्न संजय व उप महानिरीक्षक रजनीश लांबा ने किया। इस दौरान ब्रास बैंड की अनुशासित एवं सुमधुर प्रस्तुतियों ने सम्पूर्ण वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। इससे उपस्थित जनसमूह भाव-विभोर हो गए। महानिरीक्षक ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य ''वंदे मातरम्'' के एतिहासिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय महत्व को जन-जन तक पहुंचा था। नागरिकों में राष्ट्रप्रेम एकता और शौर्य की भावना को और अधिक सृदृढ़ करना है।

प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

मणिकर्णिका घाट के ध्वस्तीकरण के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ: शहर कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी और जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष रुद्र दमन सिंह बबलू के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वाराणसी में मणिकर्णिका घाट के ध्वस्तीकरण के विरोध में प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी के माध्यम से सौंपा गया। कार्यकर्ताओं से ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट ने प्राप्त किया। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने कहा कि यह स्थान माता अहिल्याबाई होल्कर के लिए बहुत महत्व रखता था।

कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद के साथ राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद व प्रोविन्शयल फिजियोथेरेपिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी।

कुलपति से मिले

अमृत विचार, लखनऊ: राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद व प्रोविन्शयल फिजियोथेरेपिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मंगलवार को केजीएमयू कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद से भेंट की। कुलपति से फिजियोथेरेपिस्टों की समस्याओं को दूर करने की मांग की। परिषद के महामंत्री अतुल मिश्र ने बताया कि केजीएमयू में फिजियोथेरेपिस्ट की पदोन्नति वर्षों से अटकी है। वर्ष 2022 से कैडर का पुनर्गठन नहीं हुआ। मन्सूर अहमद खान, उपाध्यक्ष तेजवीर सिंह भी रहे।

तैयारी

सेना, अर्धसैनिक बल, पीएसी, आईटीबीपी, एनसीसी सहित स्कूलों के दल करेंगे प्रदर्शन

कल और 24 को गणतंत्र दिवस परेड का फुल ड्रेस रिहर्सल

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- चारबाग से विधानभवन के सामने होते हुए केडी सिंह स्टेडियम तक जाएंगे

अमृत विचार : 22 और 24 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड का फुल ड्रेस रिहर्सल किया जाएगा। जिसमें सेना, अर्धसैनिक बल, पीएसी, आईटीबीपी, एनसीसी सहित स्कूलों के दल कदम से कदमताल मिलाएंगे। परेड चारबाग रवींद्रालय से विधानसभा के सामने से होते हुए केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर समाप्त होगी।

अपर जिलाधिकारी पूर्वी महेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन ने गणतंत्र दिवस की तैयारियां पूरी कर ली हैं। परेड रिहर्सल सुबह 10 बजे से शुरू होगी। जनता को परेशानी न हो इसके लिए रूट डायवर्जन के निर्देश दिए गए हैं। एडीएम पूर्वी ने बताया कि 26 जनवरी को विधान भवन पर सुबह 10 बजे ध्वज फहराने के बाद देशभक्ति की धुनों के बीच मार्च पास्ट और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसके अलावा विभिन्न विभागों की झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी। कार्यक्रम में राज्यपाल और मुख्यमंत्री शामिल होंगे।

तिरंगा लाइट की रोशनी से जगमगाएंगी इमारतें

- विधानभवन सहित राजधानी की प्रमुख सरकारी इमारतें तिरंगा लाइट की रोशनी से जगमगाएंगी। इसके अलावा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर मुशायरा और कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। गणतंत्र दिवस पर स्कूल और कॉलेज में प्रभात फेरी निकाली जाएंगी साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

सीएमएस की झांकी में दिखेगी शुभांशु की उड़ान

- **अमृत विचार, लखनऊ:** गणतंत्र दिवस परेड में सिटी मांटेसरी स्कूल की झांकी विज्ञान और आध्यात्म का अदभुत समागम होगी। जिसमें अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की उड़ान होगी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैज्ञानिक दृष्टि का भी समावेश भी देखने को मिलेगा। 'सारे जग में गूंज उठे जय जगत का नारा है' विषय पर इस झांकी को तैयार किया गया है। जिसे प्रबंधक प्रो. गीता गांधी किंगडन ने प्रस्तुत किया।

झांकी के संबंध में जानकारी देतीं गीता गांधी।

उन्होंने बताया कि 'सर्वधर्म समभाव', 'वसुधैव कुटुम्बकम' व 'जय जगत' की भावना का अलख सीएमएस की झांकी जगायेगी। दुनिया आपसी संघर्ष, युद्ध और विभाजन की चुनौतियों से जूझ रही है, ऐसे में यह झांकी अत्यन्त प्रासंगिक है। जिसे 5 हिस्सों में बनाया गया है। उन्होंने कहा कि यह अनूठी झांकी विश्वसमाज को समर्पित है। जिससे प्रेरणा लेकर यदि एक भी नागरिक या बालक विश्व समाज को शांति, सहयोग व एकता के सूत्र में पिरोने का संकल्प लेता है तो हमारा प्रयास सार्थक होगा। इस अवसर पर झांकी गीत का प्रदर्शन तेजश्री संगम, अनन्या यादव, अंजली खान, आद्रिका गुप्ता, आशु यादव, पाखी, आराध्या वैश, ऐश्वर्या प्रधान, अगम्य गुप्ता, गरिमाश्री, रुशाली बिसारिया व कुशांजलि शुक्ला शामिल ने किया।

22 विभाग देंगे प्रस्तुति

- 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की परेड में22 विभाग/संस्थाएं झांकियां निकालेंगी। सबसे पहले लखनऊ पब्लिक स्कूल की झांकी प्रस्तुति देगी। 5 जनवरी को लखनऊ विकास प्राधिकरण ने लॉटरी के माध्यम से झांकियों के क्रम आवंटित किए थे। आयोजन का नोडल लखनऊ विकास प्राधिकरण को बनाया गया है। समिति के नोडल अधिकारी माधवेश कुमार ने बताया कि आयोजन विधानसभा के पास होगा। सबसे पहले लखनऊ पब्लिक स्कूल की झांसी निकलेगी। जिसे क्रम 1 आवंटित हुआ है। दूसरे नंबर पर पर्यटन निदेशालय और तीसरे पर इरम एजुकेशनल सोसाइटी की झांकियों से प्रस्तुति देंगे। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को क्रमांक 4, स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) को 5, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन को 6, सिटी मान्टेसरी स्कूल को 7 नंबर मिला है।

अमृत विचार
लखनऊ, बुधवार, 21 जनवरी 2026
लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

इलाज तय करने में शोध की भूमिका अहम

अमृत विचार, लखनऊ : लोहिया संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने कहा कि किसी भी अध्ययन का व्यवस्थित होना आवश्यक है। इससे बेहतर परिणाम निकलते हैं। वह मंगलवार को संस्थान में आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। सीएमएस डॉ. विक्रम सिंह ने कहा कि डॉक्टरों के लिए प्रमाण-आधारित और रोगी-केंद्रित इलाज तय करने में शोध की अहम भूमिका बताई। रिसर्च सेल के एसोसिएट डीन डॉ. अमित कौशिक ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों को बहुविभागीय अध्ययन पर जोर देना चाहिए। वर्कशॉप के शैक्षणिक सत्रों का संचालन डॉ. बालेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. रघुवर दयाल सिंह और डॉ. हरदीप सिंह मल्होत्रा ने किया।

राज्य कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जेएन तिवारी के नेतृत्व में मंगलवार को कर्मचारियों ने सरोजनी नायडू पार्क में धरना-प्रदर्शन करके 20 सूत्री मांगों का ज्ञापन जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा। प्रदर्शन में विभिन्न जनपदों से बसों एवं ट्रेन से लगभग 5000 से अधिक कर्मचारी पहुंचे थे। विधानसभा की तरफ कूच करते हुए कर्मचारियों को हिंदी भवन के पास पुलिस ने मजबूत बैरिकेटिंग करके रोक दिया। इस बीच कर्मचारियों की पुलिस कर्मियों से नोंकझोंक हो गई। अध्यक्ष ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह धरना-प्रदर्शन आंदोलन का आखिरी पड़ाव नहीं है। इसके माध्यम से सरकार को यह कड़ा संदेश देना है कि कर्मचारी अन्याय बर्दाश्त नहीं करेगा तथा कोरे आश्वासन के भरोसे चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने कहा कि अप्रैल से प्रत्येक मंडल एवं प्रत्येक जनपद में पदयात्रा मार्च निकाला जाएगा, जिसमें कर्मचारियों को एक और बड़े आंदोलन के लिए तैयार किया जाएगा। जुलाई में संयुक्त परिषद का अधिवेशन होगा तथा अधिवेशन में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद बड़े आंदोलन का ऐलान करेगी। प्रदर्शन में आशा हेल्थ वर्कर्स एसोसिएशन एवं अखिल भारतीय आशा कल्याण समिति, आशा हेल्थ वर्कर्स एसोसिएशन, नगरीय परिवहन संविदा कर्मचारी संयुक्त परिषद, समाज कल्याण एवं जनजाति विकास विभाग, चिकित्सा स्वास्थ्य, खाद्य रसद, व्यवसायिक शिक्षा, लोक निर्माण, शिक्षा, सिंचाई सहित दर्जनों विभागों के कर्मचारी एवं पदाधिकारी शामिल हुए।

एसआईटी गठन पर मृतक के पिता ने जताया संतोष

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः नोएडा में इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के मामले में योगी सरकार की त्वरित कार्रवाई पर मृतक के पिता राजकुमार मेहता ने संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि विशेष जांच टीम के गठन से उन्हें न्याय की उम्मीद जगी है और उन्हें विश्वास है कि उनके बेटे को न्याय मिलेगा।

राजकुमार मेहता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट करने की इच्छा भी जताई, ताकि उन्हें मानसिक शांति मिल सके। मुख्यमंत्री के निर्देश पर एडीजी जोन मेरठ के नेतृत्व में 3 सदस्यीय एसआईटी गठित की गई है, जो पांच दिनों में जांच कर रिपोर्ट सौंपेगी।

वहीं, पुलिस ने नामजद आरोपी बिल्डर अभय कुमार (एमजेड विजटाउन प्लानर्स लिमिटेड के सीईओ) को लापरवाही, गैर-इरादतन हत्या और जान जोखिम में डालने की धाराओं में गिरफ्तार कर लिया है। प्रशासनिक स्तर पर भी सख्ती दिखाते हुए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को पद से हटाया गया और ट्रैफिक सेल के अवर अभियंता नवीन कुमार को बर्खास्त किया गया है।

यूपी पुलिस की तीन इकाइयों को मिला स्कॉच अवार्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड व महाकुंभ 2025 की इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर
- सोशल मीडिया सेंटर का 'मेटा सुसाइडल अलर्ट' के कार्यों का हुआ सम्मान

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश पुलिस की तीन प्रमुख इकाइयों को वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित स्कॉच अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मंगलवार को पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण को यह अवॉर्ड औपचारिक रूप से सौंपा गया। सम्मान पाने वाली इकाइयों में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, महाकुंभ 2025 के लिए स्थापित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) और सोशल मीडिया सेंटर का 'मेटा सुसाइडल अलर्ट' प्रोजेक्ट शामिल हैं।

पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड को यह सम्मान पारदर्शी, निष्पक्ष और तकनीक आधारित भर्ती प्रक्रिया के लिए मिला। बोर्ड के पुलिस महानिदेशक एस.बी. शिरोडकर ने वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में अवॉर्ड प्रस्तुत किया। महाकुंभ 2025 के दौरान स्थापित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को विशाल आयोजन में सुरक्षा, निगरानी और समन्वय के लिए आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग पर स्कॉच अवॉर्ड दिया गया, जिसे 35वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ के सेनानायक अमित कुमार ने प्रस्तुत किया। वहीं सोशल मीडिया सेंटर के 'मेटा सुसाइडल अलर्ट' को सोशल मीडिया के जरिए त्वरित सूचना संकलन, निगरानी और समयबद्ध पुलिस प्रतिक्रिया की अभिनव पहल के लिए सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड डीजीपी के जनसंपर्क अधिकारी व प्रभारी सोशल मीडिया राहुल श्रीवास्तव ने सौंपा।

आधुनिक तकनीक सक्षम और जन केंद्रित कार्यप्रणाली का प्रमाण

डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि यह सम्मान उत्तर प्रदेश पुलिस की आधुनिक, तकनीक-सक्षम और जन-केंद्रित कार्यप्रणाली का प्रमाण है। उन्होंने इसे अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम भावना, परिश्रम और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम बताया। डीजीपी ने सभी सम्मानित इकाइयों को बधाई देते हुए कहा कि आगे भी उत्तर प्रदेश पुलिस जनसेवा, कानून-व्यवस्था और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेगी।

पुलिस अधिकारी को एवार्ड देने डीजीपी।

भाजपा शासन में भ्रष्टाचार, अराजकता लोकतंत्र पर भी हमला : अखिलेश

मेला प्रबंधन से लेकर फार्मासिस्ट भर्ती और संविधान तक पर साधा निशाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि प्रदेश में भाजपा के महाभ्रष्ट राज में मेला आयोजन भी कमीशनखोरी का माध्यम बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मेले के नाम पर पचासों हजार रुपये की महा-रकम कमीशन के रूप में हड़पी जा रही है और इसी 'मेला महाभ्रष्टाचार' के चलते साधु-संतों तक को सम्मान नहीं मिल पा रहा है।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और डिंपल यादव के साथ पार्टी के सांसद। अमृत विचार

अखिलेश यादव ने कहा कि जिन साधु-संतों का दर्शन मात्र आशीर्वाद होता है, उनके साथ शासन-प्रशासन द्वारा अपमानजनक और हिंसक दुर्व्यवहार किया जा रहा है। यह इसलिए हो रहा है क्योंकि मेला प्रबंधन में कमीशनखोरी के इस गोरखधंधे में भाजपाई गुट और उनके संगी-साथियों की मिलीभगत है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा को कमिश्नर की जगह 'कमीशनर' का नया पद बना देना चाहिए। उन्होंने कहा कि माघ मेला क्षेत्र में पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी साधु-संतों और भक्तों के साथ दुर्व्यवहार अक्षम्य है। सदियों से चली आ रही शाही स्नान की सनातनी परंपरा में भाजपा सरकार बार-बार विघ्न डाल रही है। सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि मौनी अमावस्या का शाही स्नान कोई नई परंपरा नहीं है, फिर ऐसी घटनाएं भाजपा सरकार में ही क्यों हो रही हैं। इसके लिए भाजपा का कुशासन और नाकाम व्यवस्था ही जिम्मेदार है। इसके अलावा समाजवादी पार्टी के सभी सांसदों की बैठक पार्टी के राज्य मुख्यालय में आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता अखिलेश यादव ने की।

बैठक में उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में संविधान खतरे में है, कानून का राज समाप्त हो चुका है और आरएसएस ने हमेशा लोकतंत्र के साथ नाइंसाफी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा एसआईआर में धांधली करना चाहती है और केंद्रीय व राज्य निर्वाचन आयोग की वोटर लिस्ट में भारी अंतर है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार और भ्रष्टाचार चरम पर है। सरकारी बजट की लूट हो रही है और भ्रष्टाचार के सभी रिकॉर्ड टूट चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार मंदिरों को तोड़ रही है और सनातन संस्कृति व विरासत को नष्ट करने का काम कर रही है। उन्होंने सांसदों और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। जनता के सुख-दुःख में सहभागी बनें और उनके मुद्दों के लिए संघर्ष करें। अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी और पीडीए के माध्यम से राजनीतिक व सामाजिक न्याय स्थापित किया जाएगा।

मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप

अमृत विचार, लखनऊः समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मतदाता सूची में गंभीर अनियमितताओं की शिकायत की है। सपा ने मांग की है कि जनपद फतेहपुर की 240-सदर विधानसभा और जनपद बुलंदशहर की 65-बुलंदशहर विधानसभा में ड्राफ्ट मतदाता सूची में हुई त्रुटियों की तत्काल जांच कराकर मतदाता सूची को शुद्ध और दुरुस्त कराया जाए, ताकि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव–2027 पारदर्शी, निष्पक्ष, स्वतंत्र और भयमुक्त तरीके से संपन्न हो सके। सपा की ओर से आरोप लगाया गया है कि बुलंदशहर विधानसभा क्षेत्र की वर्ष 2025 की मतदाता सूची में गंभीर लापरवाही सामने आई है। पार्टी के अनुसार पोलिंग बूथ संख्या 240 पर क्रम संख्या 1 से 5 तक दर्ज मतदाता शमशाद सैफी, आयिया, शहनवाज सैफी, सोनी परवीन और शाहरूख खान—ने वर्ष 2003 से दर्ज अपने विवरण को गणना प्रपत्र में सही ढंग से भरकर संबंधित बी.एल.ओ. के पास जमा किया था और इसकी रिसीविंग भी प्राप्त की थी।

ग्रामीणों को सेवाएं देने में 35,664 सीएससी निष्क्रिय

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

- 57,694 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष 22,030 सीएससी सक्रिय

अमृत विचार : ग्रामीण इलाकों में सरकारी ऑनलाइन सेवाएं देने के लिए संचालित किए गए कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) मकसद पर कामयाब नहीं हैं। शासन स्तर पर पंचायती राज विभाग द्वारा 57,694 ग्राम पंचायतों पर संचालित केंद्रों की समीक्षा की गई तो वर्ष 2025-26 में पोर्टल पर 22,030 सीएससी सक्रिय मिले, जबकि 35,664 सीएससी निष्क्रिय पाए गए। निदेशक पंचायती राज विभाग अमित कुमार ने नाराजगी जताते हुए सभी जिलों में सीएससी सक्रिय करने के निर्देश दिए हैं।

हर ग्राम पंचायत के पंचायत भवन में जनसेवा केंद्र की तरह एक सीएससी संचालित है। इनमें आय, जाति, निवास के आवेदन और उनकी प्रति निकालना, प्रधानमंत्री सम्मान निधि, वृद्धा, निराश्रित, दिव्यांग पेंशन आदि के आवेदन करना, खसरा-खतौनी की नकल निकालना जैसी 217 सेवाएं सर्विस प्रोवाइडर द्वारा दी जाती हैं।

नवीनीकरण व वैलट रिचार्ज में आता खर्च

- ऑनलाइन सेवा देने के लिए न्यूनतम 500 रुपये का वैलट रिचार्ज किया जाता है। जबकि नवीनीकरण में ए श्रेणी के जिले में 1000, बी श्रेणी में 750 और सी श्रेणी में 500 रुपये खर्च आता है। जिन पंचायत भवनों में जगह नहीं थी वहां चार-पांच लाख रुपये खर्च करके अतिरिक्त कक्ष बनाकर संचालन किया गया है।

इन जिलों की ये प्रगति

- बरेली 1188 में 704, शामली में 230 ग्राम पंचायत पर सीएचसी में 77 निष्क्रिय, हमीरपुर 330 में 137, लखनऊ 491 में 280, हरदोई 1293 में 542, रायबरेली 980 में 498, सीतापुर 1588 में 1095, जौनपुर 1734 में 1198, बाराबंकी 1155 में 806, बस्ती 1187 में 856, प्रतापगढ़ 1148 में 946, गोरखपुर 1273 में 605, बिजनौर 1123 में 580, शाहजहांपुर 1068 में 475 व बदायूं की 1037 ग्राम पंचायत में 470 सीएससी निष्क्रिय पाए गए।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा नोटिस

निम्नलिखित कार्य के लिए उप. मुख्य विद्युत अभियंता, निर्माण, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निविदा संख्या 149-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 IREPS की वेबसाइट यानी https://www.ireps.gov.in पर समापन तिथि 12.02.2026 समय (11.30Hrs.) एक पैकेट प्रणाली के तहत 'ई–टेंडर' आमंत्रित किया जाता है।

NIT संख्याः 149-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 दिनांक 19.01.2026	
निविदा संख्याः 149-Dy.CEE-C-LKO-2025-26	
कार्य का नाम : उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के अंतर्गत अचलगंज हाल्ट को क्रॉसिंग स्टेशन में परिवर्तित करने तथा लखनऊ (चारबाग वर्कशॉप) में वंदे भारत (16 कोच) के लिए पिट लाइन परीक्षण हेतु शेड क्षमता का सृजन तथा उत्तरेठिया स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन के प्रावधान के सम्बंध मे 25 केवी, 50 हर्ट्ज एकल फेज एसी ओएचई का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना (एरेक्शन), परीक्षण एवं कमीशनिंग	
निविदा प्रपत्र लागतः कुछ नहीं।	
लगभग निविदा मूल्यः रु.5,99,54,219.19 (रुपये पाँच करोड़ निन्यानवे लाख चौवन हजार दो सौ उन्नीस रुपये और उन्नीस पैसे मात्र)	
बोली सुरक्षाः रु.4,49,800/-	
समापन की अवधिः 18 माह	
ऑफर की वैधताः 60 दिन	
IREPS वेबसाइट पर विज्ञापित निविदा दिनांकः 19.01.2026	
जिस तिथि तक ठेकेदार अद्यतन/परिशिष्ट/संशोधित तिथि नोट कर सकता हैः 29.01.2026	
निविदा प्रस्तुत करने की समाप्ति तिथि और समयः 12.02.2026 (11.30Hrs.)	
पात्रता मापदंडः निविदा दस्तावेज के अनुसार।	

ध्यान दें: (i) ठेकेदार को प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर अपलोड किए जाने वाले निविदा दस्तावेज के अनुसार आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। (ii) सभी प्रतिभागी ठेकेदार अपने निविदा प्रस्ताव के साथ अपने आवश्यक दस्तावेज जमा करेंगे। "अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने के लिए कोई भी पोस्ट टेंडर पत्राचार तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्ताव खोलने के बाद विचार नहीं किया जाएगा। यहां तक कि निविदाओं के सू–मोटो पोस्ट टेंडर पत्रों को अशक्त और शून्य माना जाएगा।"
टेंडर नोटिस www.ireps.gov.in की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

No. 149-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 दिनांकः 19.01.2026 199/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यमुना एक्सप्रेस-वे पर बनेगा 'फिनटेक पार्क'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 250 एकड़ में बैंकिंग से लेकर ब्लॉकचेन तक यूपी बनेगा डिजिटल फाइनेंस का नया केंद्र
- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास होने से ग्लोबल फिनटेक कंपनियां व निवेशक होंगे आकर्षित

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई पीढ़ी की डिजिटल अर्थव्यवस्था का यूपी को प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के सेक्टर-11 में 250 एकड़ भूमि पर 'फिनटेक पार्क' विकसित किया जाएगा। यह परियोजना केवल एक आईटी पार्क नहीं, बल्कि बैंकिंग से ब्लॉकचेन तक फैला एक समग्र फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम होगी।

सरकार का मानना है कि यह फिनटेक पार्क उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख फिनटेक हब के रूप में स्थापित करेगा। यहां बैंकिंग टेक्नोलॉजी, डिजिटल पेमेंट, इंश्योरटेक, इन्वेस्टटेक, फिनटेक सॉस, इंटरनेशनल मनी ट्रांसफर, डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी से जुड़ी कंपनियों को एक साझा मंच मिलेगा। स्टार्टअप से लेकर वैश्विक फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनियों तक, सभी के लिए यहां निवेश और संचालन की अनुकूल व्यवस्था तैयार की जाएगी।

इस फिनटेक पार्क की सबसे बड़ी ताकत इसकी रणनीतिक लोकेशन है। सेक्टर-11 यमुना एक्सप्रेस-वे से सीधे जुड़ा है और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बेहद करीब स्थित है। एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए अत्यंत आकर्षक गंतव्य बनने की संभावना रखता है। दिल्ली-एनसीआर से मजबूत कनेक्टिविटी के कारण कंपनियों को राष्ट्रीय और वैश्विक दोनों स्तर पर परिचालन में सुविधा मिलेगी। परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए एक अंतरराष्ट्रीय कंसल्टेंट को नियुक्त किया गया है, जो निवेश मॉडल, चरणबद्ध विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए रोडमैप तैयार करेगा। डीपीआर के पूरा होते ही निवेशकों के लिए प्लॉट आवंटन और अन्य प्रक्रियाओं को सार्वजनिक किया जाएगा।

फिनटेक पार्क को रोजगार सृजन का बड़ा अवसर

- योगी सरकार इस फिनटेक पार्क को रोजगार सृजन के बड़े अवसर के रूप में भी देख रही है। इसके माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। बैंकिंग टेक्नोलॉजी, डिजिटल फाइनेंस, साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस और फाइनेंशियल सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में प्रदेश के युवाओं को बड़े पैमाने पर अवसर मिलेंगे। सरकार का फोकस इस बात पर है कि उत्तर प्रदेश की प्रतिभाएं अब दूसरे राज्यों में पलायन करने के बजाय प्रदेश में ही वैश्विक स्तर का काम कर सकें। आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर के बाद अब फिनटेक सेक्टर में यह पहल साफ संकेत देती है कि प्रदेश हाई-वैल्यू और फ्यूचर-रेडी इंडस्ट्री का मजबूत केंद्र बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

प्रमुख विशेषताएं

- **स्थान :** यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक क्षेत्र, सेक्टर-11
- **कुल क्षेत्रफल :** 250 एकड़
- **लोकेशन एडवांटेज :** नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निकट
- **मुख्य सेक्टर :** बैंकिंग टेक, डिजिटल पेमेंट, ब्लॉकचेन, साइबर सिक्योरिटी, Fintech SaaS
- **अगला चरण :** अंतरराष्ट्रीय कंसल्टेंट द्वारा डीपीआर और निवेश रोडमैप
- **रोजगार :** डिजिटल फाइनेंस व टेक सेक्टर में हजारों नए अवसर

यूपी निवेश व विकास का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा : मुख्य सचिव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्य सचिव एसपी गोयल ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज तेज़ी से विकास के पथ पर अग्रसर है और देश–विदेश के निवेशकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। वह मंगलवार को लोक भवन स्थित मुख्य सचिव कार्यालय कक्ष के सभागार में 2025 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों से शिष्टाचार भेंट के दौरान बोल रहे थे।

मुख्य सचिव ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि बीते वर्षों में प्रदेश में अवस्थापना सुविधाओं का व्यापक विस्तार हुआ है। एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, औद्योगिक कॉरिडोर, मेडिकल कॉलेज और आधुनिक शहरी ढांचे के विकास से उत्तर प्रदेश की निवेश क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

खुली ई–निविदा सूचना संख्या : E Tender-GSU-TRD-L08-25-26 Date 19.01.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/गति–शक्ति, पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली" ई–निविदा आमंत्रित करते है। कार्य का नाम : पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में बनारस यार्ड में 12 मीटर एफओबी के निर्माण कार्य में आ रहे अवरोध को हटाने से सम्बंधित 25 केवी विद्युतीकरण कार्य। टेंडर रिफरेंश नं. E Tender-GSU-TRD-L08-25-26, कार्य का अनुमानित लागत रूपया में: 6361440.00, धरोहर राशि रूपया में: 127200.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपया में : शून्य, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 10.02.2026, 14:45 Hrs., कार्य पुरा करने की अवधि : 6 माह ● खुली ई–निविदा दिनांक 10.02.2026 को 14:45 बजे तक जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/गति शक्ति/ मुजाधि/विद्युत –260 **वाराणसी**

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

आयकर अधिकारी को सात साल की सजा

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः कर निर्धारण करने के लिए व्यापारी से दस लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोपी लखनऊ आयकर विभाग के अधिकारी निरंजन कुमार को दोषी ठहराते हुए सीबीआई के विशेष न्यायाधीश राहुल प्रकाश ने सात साल की कैद व 1,70,000 के जुर्माने से दंडित किया है।

कोर्ट में सीबीआई की ओर से बताया गया की वादी जयकेश त्रिपाठी ने 27 मार्च 2015 को सीबीआई में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह मेसर्स प्रगति कॉलोनाइजर्स नामक कंपनी का निदेशक है। बताया गया कि कंपनी के वर्ष 2011-2012 के कर निर्धारण के लिए आयकर अधिकारी निरंजन कुमार ने वादी को कई बार लिखित और मौखिक रूप से दस्तावेजों के साथ कार्यालय बुलाया था, जिसपर वादी ने आयकर विभाग में सभी कागजात दे दिए थे। आरोप लगाया गया कि 19 मार्च 2015 आरोपी निरंजन कुमार ने डायर से वादी को बुलाया और दस लाख रू देने की माँग की साथ ही धमकी भी दी की अगर वादी पैसा नहीं देता है तो आरोपी उसे पेनल्टी लगाकर प्रताड़ित करेगा। वादी की इस शिकायत पर सीबीआई ने मामले की फौरी जांच की तो वादी ने बताया कि आरोपी निरंजन कुमार के नोटिस जारी करने के बाद तामिला के समय इनकम टैक्स इंस्पेक्टर राजीव कुमार सिंह ने वादी से कहा कि निरंजन कुमार को दस लाख रुपये देकर मामला सुलझा लो। इसके बाद सीबीआई ने आरोपी निरंजन कुमार को 31 मार्च को अग्रिम के रूप में दो लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए आयकर भान से गिरफ्तार किया था। बताते चले इस गिरफ्तारी के समय आयकर भवन में 70-80 लोगो ने ट्रैप टीम के साथ मारपीट भी की थी

विभोर राणा की भी जमानत अर्जी खारिज

- **अमृत विचार, लखनऊ :** फेंसेडिल कफ़ सिरप का नशे के रूप में इस्तेमाल करने और उसकी तस्करी करने के मामले में आरोपी विभोर राणा की जमानत अर्जी को एनडीपीएस के विशेष न्यायाधीश अरुण कुमार राय ने ख़ारिज कर दिया। कोर्ट में अभियोजन की ओर से बताया गया कि शासन को कई दिनों से सूचना मिल रही थी कि फेंसेडिल कफ सिरप और अन्य दवाओं को नशे के लिए प्रयोग करने के लिए इसका अवैध भंडारण किया जा रहा है और अवैध तरीके से इसे बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और बांग्लादेश भेजा जा रहा है। इसपर शासन ने 12 फरवरी 2024 को एसटीएफ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की संयुक्त टीम का गठन किया। बताया गया 8 अप्रैल 2024 को एसटीएफ को जानकारी मिली की एक ट्रक में ट्रांसपोर्ट नगर से भारी मात्र में कफ सिरप लोड करके कूच बिहार पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा है, इसपर एसटीएफ की टीम ने सुल्तानपुर रोड पर उस ट्रक को पकड़ लिया और 52 गत्ते कफ सिरप बरामद किया था। ट्रक से पकड़े गए चालक धर्मेंद्र कुमार से पूछताछ की गई तो एसटीएफ को पता चला कि विभोर राणा की संलिप्तता है इसपर एसटीएफ ने 11 नवंबर 2025 को सहारनपुर से विभोर राणा और उसके साथियों को गिरफ्तार किया था।

कार्यालय जिलाधिकारी, बाराबंकी।

संख्या : 1474/आठ–वि0भू0अ0अ0/बाराबंकी दिनांक 19 जनवरी, 2026

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद बाराबंकी में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के सन्निकट औद्योगिक गलियारा परियोजना के निर्माण हेतु तहसील हैदरगढ़ की भूमि ग्राम–बम्हरौली, सतरही, घरकुइंया, अन्दऊमऊ, पेचरूआ व बहरामपुर की कुल रकबा 86.8613235 हे0 भूमि का अर्जन किया जाना प्रस्तावित है।

प्रस्तावित भूमि का अर्जन के पूर्व भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम–2013 एवं उत्तर प्रदेश भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार नियमावली–2016 के नियम–7 के अन्तर्गत चयनित सामाजिक समाघात आकलन एजेंसी द्वारा प्रस्तुत ड्राफ्ट आख्या (DRAFT REPORT) पर निम्नवत् अधिकारियों द्वारा नियत तिथि, समय व स्थान पर लोक सुनवाई की जायेगी।

क्र0	तहसील का नाम	ग्राम का नाम	लोक सुनवाई हेतु नामित अधिकारी	लोक सुनवाई का स्थान	दिनांक	समय
1	हैदरगढ़	बम्हरौली	तहसीलदार, हैदरगढ़, जनपद बाराबंकी	तहसील सभागार हैदरगढ़	30.01.2026	प्रातः 11.00 बजे से कार्य समाप्ति तक
2		सतरही				
3		घरकुइंया				
4		अन्दऊमऊ				
5		पेचरूआ				
6		बहरामपुर				

अतः भूमि अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि के हितबद्ध कृषकों को सूचित किया जाता है कि सामाजिक समाघात आंकलन हेतु चयनित संस्था द्वारा प्रस्तुत सामाजिक प्रबन्धन योजना की ड्राफ्ट आख्या (DRAFT REPORT), जिसे आमजन–मानस के अवलोकनार्थ तहसील/विकास खण्ड/ग्राम पंचायत के नोटिस बोर्ड/सार्वजनिक दृष्टव्य स्थल पर चस्पा किया गया है, यदि उक्त रिपोर्ट पर किसी को कोई आपत्ति/सुझाव है, तो वह अपनी लिखित आपत्ति/सुझाव लोक सुनवाई हेतु नामित अधिकारी के समक्ष नियत दिनांक/समय व स्थान पर उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं।

(शशांक त्रिपाठी)
जिलाधिकारी,
बाराबंकी।

UP – 244226 दिनांक: 19/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित किया जा रहा कि मेरे पुत्र शुभम कुमार पुत्रवधू शालू सुमित कुमार व पुत्रवधू मुस्कान का चालचलन खराब हो गया है। वह अपने ससुरलीजनो के बहकावे में आकर उसके व उसके पति के साथ मारपीट करते हैं। हमने उनसे संबंध विच्छेद कर अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि कोई उनसे लेनदेन व कानूनी कार्रवाई करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगें। मेरा कोई लेना देना नहीं होगा। **सुनीता देवी पत्नी सुघर सिंह निवासी रेल मंडी कचौरा रोड जसवंत नगर इटावा**

सूचना

सूचित किया जाता है की मकी मैं ABDUL HAMEED JHABBOO से नाम बदल कर ABDUL HAMEED रख लिया है अब भविष्य में मैं अपने बदले हुए नाम से जाना हुआ पहचाना जाऊं निवासी H NO 185 ग्राम व पोस्ट चिरा रुदौली बाराबंकी का रहने वाला हूं।

सूचना

मेरे सर्विस नं0 15423110X BADGUJAR LAXMAN'R RANK HAV- कमाण्ड अस्पताल सी0सी0 लखनऊ में कार्यरत हॅू। मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरे पुत्र का नाम त्रुटिवश NAITIK (नैतिक) अंकित हो गया है। जबकि सही व वास्तविक नाम NAITIK LAXMAN BADGUJAR है।

सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2011अनुक्रमांक 2232519 तथा इंटरमीडिएट वर्ष 2013 अनुक्रमांक 2227676 का प्रमाणपत्र सह अंकपत्र वास्तव में खो गया है। **अभिषेक सिंह पुत्र भीम सिंह, ग्राम – यहिया कमालपुर पोस्ट– करतोरा अकबरपुर अम्बेडकरनगर**

सूचना

मैने अपना नाम AARNA से बदलकर AARNA SINGH KARKI रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। D/O ATUL SINGH KARKI 239 SAINIK NAGAR RAI BARELI ROAD LUCKNOW-226025 (U.P.)

सूचना

सूचित करना है कि मेरा नाम केदार नाथ उर्फ गप्पू है मेरी एलआईसी शाखा गोण्डा मे पालिसी संख्या–215327989 में मुझे केदार नाथ उर्फ गप्पू के नाम से जाना व माना जाये, दोनो नाम मेरे ही हैं। **केदारनाथ उर्फ गप्पू पुत्र स्व0 राम प्रसाद मो0 -मेवातियान पो0 सिटी. नगर कोतवाली गोण्डा (उ0प्र0)**

न्यूज ब्रीफ

मायके से अचानक लापता हुई विवाहिता

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : दरियाबाद क्षेत्र में करीब छह माह से मायके में रह रही विवाहिता अचानक लापता हो गई। बेटी का कोई सुराग न लगने पर पिता ने गुमशुदगी दर्ज कराई है। एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उनकी पुत्री की शादी लगभग 10 वर्ष हुई थी। पुत्री बीते छह माह से मायके में रह रही थी। परिजनों के मुताबिक, वह 17 जनवरी को बिना बताए घर से कहीं चली गई। परिजन थाने पहुंचे और गुमशुदगी दर्ज करायी।

अनियंत्रित बस पलटी चार लोग घायल

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : सरसवा गांव के पास इलाहाबाद से लौट रही एक बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। बस में करीब 40 यात्री सवार थे। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कई अन्य को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने घायलों को सीएचसी सूरतगंज भिजवाया। यात्रियों के अनुसार चालक नशे में था। मामले की जांच की जा रही है।

युवती को भगा ले गया मदरसा शिक्षक

सुबेहा, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में एक युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने मदरसे के एक शिक्षक पर लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार गांव की रहने वाली युवती को हसीर कहीं भगा ले गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि लड़की की तलाश की जा रही है।

गेम में गंवाए रुपये खबर फैला दी लूट की

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : आनलाइन गेम में 70 हजार रुपये हारने के बाद युवक ने कार सवार बदमाशों की ओर से लूट की खबर फैला दी। पुलिस ने घटना की सिरे से जांच की तो लूट की बात गलत निकली। घटना मंगलवार को हुई। दलसरांय के रहने वाले अनिल कुमार के बेटे अमन कुमार ने ग्राम प्रधान को बताया कि वह बैंक से 70 हजार रुपये निकाल कर रामनगर आ रहा था कि साधारणपुर स्थित डेयरी के पास कार सवार बदमाशों ने उसे टक्कर मार दी फिर उसके पास रखा 70 हजार रुपये लूट लिए। पुलिस ने मौके की जांच व युवक से पूछताछ की तो मामला संदिग्ध लगा। पुलिस की पूछताछ में युवक टूट गया और बताया कि वह आनलाइन गेम में रुपये हार गया था इसलिए लूट की फर्जी सूचना दी थी।

देश का धन अडानी व अंबानी को देना चाहते हैं पीएम

नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी ने मनरेगा चौपाल कार्यक्रम में केंद्र सरकार को घेरा

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। नेता प्रतिपक्ष एवं जिले के सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए जमकर प्रहार किए। कहा कि मजदूरों के प्रोटेक्शन के लिए हम खड़े हैं। नरेंद्र मोदी चाहते है कि देश का पूरा का पूरा धन गौतम अडानी और अंबानी जी के हाथ दिया जाए। ऐसा नहीं होना दिया जाएगा। महात्मा गांधी का नाम हटाने से हमें नहीं बल्कि मजदूरों के हक को छीनने की चिंता है।

इससे पहले दो दिवसीय दौरे पर सोमवार देर रात भुएमऊ गेस्ट हाउस पर पहुंचे। वहीं सुबह विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात किया। इस दौरान कई योजनाओं की सौगात दी। सांसद राहुल गांधी ने दो करोड़ 61 लाख 53 हजार 700 रुपये लागत के विकास कार्यो का लोकार्पण कर जनता को सौंपा। साथ ही 50 लाख 39 हजार 500 रुपये से बनने वाली सड़कों व अन्य कार्यो का शिलान्यास किया। इसके बाद उन्होंने आईटीआई

रायबेरली में मनरेगा चौपाल में महिलाओं से मिलते सांसद राहुल गांधी। ● अमृत विचार

स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में यूथ स्पोर्ट एकाडमी की ओर से आयोजित आरपीएल टूर्नामेंट का उद्घाटन कर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और युवाओं को स्पोर्ट से जुड़ने को प्रेरित किया। इस दौरान आयोजक वीसीसी विकास सिंह और सिविल रावत ने स्वागत किया। इसके बाद सांसद राहुल गांधी नगर पालिका अध्यक्ष शत्रोहन लाल सोनकर के आवास पर पहुंचकर वर-वधू को आशीर्वाद दिया। वहां से सीधे रोहनियां विकास खंड के उमरन गांव पहुंचे, जहां पर कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाये जा रहे 'मनरेगा बचाओं संग्राम चौपाल कार्यक्रम के तहत देश की पहली चौपाल में भाग लेकर उपस्थित गरीब, किसान और मजदूरों से सीधा संवाद किया।मनरेगा पर केंद्र सरकार की उपेक्षा और इस महत्वपूर्ण योजना को सरकार द्वारा समाप्त किये जाने के षड्यंत्र पर केन्द्र सरकार को घेरा। इस दौरान उनके साथ अमेठी सांसद केएल शर्मा, जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी, राकेश सिंह राना आदि मौजूद रहे।

कुल 11 मिनट का संबोधन: राहुल गांधी ने मनरेगा बचाओ संग्राम चौपाल में कल 11 मिनट भाषण दिया उनके भाषण के केंद्र में मनरेगा योजना का नाम परिवर्तित किए जाने का ही मुद्दा रहा। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत 2 बजकर 6 मिनट से की और 2 बजकर 17 मिनट पर उन्होंने अपने भाषण का समापन किया।

मनरेगा बचाओ संग्राम चौपाल में राहुल गांधी 1 बाजार 48 मिनट पर पहुंचे, जहां पर उनका स्वागत पूर्व विधायक कुंवर अजयपाल सिंह, प्रदेश कांग्रेस सचिव अतुल सिंह, रोहनिया ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति पासी, अखिल भारतीय कांग्रेस सचिव सुशील पासी ने प्रतीक चिह्न और माल्यार्पण करके किया।

आईआईटी कानपुर में छात्र ने 6वीं मंजिल से कूदकर दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आईआईटी में मंगलवार को विज्ञान के एक शोध (पीएचडी) छात्र ने छठी मंजिल से कूदकर जान दे दी। 29 दिसंबर को बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र जय सिंह मीणा ने हॉस्टल के कमरे में आत्महत्या कर ली थी।

राजस्थान के चुरू विद्यासर गिरिवरसर निवासी रामप्रताप ईश्वराम का 25 वर्षीय बेटा स्वरूप ईश्वराम आईआईटी से विज्ञान में पीएचडी कर रहा था। काफी समय से एंजाइटी से पीड़ित होने के कारण वह पत्नी मंजू और दो साल की बेटी के साथ आईआईटी कैंपस के न्यू एसबीआरए बिल्डिंग के कमरा नंबर एए 21 में रहते थे। कल्याणपुर पुलिस के अनुसार मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे स्वरूप ईश्वराम ने छठवीं मंजिल से छलांग लगा दी। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां शाम को इलाज के दौरान मौत हो गई। पत्नी मंजू के अनुसार बीमारी के कारण तनाव में रहते थे। एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार ने बताया कि छात्र अवसाद में था। उसका इलाज चल रहा था। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

स्वरूप ईश्वराम की फाइल फोटो।

- न्यू एसबीआरए बिल्डिंग में पत्नी के साथ रहता था
- पत्नी बोलीं, एंजाइटी से पीड़ित होने के कारण काफी समय से चल रहा था इलाज

22 दिन पहले छात्र जयसिंह ने दी थी जान

बीते 29 दिसंबर को बीटेक फाइनल के छात्र जयसिंह ने आत्महत्या की थी। चार साल का बीटेक बैक लगने के कारण पूरा नहीं हो सका था। छात्र के परिजनों ने आरोप लगाया था कि उनका बेटा हार नहीं मान सकता था। आईआईटी प्रशासन पर परिजनों ने सवाल उठाए थे।

ग्रुप से जोड़कर महिला से 27.50 लाख रुपये ठगे

कानपुर। साइबर ठगों ने निवेश के नाम पर महिला से 27.50 लाख रुपये ठग लिए। ठगी का अहसास होने पर पीड़िता ने मामले की शिकायत की। कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू की है।

कोतवाली के शिवाला निवासी नीलम शर्मा के अनुसार बीती नवंबर माह फेसबुक पर उन्हें 48 इलारा कैप्टल कनेक्ट नाम का ग्रुप दिखा। जिसमें जुड़ने के बाद सान्या नामक महिला ने व्हाट्सएप पर वीआई 599 ग्रुप में जोड़ा और इलारा प्रो नाम से ऑनलाइन खाता खोला। ग्रुप में निवेश कर मुनाफा कमाने की जानकारी दी। झांसे में आकर उन्होंने एक दिसंबर से 16 दिसंबर 2025 तक करीब 27.50 लाख रुपये निवेश किए। जिसके बाद उनके खाते में मुनाफे समेत करीब 76 लाख रुपये दिखने लगा। रुपये निकालने का प्रयास किया तो उन्हें आईपीओ में 34 लाख रुपये अतिरिक्त निवेश करने के बाद से ही निकासी की जानकारी दी गई।

तीनों आरोपी दोषी करार, सजा पर फैसला कल

कुशाग्र हत्याकांड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दसवीं के छात्र कुशाग्र कनोडिया का अपहरण और हत्या के मामले में मंगलवार को कोर्ट ने तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया है। एडीजे-11 सुभाष सिंह की अदालत ने ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला और दोस्त आर्यन उर्फ शिवा को दोषी ठहराते हुए सजा पर फैसला सुरक्षित कर लिया है। कोर्ट अब 22 जनवरी को सजा पर फैसला सुनाएगी। कोर्ट में मौजूद कुशाग्र की मां फफककर रो पड़ीं और बोलीं, हत्यारों को फांसी होने पर ही आत्मा को शांति मिलेगी।

शहर के इस बहुचर्चित अपहरण एवं हत्याकांड के मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से 14 गवाह पेश किए गए। 13 जनवरी को मामले की आखिरी सुनवाई हुई थी। घटनाक्रम के अनुसार 30 अक्टूबर 2023 को कोचिंग जाते समय 16 वर्षीय कुशाग्र कनोडिया की अपहरण के बाद हत्या की गई थी। हत्या में कुशाग्र की ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला और प्रभात के दोस्त शिवा गुप्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मंगलवार को कुशाग्र मां सोनिया, पिता मनीष, चाचा सुमित कनोडिया, मामा अभिषेक अग्रवाल, बाबा संजय कनोडिया कोर्ट पहुंचे, जहां आरोपियों को दोषी ठहराए जाने का आदेश सुनकर रोने लगे। डीजीसी दिलीप अवस्थी ने बताया कि 42 कागजात पेश हुए और 240 पेज की जिरह हुई। पुलिस ने विवेचना के दौरान साक्ष्य के तौर पर 112 चीजें जुटाईं। अदालत में मामले की सुनवाई के दौरान सीसीटीवी कैमरे के फुटेज दिखाए गए, जिसमें तीनों आरोपी कुशाग्र का अपहरण कर ले जाते दिखे। इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर तीनों को अपहरण व हत्या में दोषी ठहराया गया। एडीजीसी भास्कर मिश्र और अधिवक्ता देवेश श्रीवास्तव ने बताया कि कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि इस फैसले पर कोई अफसोस नहीं है। यह निर्णय नजीर बनेगा।**अपहरण से पहले बुक की थी नई कार :** कुशाग्र के जन्मदिन 13 अक्टूबर 2021 से उसके अपहरण व हत्याकांड की प्लानिंग हुई। जन्मदिन में रचिता अपने प्रेमी प्रभात को लेकर आई थी। कुशाग्र की मां के अनुसा प्रभात पहली बार घर आया था। इसके बाद प्रभात ने देखा कि बेटा कब कोचिंग व स्कूल जाता था। सारी जानकारियां लीं। फिरौती वसूलकर प्रभात व रचिता हिमाचल प्रदेश में बस जाना चाहते थे। अपहरण से पहले दोनों ने जरीब चौकी स्थित शोरूम में नई कार बुक की थी। फिरौती की रकम मिलते ही कार उठानी थी। दस्तावेज शोरूम में जमा करा दिए थे।

हत्यारों को दोषी करार दिए जाने पर बिलख पड़ी कुशाग्र की मां। अमृत विचार

30 अक्टूबर 2023 को कोचिंग जाते समय अपहरण करने के बाद की गई थी हत्या

26 महीने बाद अदालत में ट्यूशन टीचर, उसका प्रेमी और दोस्त दोषी करार दिए गए

14 गवाह अभियोजन पक्ष की ओर से मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेश हुए

कुशाग्र कनोडिया। फाइल फोटो

स्कूटी से कोचिंग के लिए निकला था कुशाग्र

- आचार्यनगर निवासी कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया का बेटा कुशाग्र जयपुरिया स्कूल में हाईस्कूल का छात्र था। 30 अक्टूबर की शाम करीब चार बजे वह स्कूटी से कोचिंग के लिए निकला था। रास्ते में उसे ट्यूशन टीचर रचिता का प्रेमी प्रभात मिला। उसे बहलाकर साथ ले गया। वहां से निकलने के बाद दोनों ओमनगर इंद्रकुटी हाता स्थित प्रभात के घर पहुंचे। प्रभात के पीछे हेलमेट पहने कुशाग्र चल रहा था। वहीं सटे हुए कमरे में रचिता थी। घर पहुंचते ही रचिता भी आई। प्रभात उसे लेकर एक कमरे में गया, जहां उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी।

हाईवे की निगरानी करेंगे एआई कैमरे

कानपुर। अपने महानगर से चार हाईवे गुजरते हैं, इन हाईवे पर तमाम ऐसे वाहन चालक हैं जो सड़क किनारे वाहन खड़ा कर देते हैं और कोहरे में ऐसे वाहन दिखाई नहीं देते और बड़ा हादसा हो जाता, लेकिन अब ऐसे वाहनों पर नजर रखने के लिए एआई का सहारा लिया जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारी के मुताबिक रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे मिनिस्ट्री पायलट प्रोजेक्ट के तहत सेंसर वाले एआई कैमरे लगाने की शुरुआत शहर के तीन नेशनल हाईवे से की जाएगी। इसको लेकर मंत्रालय की ओर से दिशा निर्देश जारी हो चुका है। 2026 में देश भर के एक्सप्रेसवे पर सफर को सुरक्षित बनाने के लिए एआई आधारित घटना प्रबंधन प्रणाली (एआईएमएस) लागू की गई है। इन कैमरों की मदद से ओवरस्पीडिंग और रांग साइड चलने वाले वाहनों पर भी कार्रवाई की जा सकेगी। एआरटीओ प्रवर्तन मानवेंद्र सिंह का कहना है कि हादसों पर अंकुश लगाने के लिए उपाय हो रहे हैं।

एसटीएफ के हत्थे चढ़ा 50 हजार का इनामी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- हिस्ट्रीशीटर के साथी ने युवक को बंधक बना पीटने का वीडियो किया था वायरल
- एसटीएफ ने अर्रा स्थित गेस्ट हाउस से दबोचकर इनामी को पुलिस के हवाले किया

अमृत विचार। बर्रा पुलिस को चकमा देकर भागा हिस्ट्रीशीटर एसटीएफ के हत्थे चढ़ गया। उस पर 50 हजार के इनामी था। एसटीएफ ने उसे अर्रा स्थित सिद्धी विनायक गेस्ट हाउस के पास से पकड़ा और पुलिस के हवाले किया। थाने से भागने के 4 दिन बाद पुलिस पर फायरिंग मामले में भी वांछित था।

कानपुर देहात के मंगलपुर बाघ निवासी हिस्ट्रीशीटर विपिन ठाकुर उर्फ विपिन टेढ़ी बर्रा आठ एफ-ब्लाक में रहता है। एसटीएफ ने मंगलवार उसे दबोचा। पुलिस के अनुसार आठ नवंबर को हिस्ट्रीशीटर के साथी को कमरे में बंधक बनाकर कपड़े उतरवाकर पीटने का वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो खुद हिस्ट्रीशीटर ने बनवाया था। पीड़ित ने बाद में खुद एक वीडियो वायरल कर आपसी विवाद बताकर कार्रवाई से मना किया था। इसके बावजूद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। 13 नंवबर को बर्रा पुलिस विपिन टेढ़ी को थाने लेकर आई थी, लेकिन वह फरार हो गया था। 17 नवंबर की शाम पुलिस को पता चला कि वरदान गैलेक्सी गेस्ट हाउस के पास अभिषेक कारतूस, अंशुल यादव, वैभव तिवारी, अंकित, अटल बाजपेई समेत करीब 20 युवक मारपीट की योजना बना रहे है। थाना प्रभारी फोर्स के साथ पहुंचे तो आरोपियों ने फायरिंग कर दी। तीन आरोपियों को दबोचा गया था, जबकि बाकी फरार होने में सफल हुए थे।

ई-रिक्शा से टकरायी बाइक, दो युवकों की मौत

रफ्तार की मार

- बाइक की चपेट में आने से घायल हुईं दोनों छात्राएं

करनैलगंज, गोंडा

अमृत विचार : हुजूरपुर मार्ग पर बैकुंठनाथ महाविद्यालय के पास मंगलवार शाम एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गईं।

हादसा उस समय हुआ जब तेज रफ्तार बाइक सामने से आ रहे ई-रिक्शा से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और कुछ ही देर में उनकी हालत नाजुक हो गई। मृतकों की पहचान ग्राम बरबटपुर निवासी आलम पुत्र सिराज (27) और फरमान पुत्र इरफान (24) के रूप में हुई है। दोनों युवक मंगलवार शाम करीब 5 बजे करनैलगंज बाजार से घर लौट रहे थे। सोनवार मोड़ के पास सामने से आ रहे ई-रिक्शा से उनकी बाइक टकरा गई। टक्कर के बाद ई-रिक्शा चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। हादसे में स्कूल से घर लौट रहीं दो छात्राएं मुस्कान और हर्षवी निवासी ग्राम उलूकदास पुरवा सोनवार भी बाइक की चपेट में आकर घायल हो गईं। दोनों को तत्काल सीएचसी लाया गया, जहां मुस्कान की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद दोनों युवक जीवित थे। सूचना मिलते ही कोतवाली के हेड कांस्टेबल अख्तर अली और कांस्टेबल वकील सिंह मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस से दोनों को सीएचसी लाया जा रहा था, लेकिन रेलवे क्रॉसिंग बंद होने के कारण एंबुलेंस काफी देर तक वहीं फंसी रही। इस दौरान दोनों युवक तड़पते रहे। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार फरमान कोलकाता में बकरी आढ़ती का काम करता था और आलम मुंबई में मंडप सजाने का कार्य करता था। दोनों दो महीने पहले ही घर आए थे। फरमान तीन भाइयों और तीन बहनों में सबसे छोटा था, जबकि आलम दो भाइयों और चार बहनों में सबसे बड़ा था। आलम का निकाह हो चुका था लेकिन पत्नी की विदाई नहीं हुई थी। हादसे की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है और फरार ई-रिक्शा चालक की तलाश जारी है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बाइकों की टक्कर से गिरे युवक को डंपर ने रौंदा

डलमऊ, रायबरेली, अमृत विचार : दो बाइकों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर के बाद घायल को तेज रफ्तार गति से आ रहे डंपर ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क को जाम कर दिया है। इस दौरान करीब एक घंटे तक आवागमन बाधित रहा। बीते 10 दिनों के अंदर यह छठवीं घटना से लोगों में नाराजगी देखने को मिली। डलमऊ क्षेत्र इस समय दुर्घटना का केंद्र बनता जा रहा है। सड़कों पर फर्राटा भर रहे ट्रक और डंपर लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहें है। मंगलवार को कोतवाली क्षेत्र के राधा बालमपुर निवासी प्रेमलाल का 30 वर्षीय बेटा प्रदीप किसी कार्य से मुराई बाग जा रहा था। तभी चौदह मील से कुछ दूरी पर आगे सामने से आ रहे हैं मधुकरपुर नवीन निवासी राहुल पुत्र हरिश्चंद्र की बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। इससे प्रदीप घायल होकर सड़क पर जा गिरा, तभी पीछे से आ रहे एक अज्ञात डंपर ने उसे कुचल दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे घायल बाइक सवार को स्थानीय लोगों ने डलमऊ अस्पताल पहुंचाया, जहां पर हालत गंभीर होने से जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया।

ऑनलाइन निवेश पर 15.81 लाख की ठगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- फेसबुक पर विज्ञापन देख झांसे में आए कारोबारी ने शेयर मार्केट में किया निवेश
- ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने निवेश कंपनी के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार। जूही में शेयर मार्केट में निवेश व मुनाफे के लालच में आकर कारोबारी ने 15.81 लाख रुपये गवां दिए। फेसबुक पर ऑनलाइन निवेश का विज्ञापन देखकर कारोबारी साइबर शातिरों के झांसे में आए व निवेश करना शुरू कर दिया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने ऑनलाइन निवेश कंपनी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

आनंदपुरी निवासी कारोबारी आकाश ने बताया कि करीब डेढ़ साल पहले उन्होंने फेसबुक पर ऑनलाइन प्लेटफार्म सेठचेन डाट काम का एक विज्ञापन देखा था। जिसमें टैग किया गया था कि शेयर मार्केट में निवेश पर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। इसके बाद उन्होंने विज्ञापन खोलकर उसकी पूरी प्रक्रिया समझी और अगस्त 2024 से निवेश करना शुरू कर दिया। शुरुआत में उन्होंने छोटी रकम निवेश की। इस पर उन्हें ठीक मुनाफा भी मिला। भरोसा बढ़ने पर उन्होंने अपना और पिता रमेश चंद्र तिवारी का 15.81 लाख रुपये निवेश कर दिया। मुनाफा होने पर उन्होंने रकम निकालने की कोशिश की, लेकिन रकम नहीं निकली। ऑनलाइन आरोपियों से संपर्क किया तो उन्होंने और रकम निवेश करने को कहा। इस पर अपनी निवेश की रकम मांगी तो आरोपियों ने उन्हें ब्लाक कर दिया। जूही थानाप्रभारी केके पटेल ने बताया कि साइबर ठगी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

दौरा | पद्मश्री किसान के फार्म हाउस पहुंचे भाजपा नेता विनय कटियार

रामसरन जैसे किसान देश की असली ताकत :कटियार

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : भाजपा के फायरब्रांड नेता विनय कटियार मंगलवार को हरख ब्लॉक अंतर्गत दौलतपुर गांव पहुंचे, जहां उन्होंने पद्मश्री सम्मानित प्रगतिशील किसान रामसरन वर्मा के फार्म हाउस पर उनसे मुलाकात की। पद्मश्री रामसरन वर्मा ने उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर क्षेत्र के किसान एवं गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। फार्म हाउस पहुंचने के बाद विनय कटियार ने खेतों में लगी विभिन्न फसलों का अवलोकन किया और आधुनिक व पारंपरिक खेती के तरीकों की जानकारी ली। उन्होंने कृषि क्षेत्र में पद्मश्री रामसरन वर्मा द्वारा किए गए नवाचारों और उनके योगदान की सराहना की। विनय कटियार ने कृषि क्षेत्र में किए गए नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि रामसरन वर्मा जैसे किसान देश की असली ताकत हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और प्रयोगशीलता से किसानों को नई दिशा दी है। ऐसे किसानों से नई पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। विनय कटियार ने कहा कि किसानों की उन्नति से ही देश मजबूत होगा और केंद्र व प्रदेश सरकार किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। इस दौरान उन्होंने पद्मश्री रामसरन वर्मा के जीवन, संघर्ष और कृषि क्षेत्र में योगदान पर आधारित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया, जिसमें उनकी उपलब्धियों और उन्नत कृषि पद्धतियों को प्रदर्शित किया गया था। मुलाकात के दौरान कृषि, किसानों की समस्याओं और उनके समाधान को लेकर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में रोहित वर्मा, दिलीप कुमार, परशुराम वर्मा सहित अनेक किसान एवं लोग उपस्थित रहे।

विनय कटियार का स्वागत करके पद्मश्री किसान रामसरन वर्मा। ● अमृत विचार

कुकर्म के दोषी को 20 वर्ष की कैद

बाराबंकी, अमृत विचार : न्यायालय ने नाबालिग से कुकर्म प्रकरण में दोष सिद्ध अभियुक्त को 20 वर्ष कठोर कारावास व 12 हजार रुपये अर्थदण्ड अदा करने की सजा सुनाई है। थाना फतेहपुर पर नाबालिग से बलात्संग के सम्बन्ध में पंजीकृत भादवि व पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त गुड्डू रावत को विभिन्न धाराओं में अपर सत्र न्यायाधीश, विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कोर्ट संख्या 45 द्वारा दोषसिद्ध करते हुए 20 वर्ष का कठोर कारावास व अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। 13 फरवरी 2024 को थाना फतेहपुर पर क्षेत्रान्तर्गत निवासी द्वारा अभियुक्त गुड्डू रावत उर्फ शिव कुमार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया था।

फंदे से लटका मिला किशोरी का शव

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक किशोरी का शव घर में संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रथमदृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र के एक गांव में सोमवार रात पिता घर के बाहर और मां छत पर सो रही थीं। मंगलवार सुबह परिजन जगे तो घर के अंदर जाल से बने फंदे से किशोरी का शव लटका मिला। यह देखते ही परिजनों में रोना पिटना मच गया, वहीं मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। बताया जा रहा कि गांव के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग के चलते किशोरी करीब 15 दिन पहले उसके साथ चली गई थी। मां की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू की तो किशोरी कुछ दिन बाद घर वापस लौट आई।

चर्चा के अनुसार किशोरी युवक से विवाह करना चाहती थी, लेकिन एक ही गांव का होने व अन्य कारणों से परिजन इस रिश्ते के खिलाफ थे। आशंका है कि इसी तनाव के चलते किशोरी ने यह कदम उठाया है। उधर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने आत्महत्या के पीछे कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक जगदीश शुक्ल ने बताया कि परिजन आत्महत्या का कोई ठोस कारण नहीं बता पा रहे। पूछताछ में यह बात सामने आई है कि किशोरी पूर्व में गांव के एक युवक के साथ चली गई थी।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

सतरिख थाना क्षेत्र के पाराकुंवर गांव में मंगलवार सुबह गांव के बाहर पेड़ में युवक का शव रस्सी के सहारे लटका मिला। शव की शिनाख्त शिवम रावत 23 पुत्र रामविलास के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार शिवम सोमवार की शाम को घर से निकला था लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। मंगलवार की सुबह ग्रामीणों ने गांव से लगभग दो सौ मीटर दूर आम के पेड़ पर शिवम का शव लटका देखा। प्रभारी निरीक्षक डीके सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 21 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

छात्रों के ऑडिशन में स्कूलों ने किया प्रतिभाग

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : रघुवर प्रसाद जयसवाल सरस्वती विद्या मंदिर तेतरी बाजार सिद्धार्थनगर में "सिद्धार्थनगर महोत्सव" में मंच प्रस्तुति हेतु स्कूली छात्रों के ऑडिशन में सम्मिलित विद्यालय गंगा नेशनल, जय किसान, लिटिल फ्लावर, प्राथमिक विद्यालय करौंदा मंदिर, सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल करौदा मसिना, ठाकुर वेणी माधव चिल्ड्रन एजुकेशन, बरसाती यादव इन्टर कालेज, मुस्लिम इन्टर कॉलेज महदेइया आदि 58 विद्यालयों ने प्रतिभाग किया। जिला विद्यालय निरीक्षक की देखरेख में आयोजन समिति के सदस्य सविता वर्मा, ज्योत्सना सिंह, अर्चना सिंह, सच्चिदानन्द शुक्ला, पूर्णेश्वर मिश्रा, समर बहादुर, अनिल कुमार व उमाशंकर ने छात्रों का ऑडिशन लिया गया। संचालन नितेश पाण्डेय ने किया।

मनरेगा को खत्म करना चाहती है भाजपा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जा रहे मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत मंगलवार को डुमरियागंज ब्लाक के ग्राम पंचायत गौराही में ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चौबे द्वारा चौपाल आयोजित की गई। चौपाल में जिला कांग्रेस अध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने कहा कि मनरेगा करोड़ों ग्रामीण गरीबों की आजीविका का आधार है। भाजपा सरकार योजनाबद्ध तरीके से इस योजना को कमजोर कर रही है और भविष्य में मनरेगा योजना को समाप्त करने की साजिश रच रही है, जिसे कांग्रेस पार्टी किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करेगी। मनरेगा बचाओ संग्राम के जिला कोऑर्डिनेटर राजन श्रीवास्तव ने कहा कि मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं बल्कि ग्रामीण भारत की जीवनरेखा है।

पॉक्सो जैसे मामलों में गवाह को बार-बार बुलाना अवैध: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पॉक्सो अधिनियम से जुड़े एक मामले में पीड़िता को पुनः जिरह के लिए बुलाने संबंधी आरोपियों की याचिका खारिज दिया। एकलपीठ ने स्पष्ट किया कि पहले से लंबित मामले में हो चुकी जिरह के बाद बाल पीड़िता को दोबारा कोर्ट में बुलाना न केवल कानून की मंशा के विपरीत है, बल्कि इससे मुकदमे में अनावश्यक देरी होगी और पीड़िता को मानसिक प्रताड़ना भी पहुंचेगी।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकलपीठ ने संतकबीर नगर की विशेष पॉक्सो अदालत द्वारा 16 अक्टूबर 2025 को पारित आदेश को सही ठहराते हुए कहा कि आरोपियों द्वारा छह वर्ष बाद गवाह को पुनः बुलाने का आवेदन उचित नहीं है और इसका उद्देश्य केवल ट्रायल को लंबा खींचना प्रतीत होता है। मामले के अनुसार वर्ष 2017 में अपहरण और पॉक्सो अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। विवेचना के बाद चार्जशीट दाखिल हुई और ट्रायल के दौरान पीड़िता को 2019 में अभियोजन साक्षी के रूप में प्रस्तुत कर विस्तार से जिरह की गई। इसके बावजूद वर्ष 2025 में आरोपियों ने बीएनएसएस की धारा 348 के तहत पीड़िता को दोबारा बुलाने का आवेदन किया, जिसे ट्रायल कोर्ट ने खारिज कर दिया। मामले के तथ्यों पर विचार करते हुए कोर्ट ने माना कि गवाह को पुनः बुलाने की शक्ति असाधारण है और इसका प्रयोग केवल न्याय के हित में ठोस कारणों पर ही किया जाना चाहिए। पॉक्सो अधिनियम की धारा 33(5) स्पष्ट रूप से निर्देश देती है कि संवेदनशील मामलों में बाल पीड़िता को बार-बार गवाही के लिए बुलाना उचित नहीं है। केवल "निष्पक्ष सुनवाई" का सामान्य तर्क देकर गवाह को दोबारा नहीं बुलाया जा सकता है।

कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान मामले में छह साल बाद दाखिल आवेदन का मूल उद्देश्य ट्रायल में देरी करना या पीड़िता पर दबाव बनाना है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई महत्वपूर्ण निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि पहले से जिरह हो चुके गवाहों को दोबारा बुलाना सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा नहीं है, विशेषकर पॉक्सो जैसे संवेदनशील मामलों में। अंत में कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा पारित निर्णय को किसी भी प्रकार से अवैध या असंवेदनशील ना पाते हुए उसमें हस्तक्षेप से इनकार कर दिया और आरोपियों द्वारा दाखिल याचिका खारिज कर दी।

चीनी मांझे को लेकर पूर्व में पारित निर्देशों के पालन का आदेश

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चीनी मांझे के क्रय-विक्रय से जुड़े मामले में कहा कि राज्य सरकार उच्च न्यायालय द्वारा पहले से जारी निर्देशों का पालन करने के लिए बाध्य है। पतंगबाजी के चरम काल में चीनी मांझे के निर्माण, उपयोग और बिक्री पर प्रभावी रोक सुनिश्चित की जानी चाहिए। जिससे मानव जीवन के साथ-साथ पक्षियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके। उक्त आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने जौनपुर जिले में कृत्रिम पतंग की डोर पर प्रतिबंध को लेकर हिमांशु श्रीवास्तव और दो अन्य द्वारा दाखिल जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए पारित किया। याचिका में चीनी मांझे के किसी भी रूप में निर्माण, बिक्री और उपयोग पर रोक लगाने तथा इस संबंध में लंबित अभ्यावेदन पर निर्णय लेने की मांग की गई थी। कोर्ट ने राज्य अधिकारियों को कड़े शब्दों में निर्देश दिया कि वे हाईकोर्ट के पूर्व आदेशों के अनुरूप कार्रवाई करें और यह सुनिश्चित करें कि पतंगबाजी के दौरान चीनी मांझा मानव और पक्षी जीवन के लिए खतरा न बने।

पूर्व विधायक के केस में साक्षी दरोगा तलब

सुलतानपुर, अमृत विचार : एमपी-एमएलए विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में मंगलवार को पूर्व विधायक अनूप संडा के खिलाफ चल रहे आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में साक्षी उप निरीक्षक आनंद प्रकाश श्रीवास्तव साक्ष्य के लिए हाजिर नहीं हुए, जिसकी वजह से सुनवाई बाधित रही। मामले में शेष जिरह के लिए साक्षी दरोगा को तलब किया गया है। अदालत ने मामले में सुनवाई के लिए 29 जनवरी की तारीख तय की है। कोतवाली नगर के तत्कालीन उप निरीक्षक मुकेश कुमार पटेल ने 20 फरवरी 2022 को केएनआईटी मंदिर परिसर के पास विधि विरुद्ध तरीके से सभा का आयोजन करने के आरोप में पूर्व विधायक अनूप संडा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रही है।

कट-ऑफ में बदलाव मामले में जनहित याचिका दाखिल

विधि संवाददाता, प्रयागराज: इलाहाबाद हाईकोर्ट में राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड द्वारा नीट पीजी 2025 की अर्हता कट-ऑफ में की गई बड़ी कटौती को चुनौती देते हुए जनहित याचिका दाखिल की गई है। अधिवक्ता अभिनव गौर द्वारा दाखिल याचिका में सामान्य वर्ग के लिए कट-ऑफ 50% से घटाकर 7% तथा आरक्षित वर्गों के लिए 40 से शून्य प्रतिशत किए जाने के निर्णय को मनमाना, जनहित के प्रतिकूल बताया गया है। इलाहाबाद न्यायपीठ की रजिस्ट्री में याचिका पंजीकृत कर ली गई है। सुनवाई की तारीख अभी तय नहीं हुई है। बोर्ड ने 13 जनवरी को जारी नोटिस में कहा था कि कट-ऑफ में कमी का फैसला केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप लिया गया। संशोधित मानदंडों के तहत सामान्य वर्ग के लिए कट-ऑफ स्कोर 276 से घटाकर 103 कर दिया गया है, जबकि एससी/एसटी/ओबीसी के लिए यह 235 से घटाकर माइनस 40 हो गया है। याचिका में तर्क दिया गया है कि जो अभ्यर्थी राष्ट्रीय स्तर की मानकीकृत परीक्षा में न्यूनतम चिकित्सा ज्ञान भी प्रदर्शित नहीं कर पाते, उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सा भूमिकाओं के लिए योग्य नहीं माना जा सकता। जनहित याचिका में कोर्ट से बोर्ड के निर्णय के अनुपालन में किसी भी कार्रवाई पर रोक लगाने तथा 13 जनवरी के फैसले के आधार पर की गई सभी दाखिलों को निरस्त घोषित करने की मांग की गई है।

काशी में मंदिर तोड़े जाने की बात करना ओछी राजनीति

वाराणसी, अमृत विचार: वाराणसी में मंदिर तोड़े जाने का एआई जनरेटेड वीडियो वायरल होने के मामले में कमिश्नरेट की पुलिस सख्त हो गई है। कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसी बीच इस मामले पर काशी के संतो की भी प्रतिक्रिया आने लगी है। वाराणसी में मणिकर्णिका घाट मामले को लेकर देशभर में सियासत गर्माया हुआ है। एआई जनरेटेड वीडियो साझा किए जाने के मामले को लेकर सभी दलों के नेता व अधिकारी मौके पर पहुंचकर मुआयना कर रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार की सुबह काशी विश्वनाथ धाम स्थित कुंभा महादेव के मंदिर में सिद्ध हिंदू संत स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उनके साथ श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र भी मौजूद रहे। संत स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने मणिकर्णिका घाट पर चल रहे सुंदरीकरण के कार्यों को भी देखा। यहां उन्होंने मां गंगा की पूजा की। कुंभा महादेव मंदिर का निरीक्षण करते हुए स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि एआई जनरेटेड वीडियो साझा करके लोगों को भ्रमित करना बहुत निचले दर्जे की राजनीति है।

कदाचार के आधार पर नियुक्ति को शून्य घोषित करना न्यायसंगत नहीं: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अनुचित प्रावधानों के आधार पर एक सहायक अध्यापिका की सेवा समाप्ति को अवैध ठहराते हुए शिक्षा विभाग को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि विवाह से जुड़ी अर्हता का प्रश्न नियुक्ति की वैधानिकता से संबंधित है, न कि सेवा के दौरान कदाचार से और ऐसे मामलों में दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जा सकती। उक्त आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकलपीठ ने स्मृति रीना की याचिका स्वीकार करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार याची की नियुक्ति 7 नवंबर 2015 को प्राथमिक विद्यालय, मऊ में सहायक अध्यापिका के पद पर हुई थी। वर्ष 2025 में एक शिकायत के आधार पर यह आरोप लगाया गया कि उन्होंने 2009 में ऐसे व्यक्ति से विवाह किया था, जिसकी पहली पत्नी उस समय जीवित थी। इसी आधार पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, मऊ ने 12 नवंबर 2025 को उनकी सेवाएं समाप्त कर दीं। कोर्ट के समक्ष याची ने तर्क दिया कि उनके विरुद्ध न तो कोई विभागीय जांच हुई और न ही उन्हें सुनवाई का अवसर दिया गया। साथ ही विवाह के समय उन्हें पति की पहली पत्नी के जीवित होने की जानकारी नहीं थी। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि वर्ष 1981 के नियमों में इस आधार पर सेवा समाप्ति को दंड के रूप में निर्धारित नहीं किया गया है। मामले पर विचार करते हुए कोर्ट ने पाया कि सरकारी सेवक आचरण नियम, 1956 केवल उस अवधि पर लागू होते हैं, जब व्यक्ति सरकारी सेवा में प्रवेश कर चुका हो। याची का विवाह नियुक्ति से पूर्व हुआ था, इसलिए आचरण नियमों के तहत दंडात्मक कार्रवाई असंवैधानिक है। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा (अध्यापक) सेवा नियम, 1981 का नियम 12 केवल नियुक्ति की अर्हता से संबंधित है, न कि दंड से। नियम 12 का उल्लंघन होने पर नियुक्ति शुरुआत से ही शून्य मानी जा सकती है, लेकिन इसके लिए विधिक प्रक्रिया और सुनवाई अनिवार्य है।बिना कारण बताओ नोटिस और अवसर दिए सेवा समाप्ति करना कानूनन गलत है।

कुछ ही घंटों में बिक गए वंदे भारत स्लीपर के सभी टिकट

नई दिल्ली, अमृत विचार: कामाख्या और हावड़ा के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन (ट्रेन नंबर 27576) की पहली कमर्शियल यात्रा को यात्रियों से ज़बरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। पी आर एस और दूसरी साइट्स के ज़रिए टिकट रिज़र्वेशन शुरू होने के कुछ ही घंटों में सभी सीटें बुक हो गईं। टिकटों का इतनी जल्दी बिक जाना साफ दिखाता है कि यात्री 17 जनवरी, 2026 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन की गई वंदे भारत स्लीपर की स्पीड, आराम और आधुनिक सुविधाओं का अनुभव करने के लिए कितने उत्सुक हैं। यह ट्रेन अपनी पहली कमर्शियल यात्रा 22 जनवरी 2026 से कामाख्या से और 23 जनवरी 2026 से हावड़ा से शुरू करेगी। इस नई सर्विस के लिए टिकट बुकिंग 19 जनवरी 2026 को सुबह 08:00 बजे शुरू हुई थी। 24 घंटे से भी कम समय में, सभी क्लास के टिकट पूरी तरह से बिक गए, जो शुरू की गई प्रीमियम सेमी-हाई-स्पीड सर्विस के लिए लोगों के भारी उत्साह को दिखाता है। इस पहली कमर्शियल यात्रा के लिए यह शानदार रिस्पॉन्स तेज़, सुरक्षित और ज़्यादा आरामदायक रेल यात्रा विकल्पों के लिए यात्रियों की बढ़ती पसंद को दिखाता है। कामाख्या-हावड़ा वंदे भारत स्लीपर से पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के बीच कनेक्टिविटी में काफी सुधार होने की उम्मीद है, जो आधुनिक सुविधाएं, बेहतर यात्रा का समय और विश्व स्तरीय रात भर की यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी।

हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं पर पुलिसकर्मी ने बरसाया फूल। अमृत विचार

सरयू में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, डेढ़ लाख ने किये रामलला के दर्शन

अयोध्या, अमृत विचार : रामनगरी में मौनी अमावस्या के तीसरे दिन भी प्रयागराज से भक्तों के आने का क्रम जारी रहा है। सुबह पांच बजे से सरयू में स्नान कर हनुमान गढ़ी व राम मंदिर में दर्शन पूजन किया। राम मंदिर में सुबह 6:30 से लेकर रात्रि 10 बजे तक डेढ़ लाख श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन किये। हनुमान गढ़ी पर दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार रही। श्रद्धालु रमेश उपाध्याय ने कहा कि मैं अपने कुछ मित्रों के साथ प्रयागराज स्नान करने गया था। आज सरयू नदी में स्नान करने के लिए पहुंचे। वहीं क्षेत्राधिकारी आशुतोष तिवारी ने बताया कि माघ पूर्णिमा मेला को लेकर घाटों पर विशेष प्रबंध किए गए हैं। सुरक्षित श्रद्धालुओं को स्नान कराए जाने के लिए जल पुलिस के साथ एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीम में भी तैनात हैं। स्नान करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को बिना किसी असुविधा के स्नान संपन्न हो और मठ मंदिरों तक पहुंच कर दर्शन पूजन भी कर सकें।

शिल्प कौशल को बढ़ावा दे रही ओएसओपी योजना

नई दिल्ली, अमृत विचार: भारतीय रेल की 'एक स्टेशन एक उत्पाद' (ओएसओपी) स्कीम स्थानीय शिल्प कौशल को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त मंच के रूप में उभरी है। यह पूरे देश में जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा दे रही है। इस पहल का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को भारत की समृद्ध क्षेत्रीय विविधता के जीवंत प्रदर्शन केंद्रों में बदलना है। स्थानीय विरासत को राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क के साथ एकीकृत करके, ओएसओपी न केवल यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाता है बल्कि समावेशी आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देता है।

19 जनवरी 2026 तक, 2,002 स्टेशनों पर ओएसओपी (एक स्टेशन एक उत्पाद) आउटलेट स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें से कुल 2,326 आउटलेट कार्यरत हैं। ये आउटलेट हजारों स्थानीय

कारीगरों, बुनकरों और छोटे उत्पादकों के लिए आजीविका का स्रोत बन गए हैं, जिनका अब प्रतिदिन लाखों यात्रियों से सीधा संपर्क है।

इसके अतिरिक्त, 2022 में ओएसओपी की शुरुआत के बाद से, इस पहल ने पूरे भारत में 1.32 लाख से अधिक लाभार्थियों के लिए प्रत्यक्ष आर्थिक अवसर सृजित किए हैं। आंकड़ों के अतिरिक्त, ओएसओपी उन पारंपरिक शिल्पों और क्षेत्रीय विशिष्टताओं को पुनर्जीवित करने में मदद कर रहा है जो कभी लुप्त हो रही थीं। पूर्वोत्तर में हस्तनिर्मित मिट्टी के बर्तनों और बांस की कलाकृतियों से लेकर अन्य क्षेत्रों में मसालों, हथकरघा उत्पादों और स्थानीय मिठाइयों तक, ये उत्पाद यात्रियों को प्रत्येक क्षेत्र का सारतत्व प्रदान करते हैं। वाणिज्य के साथ संस्कृति को समेकित करके, भारतीय रेल ने स्टेशनों को स्थानीय उद्यम के केंद्रों में बदल दिया है।

जिलाधिकारी के निरीक्षण में खुली सफाई व्यवस्था की पोल

संतकबीरनगर, अमृत विचार : डीएम आलोक कुमार के मेंहदावल क्षेत्र के ग्राम पंचायत अठलोहिया में औचक निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था की कलई खुल कर सामने आई। इस उन्होंने काफी नाराजगी जताते हुए डीपीआरओ को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्देश जारी किया। वहीं, डीएम के निर्देश पर डीपीआरओ मनोज कुमार यादव ने मंगलवार को गंभीर लापरवाही बरतने वाले संबंधित सफाई कर्मी को निलंबित कर दिया। जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि विकासखंड सांथा के ग्राम पंचायत अठलोहिया का जिलाधिकारी द्वारा औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने शिकायत की कि ग्राम पंचायत में तैनात सफाई कर्मी मंजेश्वर प्रसाद नियमित रूप से ड्यूटी पर नहीं आते हैं और न ही प्रतिदिन गलियों व नालियों की सफाई की जाती है।

गुजरात से बनकर आया था राममंदिर का मॉडल

सत्य प्रकाश, अयोध्या

अमृत विचार : राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर के निर्माण का कार्य संपन्न हो चुका है। जहां प्रतिदिन लाखों भक्त दर्शन कर रहे हैं। वहीं विश्व हिंदू परिषद मुख्यालय कारसेवकपुरम में 25 साल पहले रखे गये राम मंदिर मॉडल का दर्शन करने अब श्रद्धालु नहीं पहुंच रहे हैं। संतों की माने तो मंदिर के संकल्प सिद्धि के लिए ही इस मॉडल को तैयार किया गया था। इसी को लेकर दशकों से संघर्ष किया गया। जो आज भी सुरक्षित रखा हुआ है।

राम मंदिर आंदोलन के दौरान 90 के दशक में मंदिर निर्माण के लिए मंदिर के डिजाइन का प्रस्ताव रखा गया था। आर्किटेक्ट चंद्र प्रकाश

कारसेवकपुरम में रखा राम मंदिर का पुराना मॉडल। अमृत विचार

सोनपुरा ने गुजरात में मंदिर की आकृति तैयार किया था, 9 नवंबर 2019 में फैसला आने के बाद भी सोनपुरा के द्वारा ही मंदिर मॉडल के भव्यता पर हुए नए मॉडल को समाज की स्वीकृति के साथ निर्माण कार्य संपन्न हुआ। इस मॉडल की देखरेख कर रहे हजारीलाल ने बताया पहले यहां पर भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंचते थे। अब दर्शन करने वाले गिने-चुने ही आती है। एक महीने में भी यह संख्या सैकड़ों में भी नहीं पहुंचती है। विश्व हिन्दू परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने कहा कि कारसेवकपुरम के मुख्य गेट के पास बने एक भवन में थर्माकोल से बने विशाल राम मंदिर के मॉडल को रखा गया है। यह मॉडल गुजरात के कारीगर के द्वारा तैयार किया गया था। जिसके बाद 2001 में महाकुंभ के दौरान इस मॉडल को संतों के बीच रखा गया। राम भक्तों के दर्शन करने के लिए इसे अयोध्या लाया गया था। यह मॉडल ही राम भक्तों को प्रेरित करने का कार्य किया था। लंबे संघर्ष के बाद भक्तों की कल्पना पर भव्य दिव्य मंदिर संपन्न हुआ है और 22 जनवरी 2024 को रामलला अपने गर्भगृह विराजमान हो गए। जहां करोड़ भक्त अपने प्रभु के दर्शन भव्य और दिव्य मंदिर में कर चुके हैं। जगद्गुरु राम दिनेशाचार्य ने बताया कि रामघाट पर रखे दिव्य स्वरूप में दिख रहे राम मंदिर का मॉडल हिंदुओं के लिए आस्था का प्रतीक रहा है। इसी मॉडल पर भव्य मंदिर निर्माण के लिए लाखों राम भक्तों ने संघर्ष किया है। यही कारण है कि इसी स्वरूप को और दिव्य रूप प्रदान करते हुए सुन्दर मंदिर का निर्माण किया गया है। मंदिर के महंत सत्येंद्र दास वेदांती कहते है कि प्रभु के जन्म स्थान पर मंदिर का निर्माण इसी मॉडल को लेकर लाखों भक्तों द्वारा किए गए संघर्ष का परिणाम है।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सिद्धार्थनगर।

पत्रांक: /बेसिक/आर0टी0ई0/12039-45/2025-26 दिनांक: 20 जनवरी 2026

सूचना

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12 (1)(ग) में निहित प्राविधनो एवं महानिदेशक, स्कूल शिक्षा उ0प्र0 लखनऊ के पत्रांक आर0टी0ई0/न0प्र0-02/8056/2025-26 दिनांक 17 जनवरी 2026 के अनुपालन में नवीन शैक्षिक सत्र 2026-27 में अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों के कक्षा 01/ पूर्व प्राथमिक कक्षाओं में जनपद के गैर सहायतित मान्यता प्राप्त विद्यालयों में प्रवेश लेने के लिए निम्नवत् समय सारिणी निर्धारित करते हुए पात्र बच्चों के आनलाईन आवेदन पत्र वेवसाइट http://rte25.upsdc.gov.in पर आमंत्रित किये जाते है।

चरण	आवेदन करने की तिथियाँ	जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा आवेदन पत्रों का सत्यापन एवं लॉक करने की अन्तिम तिथि	लॉटरी निकालने की तिथि	बी0एस0ए0 द्वारा विद्यालयों का आवंटन के सापेक्ष नामांकन किये जाने हेतु आदेश निर्गत किये जाने की अन्तिम तिथि
प्रथम	02 Feb 26 - 16 Feb 26	02 Feb 26 - 16 Feb 26	18 Feb 26	20 Feb 26
द्वितीय	21 Feb 26 - 07 March 26	21 Feb 26 - 07 March 26	09 March 26	11 March 26
तृतीय	12 March - 25 March 26	12 March - 25 March 26	27 March 26	29 March 26

उक्त निधारित तिथियों में जनपद के अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों के माता/पिता नियमानुसार अपने निवास के ग्राम पंचायत/वार्ड के गैर सहायतित मान्यता प्राप्त विद्यालयों में प्रवेश हेतु निर्धारित बेवसाईट पर अपेक्षित समस्त पत्राजात के साथ आनलाईन आवेदन कर आवेदन का प्रिंट आउट तथा अन्य संलग्नक अपनें पास सुरक्षित रखेंगे। प्रवेश सम्बन्धी किसी प्रकार की समस्या / जानकारी के लिए सम्बन्धित विकास खण्ड के खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है। एवं छात्र के प्रवेश के लिए पात्रता एवं शर्तें निर्धारित बेवसाईट पर देखे जा सकतें है।

(शैलेश कुमार)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
सिद्धार्थनगर।

न्यूज ब्रीफ

रेत माफिया ने महिला विधायक को दी धमकी

रायचूर। कर्नाटक में रायचूर जिले के देवदुर्गा विधानसभा क्षेत्र से जनता दल (सेक्युलर) विधायक करेम्मा जी. नायक ने मंगलवार को आरोप लगाया है कि अवैध रेत खनन गिरोह के सदस्यों ने उन्हें सीधे धमकी दी है, ताकि अवैध रेत निकासी के खिलाफ उनकी कार्रवाई रोकी जा सके। करेम्मा ने यहां कहा कि यह धमकी उनके पुलिस क्वार्टर्स में स्थित आवास पर दी गयी, जिससे कानून-व्यवस्था और निर्वाचित प्रतिनिधियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि देवदुर्गा तालुक में वैध परमिट या टेंडर के बिना लॉरियों से बड़ी मात्रा में रेत अवैध रूप से ढोई जा रही है। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधि को रोकने के उनके बार-बार के प्रयासों से इसमें शामिल सट्टेबाजों के हितों को ठेस पहुंची है।

सुरक्षा बलों ने बारामूला में आईईडी बरामद किया

श्रीनगर। सुरक्षा बलों ने श्रीनगर-बारामूला राजमार्ग पर एक परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद करके मंगलवार को एक बड़ा हादसा होने से रोक लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध आतंकवादियों ने बारामूला जिले के पट्टानी क्षेत्र के तकिया टैपर में सड़क किनारे आईईडी लगाया था। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों की गश्त टीम ने आईईडी का पता लगाया और उसे निष्क्रिय करने के लिए बम निरोधक दस्ते को तुरंत मौके पर भेजा गया। यह घटना गणतंत्र दिवस समारोह से एक सप्ताह से भी कम समय पहले हुई है। इस बीच, आतंकवादियों के किसी आतंकी गतिविधि को अंजाम देने की आशंकाओं के मद्देनजर कश्मीर घाटी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

डिजिटल अरेस्ट केस में सीबीआई का छापा

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एक डिजिटल अरेस्ट मामले के सिलसिले में मंगलवार को हरियाणा के फरीदाबाद और केरल में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, सीबीआई ने आरोपियों और मामले के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी केरल और फरीदाबाद में तलाशी जारी है। डिजिटल अरेस्ट एक व्यापक साइबर अपराध के रूप में उभरा है। इसमें अपराधी वीडियो कॉल पर कानून प्रवर्तन अधिकारियों के रूप में पेश आते हैं, लोगों पर धन शोधन या मादक पदार्थों की तस्करी जैसे गंभीर अपराधों का झूठा आरोप लगाते हैं।

ईडी रिट दायर कर सकती है या नहीं, सुप्रीम कोर्ट करेगा तय

न्यायालय ने केरल-तमिलनाडु की अपीलों पर जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

● संविधान के अनुच्छेद 226 से संबंधित मुद्दे पर सुनवाई के लिए जताई सहमति

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को इस मुद्दे पर सुनवाई करने पर सहमति जताई कि क्या प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत एक न्यायिक इकाई (ज्यूरिस्टिक पर्सन) के रूप में अपने अधिकारों के प्रवर्तन के लिए उच्च न्यायालयों में रिट याचिका दायर कर सकती है। ज्यूरिस्टिक पर्सन वह गैर-इंसानी कानूनी इकाई होती है, जिसे कानून द्वारा मान्यता दी जाती है और जिसे मानव की तरह अधिकार और दायित्व प्राप्त होते हैं।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने केरल और तमिलनाडु सरकारों की अपीलों पर ईडी को नोटिस जारी किया। इन अपीलों में केरल हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें ईडी को अनुच्छेद 226 के तहत रिट याचिका दायर करने का अधिकार होने की पुष्टि की गई थी। अनुच्छेद 226 हाईकोर्ट को कुछ रिट जारी करने की शक्ति से संबंधित है। केरल हाईकोर्ट ने गत वर्ष 26 सितंबर को पारित आदेश में एकल न्यायाधीश के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें 2020 में राजनयिक माध्यम से हुए सोना तस्करी मामले में ईडी की जांच से संबंधित न्यायिक जांच पर रोक लगाई थी। यह न्यायिक जांच आयोग उन आरोपों के बाद गठित हुआ था, जिनमें कहा गया था कि ईडी अधिकारियों ने आरोपियों पर दबाव डालकर मुख्यमंत्री समेत नेताओं को सोना तस्करी मामले में फंसाने की कोशिश की। हाईकोर्ट ने केरल सरकार की उस अपील को खारिज किया था, जिसमें एकल पीठ के अंतरिम स्थगन आदेश को चुनौती दी गई थी।

अदालत ने कहा था कि अपील में कोई दम नहीं है और ईडी की याचिका पर सुनवाई कर जांच पर रोक लगाने में एकल पीठ ने कोई त्रुटि नहीं की। यह मामला 7 मई 2021 की राज्य सरकार की अधिसूचना से उत्पन्न हुआ था, जिसमें आयोग जांच अधिनियम, 1952 के तहत ईडी अधिकारियों के खिलाफ न्यायिक जांच का आदेश दिया गया था। ईडी के उप निदेशक ने हाईकोर्ट का रुख करते हुए सवाल उठाया था कि क्या राज्य सरकार को किसी केंद्रीय जांच एजेंसी के खिलाफ जांच का आदेश देने का अधिकार है। एकल पीठ ने यह माना कि ईडी को अधिकार प्राप्त है और 11 अगस्त 2021 को अधिसूचना पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसके बाद राज्य सरकार ने इसके खिलाफ अपील दायर की।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : संबंधित याचिकाओं पर 28 को सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला से जुड़ीं 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई मंगलवार को 28 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। इन याचिकाओं में आरोपियों की जमानत याचिकाएं भी हैं। उच्चतम न्यायालय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को जमानत देने के खिलाफ दायर ईडी की याचिका पर भी अगले बुधवार को सुनवाई करेगा। मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और विपुल पंचोली की पीठ ने पूर्व नौकरशाह सौम्या चौरसिया की अलग याचिका पर राज्य सरकार और जांच एजेंसी को नोटिस जारी किए। चौरसिया छत्तीसगढ़ कैडर की लोकसेवक थीं। वह पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यालय में उप सचिव और विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) थीं। कोयला घोटाला मामले में शीर्ष अदालत से जमानत मिलने के बाद जांच एजेंसियों ने शराब घोटाले में उन्हें फिर से गिरफ्तार किया था। चौरसिया के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि यह प्राथमिकी को निरंतर बनाए रखने का मामला है और उच्चतम न्यायालय की पूरी तरह से अनदेखी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-रिट अदालतें सभी समस्याओं का समाधान नहीं

उच्चतम न्यायालय ने एक यूट्यूबर की उस याचिका को मंगलवार को खारिज कर दिया, जिसमें उसने फिल्म निर्माता के आरोपों को लेकर चेन्नई में सील किये उसके कार्यालय को खोलने और जब्त उपकरण लौटाने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। फिल्म निर्माता ने यूट्यूबर पर मारपीट और वसूली का आरोप लगाया था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश को चुनौती देने वाली सावुक्कू शंकर की याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया और उसे न्यायिक मजिस्ट्रेट का रुख करने को कहा। पीठ ने शंकर के अधिवक्ता बालाजी श्रीनिवासन से कहा कि यह मत सोचिए कि रिट अदालत सभी समस्याओं का रामबाण इलाज है। याचिका खारिज की जाती है। उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के लिये रिट अदालत शब्द का भी इस्तेमाल किया जाता है। मद्रास हाईकोर्ट ने 30 दिसंबर 2025 को सीलिंग आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था और यूट्यूबर को संबंधित मजिस्ट्रेट का रुख करने का निर्देश दिया था।

एआईबीईई में एलएलबी के अंतिम सेमेस्टर के छात्र हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि उसने कानून के अंतिम वर्ष के छात्रों के अखिल भारतीय बार परीक्षा (एआईबीई) में शामिल होने के लिए नियम तैयार किये हैं और यह वर्ष में दो बार आयोजित की जाएगी। एआईबीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षा है। विधि स्नातकों के वकालत करने के लिए प्रमाण पत्र प्राप्त करने के वास्ते इसमें शामिल होना आवश्यक है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ 2024 में दायर रिट याचिका की सुनवाई कर रही थी, जिसमें अंतिम सेमेस्टर के छात्रों को एआईबीई में शामिल होने की अनुमति देने के निर्देश का अनुरोध किया गया था। पीठ ने दलीलें दर्ज कीं और याचिका का निस्तारण कर दिया।

बंगाल में एसआईआर के दौरान उत्पीड़न के खिलाफ प्रदर्शन

कोलकाता। प. बंगाल के विभिन्न जिलों में मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान लोगों के कथित उत्पीड़न के कारण विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और कई स्थानों पर सड़कें अवरुद्ध कर दी गईं तथा टायर जलाए गए। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दक्षिण और उत्तर 24 परगना, झाड़ग्राम और पूर्व मेदिनीपुर जिलों में विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके बाद पुलिस को इन क्षेत्रों में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती बढ़ानी पड़ी। इससे एक दिन पहले उच्चतम न्यायालय ने आदेश में कहा था कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और इससे कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग (ईसी) को यह निर्देश भी दिया कि तर्कसंगत विसंगतियों वाली सूची में शामिल लोगों के नाम उन ग्राम पंचायत भवनों और ब्लॉक कार्यालयों में प्रदर्शित किए जाएं, जहां दस्तावेज और आपत्तियां प्रस्तुत की जाएंगी।

नितिन नबीन बने भाजपा के 12वें अध्यक्ष

● भाजपा मुख्यालय में आयोजित सभा को मोदी ने किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

पदभार संभालने के बाद नितिन नबीन को मिष्ठान खिलाते प्रधानमंत्री मोदी। ● एजेंसी

नितिन नबीन के मंगलवार को भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पदभार संभालने के साथ पार्टी के एक नये अध्याय की शुरूआत हो गई। उन्होंने जेपी नड्डा की जगह ली है। नवीन ऐसे समय में भाजपा अध्यक्ष बने हैं जब वह देश की राजनीति पर अपनी पकड़ और मजबूत करने की कोशिश कर रही है और पार्टी संगठन में पीढ़ीगत बदलाव के जरिए अपना प्रभाव विस्तारित करना चाहती है।

इस अवसर पर भाजपा मुख्यालय की सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब बात पार्टी के विषयों की आती है, तब वह एक कार्यकर्ता हैं। नबीन के नाम की घोषणा के बाद, प्रधानमंत्री और अन्य वरिष्ठ नेता उन्हें पार्टी मुख्यालय स्थित उनके नये कार्यालय में ले गए, जहां उन्होंने आधिकारिक तौर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष नड्डा और पार्टी महासचिव बीएल संतोष मौजूद थे। नबीन की पत्नी, बच्चे और परिवार के अन्य सदस्य भी वहां उपस्थित थे। इससे पहले, पार्टी मुख्यालय की सभा में मोदी ने नवीन को युवा ऊर्जा और संगठन में व्यापक अनुभव वाला मिलेनियल बताया, जो पार्टी के लिए मददगार साबित होगा। मिलेनियल शब्द आमतौर पर ऐसे व्यक्ति के लिए उपयोग किया जाता है, जिसका जन्म 1980 से लेकर 1990 के मध्य हुआ हो। नबीन ने अपने संबोधन में लोगों, खासकर युवाओं से राजनीति में आने की अपील की ताकि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा किया जा सके।

उडुपी के श्री कृष्ण मठ ड्रेस कोड लागू

उडुपी। कर्नाटक में उडुपी स्थित श्री कृष्ण मठ ने एक सख्त ड्रेस कोड लागू किया है, जिसके तहत पुरुष श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश करने से पहले अपनी कमीज उतारनी पड़ेगी, जबकि महिलाओं को शालीन और पारंपरिक परिधान में आना होगा। परयाया शिरूर मठ द्वारा जारी यह निर्देश सोमवार, 19 जनवरी से प्रभावी हो गया है। पूर्व में, पुरुषों के लिए बिना कमीज पहने पूजा करने का नियम सिर्फ पूर्वाह्न 11 बजे से पहले होने वाली महापूजा में शामिल होने वालों पर लागू था। मंदिर अधिकारियों ने कहा कि जींस, टी-शर्ट, बिना आस्तीन की पोशाक या अन्य गैर-पारंपरिक परिधान पहने पुरुषों और महिलाओं को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। पुरुष श्रद्धालुओं को मंदिर के आंतरिक हिस्सों में प्रवेश करने से पहले अपनी कमीज उतारनी होगी।

मनमोहक प्रस्तुति...

उत्तर पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनईजेडसीसी) द्वारा आयोजित शिल्पग्राम महोत्सव 2026 के दौरान गुवाहाटी में प्रस्तुति देते कलाकार।

संस्कृत में प्राचीन राम कथा पांडुलिपि संग्रहालय को भेंट की

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्रीनिवास वरखेड़ी ने मंगलवार को वाल्मीकि रामायण राम कथा की 233 साल पुरानी एक पांडुलिपि अंतर्राष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय को सौंप दी। वरखेड़ी ने यह पांडुलिपि प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (पीएमएमएल) की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र को भेंट की। यह वाल्मीकि रामायण (तत्त्वदीपिका टीका सहित) की दुर्लभ पांडुलिपियों में एक है। मिश्र ने वाल्मीकि रामायण की इस दुर्लभ पांडुलिपि को अयोध्या स्थित राम कथा संग्रहालय को दान देने की तारीफ की।

आठ घंटे से पूर्व कंफर्म टिकट रद्द किया तो नहीं मिलेगा एक भी पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी

● वंदे भारत स्लीपर, अमृत भारत 2 के लिए रिफंड के कड़े नियम

वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस और अमृत भारत 2 ट्रेनों के यात्री यदि निर्धारित प्रस्थान समय से आठ घंटे से पहले, अपने ''कंफर्म'' टिकट रद्द करते हैं तो एक भी पैसा वापस नहीं मिलेगा। रेल मंत्रालय द्वारा 16 जनवरी को जारी एक अधिसूचना के अनुसार, इन ट्रेनों के टिकट रद्द करने का शुल्क किराए का 25 प्रतिशत होगा, बशर्ते कि कंफर्म टिकट 72 घंटे से पहले रद्द किए जाएं। मंत्रालय ने रेल यात्री नियम, 2015 में संशोधन किया है और वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस के साथ-साथ अमृत भारत 2 ट्रेनों के लिए सख्त नियमों को अधिसूचित किया है।

अधिसूचना के अनुसार यदि ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान समय से आठ घंटे से कम समय पहले टिकट रद्द किया जाता है, तो कोई रकम वापस नहीं दी जाएगी। अन्य ट्रेनों के मामले में, यदि कंफर्म टिकट निर्धारित प्रस्थान समय से चार घंटे से कम समय पहले रद्द किए जाते हैं, तो धनवापसी के लिए पात्र नहीं होंगे। अधिसूचना के अनुसार यदि ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान समय से 72 घंटे से पहले टिकट रद्द किया जाता है, तो रद्द करने का शुल्क किराए का 25 प्रतिशत होगा। वहीं, यदि ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान समय से 72 घंटे से लेकर आठ घंटे पहले तक टिकट रद्द किया जाता है तो इसका शुल्क किराये का 50 प्रतिशत होगा।

एक परिवार को सभी बर्थ मिलेगी या एक भी नहीं

संशोधित नियमों की व्याख्या करते हुए रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसका मतलब यह है कि टिकट कंफर्म होने के बाद, इसे रद्द करने का न्यूनतम शुल्क टिकट की कीमत का 25 प्रतिशत है, और यह अवधि के आधार पर 100 प्रतिशत तक जा सकता है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत स्लीपर और अमृत भारत 2 में, अन्य ट्रेनों के विपरीत, प्रत्येक यात्री को एक निश्चित बर्थ की गारंटी दी जाती है। अन्य ट्रेनों में, यदि छह सदस्यों के एक परिवार को केवल तीन निश्चित बर्थ (सीट) मिलती हैं, तो शेष तीन सदस्यों को प्रतीक्षा करनी पड़ती है और उन्हें अन्य परिवार के सदस्यों के साथ बर्थ साझा करनी पड़ती है।

एसआईआर पर सुनवाई के लिए पेश हुए शमी

कोलकाता। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी मंगलवार को पश्चिम बंगाल में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत अपनी निर्धारित सुनवाई के लिए कोलकाता में चुनाव अधिकारियों के सामने पेश हुए। अधिकारी ने बताया कि शमी दक्षिण कोलकाता के बिक्रमगढ़ इलाके के स्कूल में आवश्यक दस्तावेजों के साथ चुनाव अधिकारियों के सामने पेश हुए।

सुनवाई पूरी होने के बाद शमी ने कहा कि एसआईआर हर किसी की ज़िम्मेदारी है और इस प्रक्रिया के दौरान सभी को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे कोई परेशानी नहीं हुई और चुनाव अधिकारियों ने इसे अच्छे से संभाला। मैं 25 सालों से यहीं रह रहा हूं। वे मुझे दोबारा बुलाते हैं, तो मैं आऊंगा।

पैरोल मिलने पर भाग सकता है सलेम

मुंबई, एजेंसी

● महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई धमाकों के दोषी की याचिका का किया विरोध

अबू सलेम।

महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को 1993 मुंबई धमाकों के दोषी अबू सलेम की 14 दिन की पैरोल की याचिका का कड़ा विरोध किया और कहा कि अगर आग्रह को स्वीकार कर लिया गया तो याचिकाकर्ता भाग सकता है। राज्य सरकार के वकील ने कहा कि अगर याचिकाकर्ता भाग जाता है तो इससे भारत और पुर्तगाल की सरकारों के बीच गंभीर समस्याएं पैदा होंगी जहां से उसे प्रत्यर्पित किया गया था। सरकार ने सलेम की 14 दिन की पैरोल की याचिका का विरोध करते हुए एक हलफनामा दायर किया।

सलेम की ओर से दायर पैरोल की याचिका में उसके बड़े भाई की मौत और उसके बाद की रस्मों में शामिल होने का हवाला दिया गया है। सरकार ने कहा कि ज़्यादा से ज़्यादा उसे पुलिस एस्कॉर्ट के तहत दो दिन की आपातकालीन पैरोल दी जा सकती है। दिन भर की सुनवाई के दौरान केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने याचिका में खुद को प्रतिवादी के तौर पर शामिल करने की मांग की क्योंकि वह अभियोग एजेंसी है। सीबीआई ने कहा कि अगर सलेम को जमानत दी जाती है, तो इससे कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा होगी। जेलों के महानिरीक्षक सुहास वार्के द्वारा दायर हलफनामे में कहा गया है कि सलेम एक अंतर्राष्ट्रीय गैंगस्टर है जो दशकों से आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। सलेम को पुर्तगाल और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत उस देश से प्रत्यर्पित किया गया था।

सलेम ने दिसंबर 2025 में पैरोल के लिए याचिका दायर की थी क्योंकि उसके बड़े भाई अबू हाकिम अंसारी का नवंबर 2025 में निधन हो गया था। उसने कहा था कि क्रिसमस की छुट्टियों के कारण उसकी याचिका में देरी हुई। उसने शुरू में 15 नवंबर, 2025 को अपने भाई के अंतिम संस्कार और संबंधित अनुष्ठानों में शामिल होने के लिए जेल अधिकारियों को 14 दिन की आपातकालीन पैरोल के लिए आवेदन किया था। हालांकि, उसकी याचिका में कहा गया है कि 20 नवंबर, 2025 के एक आदेश द्वारा इसे खारिज कर दिया गया था। सलेम के पैरोल मांगने के बाद जेल अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश पुलिस से रिपोर्ट मंगवाई। उप्र पुलिस ने एक नकारात्मक रिपोर्ट दी और कहा कि आज़मगढ़ में सरायमीर नामक जगह, जहां सलेम जाना चाहता है, एक सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इलाका है।

मुर्शिदाबाद में बार बार हो रही हिंसा से हाईकोर्ट चिंतित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बार-बार हो रही हिंसा और अशांति पर चिंता व्यक्त करते हुए, कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुलिस और प्रशासन को वहां शांति बनाए रखने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि राज्य सरकार आवश्यकता पड़ने पर केंद्रीय बल की मांग कर सकती है।अदालत ने मुर्शिदाबाद के पुलिस अधीक्षक और जिला मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय करने का निर्देश दिया कि वहां हिंसा या अशांति की कोई और घटना न हो। पड़ोसी राज्यों में प्रवासी श्रमिकों पर कथित हमलों के संबंध में पिछले सप्ताह मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में हुई हिंसा के मद्देनजर केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग करते हुए अदालत में दो जनहित याचिकाएं दायर की गईं।

असम में हिंसा, आरएएफ तैनात और इंटरनेट बंद

कोकराझार/गुवाहाटी, एजेंसी

● हिंसा के बाद बोडो और आदिवासी समुदाय आमने-सामने, एक व्यक्ति की मौत

● मुख्यमंत्री सरमा ने की शांति बनाए रखने और सरकार की मदद करने की अपील

असम के कोकराझार जिले में मंगलवार को भीड़ की हिंसा के बाद बोडो और आदिवासियों के बीच झड़पें हुईं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) को तैनात किया गया और इंटरनेट/मोबाइल डेटा सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गईं।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने कहा कि सेना की तैनाती के लिए प्रक्रिया जारी है और कोकराझार में झड़पों और हिंसा के बाद आरएएफ तैनात है। कोकराझार और पड़ोसी चिरांग जिले में इंटरनेट/मोबाइल डेटा सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और सरकार की मदद करने की अपील की। मुख्यमंत्री अभी विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में भाग लेने के लिए दावोस में हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि वह राज्य और जिला प्रशासन के अधिकारियों के संपर्क में हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्थिति सामान्य हो जाए। उन्होंने राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के नेताओं से जिले में सामान्य स्थिति बहाल करने में सहयोग की अपील की। पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ कोकराझार रवाना हो गए हैं। गृह विभाग के अधिकारी ने बताया कि सोमवार रात कोकराझार में तीन बोडो लोगों को ले जा रहे वाहन से दो आदिवासियों को टक्कर लगी।

नई युद्ध तकनीकी पर डीआरडीओ अब दे रहा ध्यान

बेंगलुरु। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) अगली पीढ़ी की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रौद्योगिकियों और स्वदेशी लड़ाकू विमान कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिनमें आत्मनिर्भरता और भविष्य के युद्ध क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। डीआरडीओ के महानिदेशक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार प्रणाली) बी. के. दास ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर कॉन्फ्रेंस इंडिया के इतर बातचीत में दास ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक युद्ध से जुड़े सभी हितधारकों -उद्योग, शिक्षा जगत और अनुसंधान संस्थानों को एक मंच पर लाना है, ताकि तेजी से विकसित हो रहे इस क्षेत्र में एक साझा लक्ष्य की दिशा में काम किया जा सके। मुख्य उद्देश्य देश के पूरे इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर इकोसिस्टम उद्योग, अकादमिक जगत और शोध संस्थानों से मिलकर काम करना है।

आयोजन | अमेरिकन सेंटर में आयोजित संवाद सत्र में बोलीं अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स

चंद्रमा पर लौटने के प्रयासों के साथ अंतरिक्ष दौड़ जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

● सुनीता ने कहा-भारत आना घर वापसी के जैसा, यहां मेरे पिता का हुआ था जन्म

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने मंगलवार को कहा कि मौजूदा समय में अंतरिक्ष दौड़ चल रही है, लेकिन प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि इंसान चंद्रमा पर वापस लौटे और यह सार्थक, लोकतांत्रिक तरीके से हो। यहां अमेरिकन सेंटर में आयोजित लगभग एक घंटे के संवाद सत्र में शामिल होने से पहले, विलियम्स ने अपने संक्षिप्त प्रारंभिक संबोधन में यह भी कहा कि भारत वापस आना घर वापसी जैसा महसूस हुआ, क्योंकि यह वह देश है जहां उनके पिता का जन्म हुआ था।

गहरे नीले रंग के अंतरिक्ष परिधान और इसी थीम वाले कैनवास के जूतों में विलियम्स (60) भारतीय युवाओं से भरे सभागार में जोरदार तालियों के बीच दाखिल हुईं और बाद में सहजता से दर्शकों के साथ बातचीत की। अमेरिकी नौसेना की पूर्व कैप्टन विलियम्स का जन्म 19 सितंबर, 1965 को अमेरिका के ओहियो के यूक्लिड में हुआ था। उनके पिता दीपक पंड्या गुजराती थे और मेहसाणा जिले के झुलासन के रहने वाले थे, जबकि उनकी मां उर्सुलिन बोनी पंड्या स्लोवेनिया की थीं। बातचीत के दौरान, उन्होंने उस समय के अपने अनुभवों को भी साझा किया जब वह अंतरिक्ष में फंस गई थीं।

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए आठ दिवसीय मिशन विलियम्स के जीवन की सबसे बड़ी चुनौती बन गया था क्योंकि उनकी बोइंग अंतरिक्ष उड़ान में समस्याएं उत्पन्न हो गई थीं, जिसके कारण कक्षा में उनका प्रवास नौ महीने से अधिक तक बढ़ गया था। उस अवधि के कुछ दृश्य स्क्रीन पर दिखाए गए, जिसमें आईएसएस के बहुसांस्कृतिक दल को थैंक्सगिविंग, क्रिसमस और एक दल के सदस्य का जन्मदिन मनाते हुए दिखाया गया।

सुनीता विलियम्स।

विलियम्स ने कहा कि कि आप एक समय में लगभग 12 लोगों को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर देख सकते थे। विलियम्स ने कहा, आईएसएस पर रूस, जापान, यूरोप, कनाडा...और कई अन्य देशों के साथी थे। (ग्रुप) कैप्टन (शुभांशु) शुक्ला मेरे कुछ समय बाद आए थे। मुझे बहुत अफसोस है कि मैं वहां रहते हुए उनसे नहीं मिल पाई<bha>;</bha> हम कुछ कहानियां साझा कर सकते थे। इस बातचीत के दौरान, उनसे मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के तरीकों से लेकर अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन और अंतरिक्ष क्षेत्र के व्यावसायीकरण से लेकर अंतरिक्ष मिशन में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के सहयोग तक, कई तरह के सवाल पूछे गए।

कल्पना चावला की मां और बहन से मिलीं

नई दिल्ली। भारत यात्रा पर आईं वरिष्ठ अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने दिवंगत कल्पना चावला की 90 वर्षीय मां से दिल्ली में मंगलवार को मुलाकात की। दोनों के बीच यह मुलाकात बेहद भावुक और गर्मजोशी से भरी रही। दोनों ने एक-दूसरे का गले लगकर स्वागत किया जिसने पुरानी यादें ताजा कर दीं। भारत में जन्मीं अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री चावला चालक दल के उन सात सदस्यों में से एक थीं, जिनकी फरवरी 2003 में अंतरिक्ष शटल कोलंबिया के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण मृत्यु हो गई थी। दुर्घटना उस वक्त हुई थी जब अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल में पुन: प्रवेश के दौरान टूटकर नष्ट हो गया था। वह अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की पहली महिला थीं और उनकी मृत्यु पर भारत में गहरा शोक व्यक्त किया गया।

चंद्रमा पर मिलकर काम करने की जरूरत

जब उनसे पूछा गया कि क्या अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र की बढ़ती दिलचस्पी वास्तव में अंतरिक्ष दौड़ को जन्म दे सकती है, जिससे यह विज्ञान कथा से निकलकर वास्तविकता में बदल जाए, तो उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष दौड़ चल रही है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अंतरिक्ष दौड़ चल रही है। लोग इस बारे में बात कर रहे हैं। हम...आप जानते हैं, हम चंद्रमा पर वापस जाना चाहते हैं। विलियम्स ने कहा, हम चंद्रमा पर जाना चाहते हैं, ताकि नियमों और कार्यशैली पर बातचीत शुरू कर सकें।

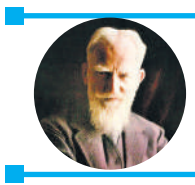

सफलता कभी गलती न करने में निहित नहीं होती, बल्कि एक ही गलती दोबारा न करने में निहित होती है।

–जॉर्ज बर्नार्ड शा, विचारक

चांदी की चकाचौंध

अनुमान बताते हैं कि इस वर्ष चांदी के भाव 4 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंचेंगे। चांदी के दाम में अभूतपूर्व तेजी अब केवल निवेश या कमोडिटी बाजार का विषय नहीं, यह देश में मध्यम वर्ग के घरेलू बजट और सामाजिक जीवन पर सीधा असर डालने वाला मुद्दा बन चुका है। जब महंगाई पहले से ही आम परिवार की क्रय-शक्ति को दबाव में रखे हुए है। ऐसे में चांदी की बढ़ती कीमतें हमारे लिए एक गंभीर आर्थिक और सामाजिक चुनौती बन चुकी है। चांदी के बर्तन, दीवाली और विवाह जैसे अवसरों पर उपहार, पूजा-पाठ, देवमूर्ति, अनुष्ठान और आभूषण भारतीय जीवनशैली के अभिन्न हिस्से हैं। इसलिए हमारे यहां चांदी का महत्व सामाजिक और सांस्कृतिक भी है। ऐसे में चांदी का महंगा होना परंपराओं और रीति-रिवाजों को भी अतिशय महंगा बना देता है। मध्यम वर्ग, जो इन परंपराओं को निभाने के लिए सीमित बचत पर निर्भर रहता है, सबसे अधिक प्रभावित है। चांदी की कीमतों में इस भारी उछाल के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं, उन पर हमारा हस्तक्षेप नहीं के बराबर है। वह चाहे लैटिन अमेरिकी देशों में इसकी खदानों का पुराना पड़ना और इसका उत्पादन घटना हो अथवा भू-राजनीतिक तनाव और व्यापारिक विवादों का बढ़ना। अनिश्चितता और महंगाई के माहौल में देशों व निवेशकों का चांदी का संग्रह हो या फिर चांदी की औद्योगिक मांग का वैश्विक स्तर आसमान छूना। पर्यावरण बचाने की मांग पर प्लांड माइनिंग हो अथवा ज्यादातर देशों का ग्रीन एनर्जी पर ज्यादा केंद्रित होना। यह मांग संरचनात्मक है और निकट भविष्य में घटने वाली नहीं। चूंकि चांदी अक्सर तांबे और जिंक की खुदाई के साथ सह-उत्पाद के रूप में निकलती है, इसलिए जब तक इन धातुओं का उत्पादन नहीं बढ़ेगा, चांदी की वैश्विक आपूर्ति में भी तेजी आना मुश्किल है।

भारत की स्थिति इस संदर्भ में कुछ ज्यादा संवेदनशील है। देश में सालाना चांदी का उत्पादन करीब 800 टन है, जबकि खपत 7,000 टन से अधिक। यानी भारत दुनिया की कुल चांदी मांग का 20-25 प्रतिशत अकेले खींच लेता है और इसका बड़ा हिस्सा आयात से पूरा होता है। यह आयात निर्भरता न केवल कीमतों को अंतर्राष्ट्रीय उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बनाती है, बल्कि चालू खाते के घाटे पर भी दबाव डालती है। बेशक हमें इसका समाधान घर में ही तलाशना होगा। सरकार घरेलू उत्पादन बढ़ाने और रीसाइक्लिंग को प्रोत्साहित करने की बात कर रही है, लेकिन अब तक इसका असर सीमित दिखता है। पुरानी चांदी की रीसाइक्लिंग, ई-वेस्ट से रिकवरी और खनन में निजी निवेश बढ़ाने जैसे कदम अब और तेज करने होंगे। कीमतें अंतर्राष्ट्रीय भाव, डॉलर रेट, आयात शुल्क, जीएसटी और स्थानीय लागत से तय होती हैं। सरकार के पास सीमित गुंजाइश है, लेकिन आयात शुल्क या कर ढांचे में अस्थायी छूट देकर घरेलू बाजार को कुछ हद तक राहत दी जा सकती है। हालांकि दीर्घकालिक समाधान आयात निर्भरता घटाने, घरेलू उत्पादन और रीसाइक्लिंग बढ़ाने तथा उद्योगों में वैकल्पिक तकनीकों को बढ़ावा देने में ही निहित है। तभी आम आदमी के लिए चांदी की चमक बरकरार रह सकेगी अन्यथा उसकी चौंध कष्ट का कारक बनी रहेगी।

प्रसंगवश

खेती का संकट और पारंपरिक देसी बीज

निरंतर लागत बढ़ती चले जाने से हमारे देश में खेती संकट के दौर से गुजर रही है। एक ओर खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल, बिजली आदि का खर्च बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर किसान की आय सिमटती जा रही है। जलवायु संकट के दौर में अनिश्चित मौसम और कीटनाशकों के बढ़ते प्रकोप ने भी खेती के संकट को बढ़ा दिया है। देश के विभिन्न भागों के वह किसान चर्चा में हैं, जो पारंपरिक देसी बीजों को अपनाकर नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। क्या बदहाल खेती के दौर में पारंपरिक देसी बीजों के जरिए हालात को बदला जा सकता है, इस प्रश्न पर आज चर्चा हो रही है। बड़ा सवाल है कि क्या पारंपरिक देसी बीज खेती में नई क्रांति का सूत्रपात कर सकते हैं?

खेती में बीजों की गुणवत्ता का मुद्दा बहुत बड़ा है। नकली एवं अमानक बीजों के कारण किसानों को जिस तरह नुकसान झेलना पड़ रहा है, वह चिंता का विषय है। सरकार भी नया बीज कानून लाने की कवायद में जुटी है। इसी बीच पारंपरिक बीजों का इस्तेमाल और संरक्षण कर रहे किसानों की कहानियां विकल्प सुझा रही हैं। मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले की एक आदिवासी बस्ती की निवासी 27 वर्षीय लहरी बाई अपने छोटे से घर में 150 से अधिक दुर्लभ और विलुप्त प्राय देसी बीजों को सहेज रही हैं। लहरी बाई ये बीज स्थानीय हाटों और आसपास के किसानों से एकत्र करती हैं। फिर उन्हें साफ करके, सुखाकर, सुरक्षित रखती हैं और जरूरत पड़ने पर दूसरे किसानों को दे देती हैं। लहरी बाई को 'मिलेट वुमन' या 'मिलेट एंबेसडर' कहा जाता है, लेकिन वे उस पारंपरिक ज्ञान की प्रतिनिधि हैं, जिसे आधुनिक खेती ने हाशिए पर डाल दिया है। ऐसा ही एक उदाहरण पंजाब के बरनाला जिले के वाहेगुरुपुरा गांव के किसान अमृत चहल का है। वे देसी बीजों और प्राकृतिक खेती पर आधारित एक ऐसा मॉडल विकसित कर रहे हैं, जो आर्थिक रूप से भी टिकाऊ है। सहकारी ज्ञान और मार्केटिंग के सहारे उन्होंने यह दिखाया है कि किसान केवल खेत में काम करने वाला नहीं, बल्कि अपने बीज और बाजार का मालिक भी हो सकता है। 2023 में उन्होंने देसी बीज बैंक की स्थापना की, जहां अनाज, सब्जियों और चारे सहित 35-40 फसलों की लगभग 150 किस्में संरक्षित हैं। यह फसल विविधता उस खेती की याद दिलाती है, जो कभी स्थानीय जरूरतों और परिस्थितियों के अनुरूप थी।

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के आदिवासी इलाकों में बीज संरक्षण की यह पहचान आज भी जीवित है। वहां की आदिवासी महिलाएं फसल के सबसे अच्छे और पहले पकने वाले दानों को चिह्नित करती हैं। कभी उन पर राखी बांध दी जाती है, कभी उन्हें अलग कपड़े में सुरक्षित रखा जाता है, ताकि कटाई के समय उनकी अलग से पहचान संभव हो सके। सहेज कर रखे गए यही दाने अगले मौसम के बीज बनते हैं। ऐसे और भी उदाहरण हैं। यह सच है कि पारंपरिक बीज कोई चमत्कारी समाधान नहीं हैं, लेकिन वे खेती को कम जोखिम वाला और अधिक आत्मनिर्भर बना सकते हैं। ये बीज स्थानीय जलवायु के अनुरूप होते हैं, कम पानी में टिकते हैं और किसान इन्हें खुद सहेज सकता है। इससे बीज, खाद और कीटनाशकों पर होने वाला खर्च घटता है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसार मोटे अनाज कम पानी में उगते हैं और स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हैं। जब देश की 60 प्रतिशत खेती बारिश पर निर्भर है, तब यह पहलू और महत्वपूर्ण हो जाता है। पारंपरिक देसी बीज केवल खेती या पर्यावरण का विषय नहीं हैं, बल्कि खाद्य सुरक्षा से भी जुड़े हैं। देसी बीजों को सहेज रहे किसान केवल अतीत नहीं बचा रहे, बल्कि आने वाले समय की राह तैयार कर रहे हैं। जरूरत है कि सरकार, वैज्ञानिक, किसान संगठन और समाज मिलकर पारंपरिक बीजों को भविष्य की आवश्यकता के रूप में स्वीकार करें, क्योंकि अगर बीज बचेंगे, तभी जीवन बचेगा।

पश्चिम बंगाल चुनाव में क्या भाजपा को मिलेगा बहुमत?

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

बिहार के बाद महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय के चुनाव परिणाम ने लोगों को फिर चौकाया है। बीजेपी के प्रति इतना जबरदस्त समर्थन अब विरोधियों को भी यह कहने पर मजबूर कर रहा है कि भगवा पार्टी कमाल कर रही है। उसका संगठन अब इतना मजबूत हो चुका है कि कोई अन्य पार्टी उसके आसपास भी खड़ी नहीं हो पा रही है। जाहिर है बीजेपी में जिस प्रोफेशनल एक्सेलेन्स की बात अखिलेश यादव ने की है, उसे पार्टी में लाने का श्रेय किसी को जाता है, तो वह गृह मंत्री अमित शाह हैं और अब उन्हीं गृह मंत्री के हाथों में बीजेपी ने बंगाल और तमिलनाडु का चुनाव प्रभार सौंप दिया है। अब लोगों में यह उम्मीद बंध गई है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भी इस बार बीजेपी को दो-तिहाई बहुमत लेकर आएगी।

बंगाल से जुड़े कई स्वतंत्र टिप्पणीकार यह कहने लगे हैं कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी 50 सीटों से भी नीचे चली जाएगी और आशंका यह भी व्यक्त की जा रही है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपनी सीट भवानीपुर को भी बचाने में बड़े पापड़ बेलने पड़ सकते हैं। पश्चिम बंगाल की सत्ता से यदि टीएमसी बाहर होती है, तो इसके पीछे बीजेपी के उत्थान के साथ ममता बनर्जी के ध्रुवीकरण वाली राजनीति का पतन भी एक बड़ा कारण होगा। क्योंकि अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति से प्रदेश की 70 फीसदी जनता ऊब चुकी है और इस बार बदलाव की आवाज साफ सुनाई दे रही है। जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले महीने 29 से 31 दिसंबर तक की कोलकाता की यात्रा की स्थानीय लोगों और बीजेपी कार्यकर्त्ताओं में इसी तरह का जज्बात साफ दिखाई दिया था। यह पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अभियान की एक तरह से शुरुआत थी।

अमित शाह जिस भी विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी लेते हैं, वहां सबसे पहले संगठन को कसने से ही शुरुआत करते हैं। विधायकों, सांसदों के साथ-साथ नगर निगम पार्षदों तक के साथ लगातार बंद कमरे में बात करते हैं और कहीं भी किसी गफलत की गुंजाइश नहीं छोड़ते हैं।

अमित शाह ने अपने चिरपरिचित अंदाज में मैराथन संगठनात्मक बैठकें कीं, पार्टी कार्यकत्ताओं के साथ-साथ आरएसएस के पदाधिकारियों को भी जाग्रत कर दिया और लगे हाथ, उन्होंने पश्चिम बंगाल में बीजेपी के लिए दो-तिहाई बहुमत की भविष्यवाणी भी कर दी। अमित शाह जिस भी विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी लेते हैं, वहां सबसे पहले संगठन को कसने से ही शुरुआत करते हैं। विधायकों, सांसदों के साथ-साथ नगर निगम पार्षदों तक के साथ लगातार बंद कमरे में बात करते हैं और कहीं भी किसी गफलत की गुंजाइश नहीं छोड़ते हैं।

पश्चिम बंगाल में भी अमित शाह ने ममता सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार, चिट फंड घोटाला, नौकरी घोटाला, कोयला घोटाला और पशु तस्करी के मुद्दे चिह्नित कर लिए हैं और उसमें संलिप्त तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और मंत्रियों के नाम भी उजागर कर दिए हैं। सबसे ऊपर बीजेपी जिस मुद्दे को लेकर चुनाव जितने के प्रति आश्वस्त है, वह है बांग्लादेश से घुसपैठ का मुद्दा। ममता बनर्जी इस मुद्दे पर घिर चुकी हैं। अमित शाह के इस आरोप का उनके पास जवाब नहीं है कि आखिर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए उन्होंने बीएसएफ को जमीन देने से क्यों इनकार किया?

बीजेपी ने यह रिकार्ड पेश किया है कि असम और त्रिपुरा से घुसपैठ की घटनाएं लगभग बंद हो गई हैं, जबकि पश्चिम बंगाल में अब भी जारी है। इस कारण बंगाल की डेमोग्राफी तेजी से बदल रही है। खड़गपुर से कोलकाता और बर्धमान से सिलीगुड़ी तक का पूरा इलाका डेमोग्राफिक रूप से बदल गया है। स्थानीय लोग ही बताते हैं कि ये सारे इलाके अब बांग्लादेशी निवासियों से भर गए हैं। ये पश्चिम बंगाल के मूल निवासी नहीं हैं, लेकिन संसाधनों पर इनका कब्जा हो चुका है। वे बेहतर पैसे और अच्छी जिंदगी के लालच में आए थे, लेकिन बंगाल के राजनीतिज्ञों ने उनका यहीं बसेरा बना दिया। बीजेपी के इस वायदे में बंगाली समुदाय को एक विश्वास दिखता है कि घुसपैठ पर लगाम के लिए एक नेशनल ग्रिड बनना चाहिए और गृह मंत्री इसको चुनावी अभियान का हिस्सा बनाना चाहते हैं।देखा जाए तो बीजेपी की चुनावी राजनीति की कमान जब से अमित शाह संभाल रहे हैं, तब से लगातार पश्चिम बंगाल में भी पार्टी की स्थिति सुधर रही है। 2016 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को केवल में 3 विधानसभा सीटों में ही जीत हासिल हुई थी, लेकिन 2021 में 77 सीटों को जीतने में बीजेपी सफल रही। उसी तरह से 2014 के लोकसभा चुनाव में बंगाल में बीजेपी को 17 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी को 39 प्रतिशत वोटों का सहारा मिला। बीजेपी अमित शाह के नेतृत्व में बिहार की ही तरह बूथ-केंद्रित रणनीति अपनाने जा रही है। पश्चिम बंगाल के कुल 81,000 मतदान बूथों में से बीजेपी ने 65,000 के लिए बूथ समितियां बना ली हैं और सभी 294 विधानसभा क्षेत्रों में विस्तारक तैनात कर दिए हैं।

दूसरी तरफ ममता बनर्जी के शासन काल में अपराध और अपराधियों की मौजूदगी बढ़ती जा रही है। खुद मुख्यमंत्री अराजकता की लाइन पार करती दिखाई देती हैं। वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा का भी अक्सर उल्लंघन करती दिखाई देती हैं। केंद्र के साथ बैठकों में भी कागज फेंकने, झल्लाने और घमंड दिखाने से बाज नहीं आतीं। पीएम मोदी लगातार धैर्य और सहिष्णुता से पेश आते रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में ईडी के अधिकारियों के साथ ममता के असंवैधानिक व्यवहार उनकी सरकार को बर्खास्त करने का कारण बन सकता था। फिर भी बीजेपी नेतृत्व इसकी मांग से बच रहा है।

बीजेपी संभवतः यह मान रही है कि 2026 में बंगाल की सीएम ममता नहीं होंगी और टीएमसी के लिए खुद को बचाए रखना भी संभव नहीं होगा, क्योंकि मुस्लिम वोट के लिए हिंदुओं के साथ भेदभाव का यह दौर अब आगे नहीं चल सकता। अमित शाह ज्यादातर मामलों में अपनी बात पर खरे उतरे हैं, बंगाल भी उनके लिए उनके वायदे के साथ खड़ा होगा क्या?

आमने

पीर पंजाल क्षेत्र के लोगों को अपनी प्रशासनिक समस्याओं के लिए बार-बार जम्मू और श्रीनगर नहीं जाना चाहिए। इस इलाके को डिविजन का दर्जा और डिविजनल कमिश्नर स्तर का अधिकारी मिलने से आम जनता को बड़ी राहत मिल सकती है।

–महबूबा मुफ्ती, पीडीपी चीफ

सामने

ऐसे सुझाव जम्मू-कश्मीर को कमजोर करने वाले हैं न कि मजबूत करने वाले। लद्दाख के लोगों को आज तक कोई ठोस फायदा नहीं मिला। इस तरह के फैसलों में भावनाओं या राजनीतिक एजेंडे से ज्यादा जमीनी हकीकत को समझना जरूरी है।

–फारूक अबदुल्ला, नेता, नेशनल कॉन्फ्रेंस

संकीर्ण सोच और गोद लेने की सामाजिक विडंबना

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक

यह हमारे समाज की एक गहरी और पीड़ादायक विडंबना है कि एक ओर अनेक दंपती संतान सुख के लिए वर्षों तक प्रतीक्षा करते हैं, मंदिरों-अस्पतालों के चक्कर लगाते हैं, तरह-तरह के उपचार कराते हैं, तो दूसरी ओर हमारे ही समाज में असंख्य ऐसे बच्चे हैं, जो माता-पिता के स्नेह से वंचित, अनाथालयों और बाल संरक्षण गृहों में बड़े हो रहे हैं। यह विरोधाभास केवल व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि उस संकीर्ण सोच का परिणाम भी है, जो आज भी गोद लेने जैसी मानवीय प्रक्रिया को संदेह, शर्तों और पूर्वाग्रहों से घेर देती है।

केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण के आंकड़े इस सच्चाई को उजागर करते हैं कि गोद लेने की प्रक्रिया में प्रतीक्षा सूची लगातार लंबी होती जा रही है। इसके बावजूद अनेक बच्चे ऐसे हैं, जिनकी उम्र छह वर्ष या उससे अधिक हो चुकी है और वे अब भी किसी परिवार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। दुखद तथ्य यह है कि अधिकांश दंपती नवजात शिशु या अधिकतम चार-पांच वर्ष तक के बच्चों को ही गोद लेना चाहते हैं। जैसे-जैसे बच्चे की उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे उसके लिए परिवार मिलने की संभावनाएं क्षीण होती जाती हैं। यह चयन केवल उम्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि रंग-रूप, स्वास्थ्य और कभी-कभी जातीय पृष्ठभूमि तक फैल जाता है।

इस सोच के पीछे भय और असुरक्षा की भावना गहराई से जमी हुई है। लोग यह मान लेते हैं कि बड़ा बच्चा आसानी से परिवार में घुल-मिल नहीं पाएगा, उसके स्वभाव में जिद या मानसिक जटिलताएं होंगी या वह माता-पिता से भावनात्मक रूप से जुड़ नहीं पाएगा। जबकि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक अध्ययन बताते हैं कि स्नेह, धैर्य और अपनत्व मिलने पर बड़े बच्चे भी उतनी ही सहजता से नए परिवार का हिस्सा बन जाते हैं। वे पहले से समझदार होते हैं, भावनाओं को पहचानते हैं और धीरे-धीरे माता-पिता के साथ गहरा रिश्ता बना लेते हैं। गोद लेने की प्रक्रिया में लंबी प्रतीक्षा और जटिल शर्तों का सबसे बड़ा खामियाजा बच्चों को ही भुगतना पड़ता है। अनाथालयों में बिताए गए ये वर्ष उनके बचपन के सबसे संवेदनशील क्षण होते हैं। इस दौरान उन्हें भोजन, शिक्षा और सुरक्षा तो मिल जाती है, पर वह अपनापन नहीं मिल पाता, जो किसी परिवार का हिस्सा होने से मिलता है। समय के साथ जब वे देखते हैं कि छोटे बच्चों को गोद ले लिया जाता है और वे स्वयं पीछे छूट जाते हैं, तो उनके मन में हीनता, उपेक्षा और अस्वीकृति की भावना घर कर जाती है।

यह प्रश्न गंभीर है कि क्या संतान सुख पाने के लिए केवल अपनी सुविधा और सामाजिक छवि को ही प्राथमिकता देना सही है। क्या उम्र और रंग-रूप के आधार पर बच्चों में भेदभाव करना स्वस्थ सामाजिक सोच का प्रमाण है। सच तो यह है कि बच्चा किसी भी उम्र का हो, उसकी सबसे बड़ी आवश्यकता प्रेम, सुरक्षा और पहचान होती है। जब उसे यह एहसास होता है कि कोई उसे अपनाना चाहता है, उसकी जिम्मेदारी लेना चाहता है, तो उसका जीवन नई दिशा पा लेता है। यदि निःसंतान दंपती अपनी सोच में थोड़ा-सा बदलाव लाएं और बड़े उम्र के बच्चों को अपनाने का साहस करें, तो न केवल उन बच्चों का भविष्य संवर सकता है, बल्कि स्वयं दंपती का जीवन भी अर्थपूर्ण बन सकता है।

बड़े बच्चे अक्सर अपनी स्थिति को समझते हैं और माता-पिता के प्रयासों की कद्र करते हैं। वे पढ़ाई, व्यवहार और जिम्मेदारियों को लेकर अधिक सजग होते हैं। सही मार्गदर्शन और प्रेम मिलने पर वे परिवार की मजबूती का आधार बन सकते हैं। समाज की भूमिका भी यहां अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज भी गोद लेने को लेकर तरह-तरह की फुसफुसाहटें, सवाल और शंकाएं उठती हैं। लोग यह भूल जाते हैं कि परिवार खून के रिश्तों से नहीं, भावनात्मक जुड़ाव से बनता है, जब समाज इस सच्चाई को स्वीकार करेगा, तभी गोद लिए गए बच्चों को भी वही सम्मान और समानता मिलेगी, जो जैविक संतान को मिलती है।

अनाथ बच्चों के लिए परिवार मिलना केवल उनके लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक सकारात्मक बदलाव है। परिवार में शामिल होने पर ये बच्चे स्वयं को मूल्यवान महसूस करते हैं, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे समाज के जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। इससे सामाजिक असमानता, अपराध और उपेक्षा की प्रवृत्तियों में भी कमी आ सकती है। इस दिशा में सरकार, सामाजिक संगठनों और मीडिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। गोद लेने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और संवेदनशील बनाया जाना चाहिए, ताकि दंपतियों का भय कम हो और वे आगे आने के लिए प्रेरित हों। साथ ही समाज में ऐसे उदाहरणों को सामने लाना आवश्यक है, जहां बड़े उम्र के बच्चों को गोद लेकर उन्हें प्रेम, शिक्षा और सम्मानपूर्ण जीवन दिया गया हो।

विद्यालयों और सामाजिक मंचों पर गोद लेने को लेकर सकारात्मक संवाद होना चाहिए, जिससे यह भावना विकसित हो कि हर बच्चा अपनाए जाने योग्य है, जब संवेदना, जिम्मेदारी और मानवीय दृष्टि हमारी सोच का हिस्सा बनेंगी, तभी गोद लेने की प्रक्रिया एक सामाजिक आंदोलन का रूप ले सकेगी और असंख्य बच्चों का सूना जीवन आशा से भर उठेगा। अनाथ बच्चों को सामान्य बच्चों की तरह खुशहाल जीवन देने के लिए सोच में परिवर्तन अनिवार्य है, क्योंकि किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसके सबसे कमजोर वर्ग के प्रति उसके व्यवहार से होती है।

गोद लेने की प्रक्रिया में लंबी प्रतीक्षा और जटिल शर्तों का सबसे बड़ा खामियाजा बच्चों को ही भुगतना पड़ता है। अनाथालयों में बिताए गए ये वर्ष उनके बचपन के सबसे संवेदनशील क्षण होते हैं।

सोशल फोरम

एक साथ नहीं मिल सकते सुखभोग और आत्मगौरव

आज समाज में भोगी और कामी (स्त्री और पुरुष दोनों) का इतना महिमामंडन क्यों किया जाने लगा है? महिमामंडन तो त्यागी और संयमी का होना चाहिए न? भोगी और कामी ने वैसी कौन-सी उपलब्धि पाई है, जिसके लिए वह गौरव से भरना चाहता है, समाज से मान्यता चाहता है? जैसे जल नीचे की ओर रिस जाता है, वैसे ही मनुष्य की चेतना मूलाधार के सुखों में अटकी रहती है। कोई मनुज इससे मुक्त नहीं। यश तो उसका है, जिसने अपनी चेतना को ऊर्ध्वगामी बनाया, जो जितेन्द्रिय हुआ या जिसने इसके लिए यत्न किए। कामनाओं के सम्मुख घुटने टेक देने वालों को किस बात के आत्मगौरव की चाह है? कामना मनुष्य की प्राथमिक, मूलभूत और आदिम वृत्ति है। मनुष्य सुख का लोभी है। प्रायः पूरा जीवन ही सुख की टोह में रहता है। इसमें भी बहुधा यह सुख भौतिक ही रहता है- जिह्वा और जननेन्द्रिय की क्षणचपल उत्फुल्लता। सुख के इस अनवरत शोध से मनुष्य क्या अर्जित करना चाहता है, ये उसे स्वयं ही नहीं पता। किंतु यदि कोई व्यक्ति आजीवन अपनी कामनाओं की ही पूर्ति करता रहे, तो वह खंख होकर रह जाएगा, निरा भौतिकवादी भोग-पुतुल बनकर रह जाएगा, उसके भीतर सरणियां नहीं होंगी, कोई आत्मसंघर्ष न होगा।

सुशोभित

लेखक

व्यक्ति के चरित्र और व्यक्तित्व का निर्माण आत्मसंघर्ष से होता है। इन्द्रिय-दमन की बात नहीं कर रहा हूं, कामनाओं के शमन की ओर भी संकेत नहीं है। संकेत उस विषाद की ओर है, रिक्तता और क्षोभ की ओर है, जो हर निरे इन्द्रिय-सुख की पूर्ति के बाद मनुष्य के भीतर उठता है, उठना ही चाहिए। अपने सुखों के प्रति एक मूक-विद्रोह मनुष्य होने की बुनियादी पहचानों में से है। फिर यह युग तो यों भी भोग का ही है। भोग की कीच में सभी सूरमा अपनी तलवारों की टूटी मूंठों के साथ निरुपाय पड़े हैं। कोई इसे अपनी विजय बताता हो, तो यह उसकी मूढ़ता ही कहलाएगी। स्मरण रहे, वर्तमान कालखंड में क्रांतिकारी वह है, जो कहता है मैंने त्यागा, वह नहीं, जो कहता है मैंने भोगा। आज की तारीख में विद्रोही वह है, जो पूछता है मैं कब तक अपनी इन्द्रियों का अनुचर बना रहूंगा, कब तक इसकी तृष्णा पूरी करने के लिए खटता रहूंगा? आज की तारीख में वह विद्रोही नहीं है, जो कहता है मैंने छककर खाया और फिर अघाया और कल फिर उठा और फिर से सुखों की टोह में निकल पड़ा- निष्प्रयोज्य, दिशाहारा। जो वैसा करते हैं, उनसे विरोध नहीं है, उनकी निंदा भी नहीं है, किंतु उसमें आत्मगौरव नहीं है। उन्मुक्त सुखभोग और आत्मगौरव दोनों एक साथ नहीं मिल सकते, मित्र। कोई एक चुन लो।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

हाइड्रोजन ट्रेनः भारत की हरित परिवहन क्रांति

भारत ने स्वच्छ ऊर्जा और आधुनिक परिवहन के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज कर ली है। हाल ही में भारतीय रेलवे ने विश्व की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन-चालित ट्रेन का सफल परीक्षण कर यह सिद्ध कर दिया है कि देश अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचार का नेतृत्वकर्ता बनता जा रहा है। यह उपलब्धि न केवल रेलवे के लिए गर्व का विषय है, बल्कि भारत के उस व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसमें ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को केंद्र में रखा गया है। हाइड्रोजन आधारित यह ट्रेन आने वाले समय में भारतीय परिवहन व्यवस्था की दिशा और दशा दोनों बदलने की क्षमता रखती है। उत्तर रेलवे के अनुसार हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच इस अत्याधुनिक ट्रेन का सफल ट्रायल किया गया है। इसके लिए जींद में विशेष रूप से हाइड्रोजन उत्पादन और आपूर्ति से जुड़ा एक प्लांट स्थापित किया गया है, जिसे निर्बाध 11 केवी विद्युत आपूर्ति से जोड़ा गया है।

देवेंद्र सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

यह व्यवस्था दर्शाती है कि हाइड्रोजन आधारित परिवहन केवल प्रयोग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे व्यावहारिक स्तर पर लागू करने की ठोस तैयारी की जा चुकी है। परीक्षण के दौरान रेलवे विशेषज्ञों ने पावर कार, सुरक्षा प्रणालियों, स्पीड सेंसर, ब्रेकिंग सिस्टम और नियंत्रण तंत्र की गहन जांच की, ताकि किसी भी स्थिति में ट्रेन का सुरक्षित और स्थिर संचालन सुनिश्चित किया जा सके। यह भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन है, जिसे 'जीरो आवाज, जीरो पॉल्यूशन' के सिद्धांत पर विकसित किया गया है। इसकी अनुमानित गति 110 से 140 किलोमीटर प्रति घंटा के बीच होगी, जिससे यह पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ आधुनिक डीजल ट्रेनों के बराबर प्रदर्शन करने में सक्षम होगी। परीक्षण के दौरान ट्रेन को धीमी और मध्यम गति पर चलाकर कोचों की ऊंचाई, पायदान और संरचनात्मक मजबूती की भी बारीकी से जांच की गई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार भविष्य में यह ट्रेन ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लिए आदर्श मॉडल बन सकती है।

हाइड्रोजन को ऊर्जा स्रोत के रूप में अपनाने की दिशा में भारत पहले से ही व्यापक प्रयास कर रहा है। 'राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन' के तहत सरकार ने वर्ष 2030 तक प्रतिवर्ष 5 मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसका उद्देश्य देश की ऊर्जा जरूरतों को स्वदेशी और स्वच्छ संसाधनों से पूरा करना तथा भारत को वैश्विक हरित हाइड्रोजन हब के रूप में स्थापित करना है। ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन सौर और पवन ऊर्जा से पानी के इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा किया जाता है, जिसमें उत्सर्जन के नाम पर केवल पानी निकलता है। परिवहन क्षेत्र में हाइड्रोजन के उपयोग को लेकर भारत में कई स्तरों पर प्रयोग हो रहे हैं। दिल्ली में इंडियन ऑयल द्वारा सौर ऊर्जा से संचालित ग्रीन हाइड्रोजन फ्यूल सेल बसों का परीक्षण किया जा रहा है। हाइड्रोजन ईंधन को बढ़ावा देने के पीछे सरकार का उद्देश्य केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, ऊर्जा आयात घटाना और रोजगार के नए अवसर पैदा करना भी है। कुल मिलाकर, हाइड्रोजन की पटरी पर दौड़ती यह ट्रेन केवल एक तकनीकी प्रयोग नहीं, बल्कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन साधने की भारतीय सोच का प्रतीक है। यदि यह प्रयोग सफलतापूर्वक विस्तारित होता है, तो भारत स्वच्छ परिवहन के साथ-साथ वैश्विक हरित ऊर्जा नेतृत्व की दिशा में भी एक मजबूत कदम बढ़ाएगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

हस्तशिल्प और कला इन दोनों के बीच बहुत महीन विभाजन रेखा है और यह दोनों ही एक-दूसरे में रूपांतरित हो सकते हैं। ठीक वैसे ही जैसे पानी और भाप। एक निश्चित तापमान के बाद पानी स्वतः ही भाप में परिवर्तित हो जाता है और उस निश्चित तापमान से नीचे आते ही भाप पुनः पानी में बदल जाती है। अनेक हस्तशिल्पी अपने हस्तशिल्प कार्य को अपनी कल्पनाशीलता और शिल्प कौशल के संतुलित संयोजन से, उसे कलात्मकता के स्तर तक ले जाते हैं। तब उनका बनाया वह हस्तशिल्प एक कलाकृति के रूप में स्वीकार्य हो जाता है। फिर वह मात्र हस्तशिल्प न रहकर एक कलात्मक कलाकृति कहलाता है, परंतु यह अपवाद स्वरूप ही देखने में आता है, सामान्य हस्तशिल्प इस श्रेणी तक कभी नहीं पहुंच पाते।

मुश्ताक खान
लेखक, नई दिल्ली

समझना होगा कला और हस्तशिल्प के अंतर को

अभिव्यक्ति एवं संप्रेषण का महत्व

हस्तशिल्प के कई कलाकार भी अपनी कलाकृति को इतना भावहीन एवं यांत्रिक बना देते हैं कि उन्हें कला की श्रेणी में रखना कठिन हो जाता है। हस्तशिल्प की मान्यता प्राप्त परिभाषा के अनुसार, पावर द्वारा चालित मशीनों के कम से कम उपयोग से मुख्यतः हाथों द्वारा बनाई गई कोई भी सुंदर, उपयोगी एवं टिकाऊ वास्तु हस्तशिल्प कहलाती है। इस परिभाषा के अनुसार हस्तशिल्प में उपयोग एवं टिकाऊ पक्ष उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि हस्तशिल्प का सुदर्शन होना। हस्त शिल्प का यही पक्ष उसे कला के क्षेत्र से बाहर करता है, क्योंकि कला में उपयोग एवं टिकाऊ होने की कोई शर्त नहीं है। कला की अनेक परिभाषाओं में उसे आत्म अभिव्यक्ति से जोड़ा गया है, वहां दृष्टि, संप्रेषण और सृजन की बात की गई है। हस्तशिल्प और कला की परिभाषाओं में यह अंतर ही उनके वास्तविक चरित्र को उजागर करता है। हस्तशिल्प में सौंदर्य के साथ उपयोगिता पक्ष का बाहुल्य है, जबकि कला में सौंदर्य सृजन के साथ अभिव्यक्ति एवं संप्रेषण महत्व रखता है।

हस्तशिल्प में अनुशासन और दक्षता

कला के सृजन का कोई निश्चित नियम या पूर्वनिर्धारित फार्मूला नहीं होता। कला को जबरन गढ़ा नहीं जा सकता, वह तो स्वयं अपनी अभिव्यक्ति का मार्ग खोज लेती है। कलाकार केवल माध्यम होता है, सृजन की प्रक्रिया उसके भीतर स्वतः घटित होती है। इसके विपरीत हस्तशिल्प एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया पर आधारित होता है, जहां निर्माण के स्पष्ट नियम, तकनीक और तयशुदा ढांचे मौजूद होते हैं। हस्तशिल्प में यह लगभग निश्चित रहता है कि अंत में उत्पाद कैसा होगा, जबकि कला में अंतिम परिणाम सृजन की यात्रा पूरी होने के बाद ही सामने आता है। कला की यही अनिश्चितता उसे रोमांचक और जीवंत बनाती है। यह अनपेक्षित मोड़, आकस्मिक अनुभूतियां और भावनात्मक गहराई ही कला को विशिष्ट बनाती हैं। कला-सृजन के लिए उन्मुक्त चिंतन, कल्पनाशीलता और आत्म-विस्मृति अत्यंत आवश्यक होती है। जब कलाकार अपने अहं और चेतन नियंत्रण से मुक्त होकर सृजन में डूब जाता है, तभी कला का वास्तविक रूप प्रकट होता है।

हस्तशिल्प में अनुशासन, हस्तकौशल और दक्षता का विशेष महत्व होता है। वहां अभ्यास, परंपरा और तकनीकी निपुणता ही प्रमुख आधार हैं। किंतु हस्तशिल्प में भावनाओं का गहन संप्रेषण, अंतर्मन की अभिव्यक्ति या किसी अनदेखे, अमूर्त संसार की रचना का उद्देश्य नहीं होता। यही तत्व कला को हस्तशिल्प से अलग और उच्चतर आयाम प्रदान करते हैं। कला केवल रूप या संरचना तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह संवेदना, अनुभूति और विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम बनती है। उसमें भाव, कल्पना और स्वतंत्रता का समन्वय होता है, जो दर्शक या श्रोता के भीतर भी एक नई चेतना का संचार करता है। इस प्रकार कला और हस्तशिल्प के बीच मूल अंतर तकनीक का नहीं, बल्कि भाव, स्वतंत्रता और सृजनात्मक अनिश्चितता का है और यही कला की आत्मा है।

अनोखी परंपरा

कोरबा : जहां बेटी को दहेज में दिए जाते हैं जहरीले सांप

शादी-विवाह में दहेज की प्रथा भारतीय समाज की एक कड़वी सच्चाई रही है। आमतौर पर दुल्हन के पिता अपनी बेटी को दहेज के रूप में महंगे तोहफे, कीमती सामान, सोने-चांदी के गहने और नकदी देते हैं। कई परिवार तो इस सामाजिक दबाव के कारण कर्ज तक ले लेते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि किसी शादी में पिता अपनी बेटी को दहेज में गहने या नकदी नहीं, बल्कि जहरीले सांप देता हो? यह बात सुनकर भले ही अचरज हो, लेकिन यह परंपरा वास्तव में भारत के एक हिस्से में आज भी जीवित है।

दहेज की यह अनोखी परंपरा छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में पाई जाती है। जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित मुकुंदपुर गांव में रहने वाला संवरा जनजाति समुदाय इस परंपरा का पालन करता है। इस समुदाय में बेटी की शादी के समय दूल्हे को दहेज के रूप में 21 जहरीले सांप दिए जाते हैं। यदि यह शर्त पूरी नहीं होती, तो विवाह संपन्न नहीं माना जाता।

यह परंपरा कोई हाल की नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही है। दरअसल संवरा जनजाति के लोगों का पारंपरिक और पुश्तैनी पेशा जहरीले सांप पकड़ना है। ये लोग सांपों को पकड़कर उन्हें दिखाने का काम करते हैं और इसके बदले लोगों से पैसे लेते हैं। इसी से उनके परिवार का भरण-पोषण होता है। समुदाय की मान्यता है कि बेटी के पिता द्वारा दामाद को सांप देना, दरअसल उसकी आजीविका सुनिश्चित करना है। यह दहेज लालच या प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि बेटी के भविष्य की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि इन सांपों के माध्यम से दामाद कमाई कर सकेगा, जिससे उसकी पत्नी यानी बेटी को जीवनभर खाने-पीने या गुजर-बसर की कोई कमी न हो। आज भले ही आधुनिक समाज दहेज प्रथा को सामाजिक बुराई मानता हो, लेकिन संवरा जनजाति की यह परंपरा हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हर परंपरा का अर्थ एक जैसा नहीं होता। यह प्रथा दिखाती है कि कुछ समुदायों में दहेज भी सामाजिक सुरक्षा और आजीविका से जुड़ा हुआ एक सांस्कृतिक प्रतीक बन चुका है।

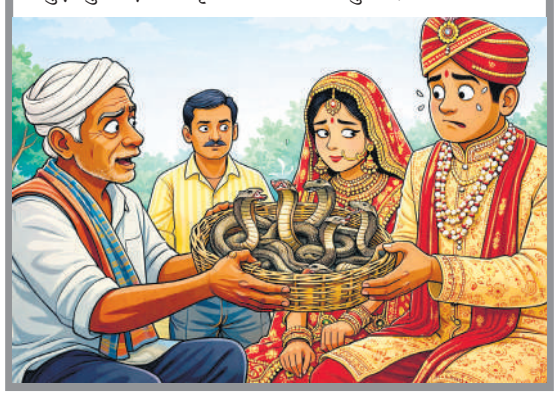

आर्ट गैलरी

समकालीन कला के विशिष्ट चित्रकार

जोगेन चौधरी के चित्रों में ग्रामीण जीवन और कोलकाता के विभिन्न पक्षों का चित्र दिखाई देता है। उनकी निजी चित्र शैली में क्रमशः परिवर्तन होता हुआ दिखाई देता है। बाद में उनकी चित्र शैली में मछली, तितली, सांप आदि को व्यंजक रूप में प्रस्तुत किया गया। वनस्पतियों के चित्रण में कहीं-कहीं खिला हुआ दिखाया गया, तो कहीं वनस्पतियों को तरोताजा दिखाया गया और कहीं उन्हें मुरझाया हुआ भी दिखाया गया है। जोगेन चौधरी ने गणेश जी के अनेक चित्र बनाए हैं। इन्होंने गणेश जी को दुबला-पतला और व्यंग्यात्मक पद्धति में दिखाया गया है। जहां तक नारी आकृतियों की बात है, तो जोगेन चौधरी ने नारी को सुंदर मांसल दिखाने के साथ-साथ नारी आकृति को दुखी रूप में भी चित्रित किया है। क्योंकि जोगेन चौधरी का जीवन प्रकृति के साथ घुला-मिला था, इसलिए इन्होंने अपने चित्रों में पुरुषों के चित्रों को कहीं-कहीं पत्तों की तरह, लता की भांति दिखाया और अंगों के उभार को फूलों की तरह दर्शाया। इनके चित्रों में चित्रित आकृतियों की अंकन शैली से व्यंग्य-विनोद के भाव उभरते हैं। स्थूल-स्थूल आकारों और तुनक मिजाज भंगिमाओं को भोले लगते चेहरे, नेताओं, व्यापारियों को देखकर आज के परिवेश और आज की यथार्थता दिखाई देती है। जोगेन चौधरी उन महत्वपूर्ण चित्रकारों में हैं, जिन्होंने समकालीन भारतीय कला में अपनी सशक्त अभिव्यक्ति से कला और समाज के रिश्ते को अच्छी तरह परिभाषित किया है।

जोगेन चौधरी के बारे में

जोगेन चौधरी का जन्म 19 फरवरी 1939 को पूर्वी बंगाल (आज का बांग्लादेश) के फरीदपुर कस्बे में हुआ था। इनके पिता प्रमथ नाथ चौधरी ब्राह्मण जमींदार थे। इनके पिता ने गांव में होने वाले नाटकों में कई पौराणिक आख्यानों को दीवारों में पेंट किया था और बहुत से हिंदू आइकॉन के चित्र भी बनाए थे। जोगेन चौधरी की माता अल्पना ड्राइंग में दक्ष थीं। 1947 तक जोगेन चौधरी गांव के परिवेश में ही रहे। 1947 में भारत विभाजन के ठीक पहले जोगेन और उनके पिता कोलकाता शिफ्ट हो गए और 1948 के बाद पूरा परिवार कोलकाता में आकर बस गया। 1951 तक उनका पूरा परिवार अपने चाचा के पुलिस डिपार्टमेंट के क्वार्टर में ही रहता रहा। इसी मकान में जोगेन ने दीवारों पर अपनी पहली पेंटिंग बनाई। 1951 में जोगेन चौधरी का परिवार शहीद नगर कॉलोनी, ढाकुरिया, कोलकाता के दूसरे घर में शिफ्ट हो गया।

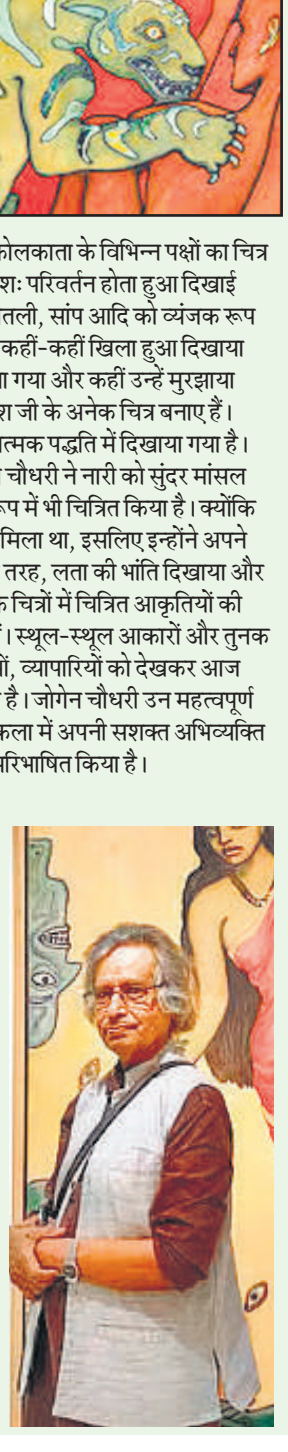

लोकायन

लावणी: महाराष्ट्र की जीवंत लोक कला

लावणी अपने जोरदार लयबद्ध अंदाज के कारण भारत के सबसे लोकप्रिय लोक नृत्यों में से एक है। यह महाराष्ट्र में विशेष रूप से प्रसिद्ध है और इसमें संगीत, गीत और नृत्य का अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है। लावणी की पहचान इसकी तेज-तर्रार ढोलक की ताल और नर्तकियों के नटखट, आकर्षक हाव-भाव से होती है। यह नृत्य दक्षिणी मध्य प्रदेश में भी प्रचलित है और मराठी लोक रंगमंच के विकास में इसका बड़ा योगदान माना जाता है। लावणी को एक रोमांटिक गीत के रूप में भी देखा जाता है, जिसमें एक महिला प्रेमी के आने का इंतजार करती है और अपनी भावनाओं को गीत के माध्यम से व्यक्त करती है।

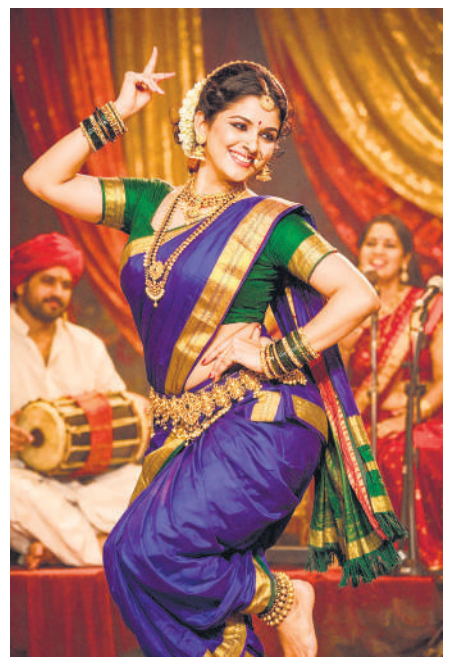

नृत्य का इतिहास

लावणी शब्द का मूल "लावण्य" शब्द से माना जाता है, जिसका अर्थ है सौंदर्य। इसमें नारी की सुंदरता, शक्ति और भावनात्मक अभिव्यक्ति का सुंदर मेल दिखाई देता है। हालांकि लावणी की उत्पत्ति की सटीक तिथि स्पष्ट नहीं है, लेकिन माना जाता है कि यह एक मनोरंजक कला के रूप में विकसित हुई थी और युद्धग्रस्त समय में सैनिकों के मनोबल को बढ़ाने के लिए भी इसका उपयोग किया जाता था। 18 वीं और 19 वीं शताब्दी में महाराष्ट्र युद्धों से जूझ रहा था और उस समय लावणी का महत्व बढ़ गया। यह नृत्य थके हुए सैनिकों के मनोरंजन का प्रमुख स्रोत बन गया। पेशवा शासन के दौरान लावणी को शाही संरक्षण मिला और यह और भी अधिक लोकप्रिय हुई। मराठी कवि जैसे माननीय बाला, रामजोशी, प्रभाकर आदि ने इसे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और इस कला को साहित्यिक तथा सांस्कृतिक रूप से समृद्ध किया।

प्रदर्शन

लावणी का प्रदर्शन एक संगीत-संवाद जैसा होता है, जिसमें गीत, नृत्य, ताल और परंपरा का संयोजन होता है। ढोलक की तेज धुनों के साथ नर्तकियां अपने लयबद्ध कदमों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। लावणी के गीतों में समाज, धर्म, राजनीति और रोमांस जैसे विषयों को सहजता से प्रस्तुत किया जाता है। महाराष्ट्र की कई जातियां, जैसे महार, कोल्हाती, कुंभार और मतंग, लावणी के प्रमुख कलाकार माने जाते हैं। लावणी मुख्यतः दो प्रकार की होती है- फडाची लावणी और बैठकी लावणी। फडाची लावणी बड़े मंच पर नाटकीय रूप में प्रस्तुत की जाती है, जबकि बैठकी लावणी निजी समारोहों में, अधिक शास्त्रीय शैली में गाई जाती है।

नर्तकियों की वेशभूषा

लावणी की नर्तकियां 9 गज की नौवारी साड़ी पहनती हैं और अपने बालों को सख्ती से बांधकर रखती हैं। वे भारी गहनों जैसे हार, झुमके, पायल, कमरपट्टा, चूड़ियां आदि से सजती हैं। लावणी में बिंदी का भी विशेष महत्व है, जो नृत्य की सौंदर्यात्मकता को और बढ़ाती है।

हिंदी भाषा में कला विषयक लेखन: चुनौतियां और संभावनाएं

हिंदी भाषा में कला विषयक लेखन आज भी एक सहज और स्वाभाविक प्रक्रिया नहीं बन पाया है। जबकि हिंदी भारत की सबसे व्यापक रूप से बोली और समझी जाने वाली भाषा है, फिर भी कला विमर्श के क्षेत्र में उसका स्थान अपेक्षाकृत सीमित दिखाई देता है। इसके पीछे ऐतिहासिक, संस्थागत, सामाजिक और बाजार से जुड़ी अनेक जटिल वजहें हैं, जिन पर विचार करना आवश्यक है।

इस मामले में एक बड़ी चुनौती भाषा और शब्दावली से जुड़ी है। आधुनिक कला विमर्श में जिन अवधारणाओं-जैसे मॉडर्निज्म, कन्सेप्चुअल आर्ट, इंस्टीच्युश्नल क्रिटिक, एस्थेटिक, क्युरोटोरियल प्रैक्टिस का व्यापक उपयोग होता है, उनके लिए हिंदी में या तो सर्वमान्य शब्द नहीं हैं या जो अनुवाद उपलब्ध हैं, वे प्रचलन में नहीं आ सके। परिणामस्वरूप हिंदी में कला लेखन करने वाला लेखक या तो अंग्रेजी शब्दों का सहारा लेने को विवश होता है या फिर अत्यधिक व्याख्यात्मक भाषा अपनाता है, जिससे लेखन का प्रवाह बाधित होता है।

ऐसे में एक सुझाव तो यही है कि इन शब्दों को ज्यों का त्यों प्रयोग किया जाए। क्योंकि इस तरह के शब्द अब सहजग्राह्य हो चुके हैं और इसका धड़ल्ले से प्रयोग कला जगत में आम बातचीत में होता है। दूसरी बड़ी चुनौती कला संस्थानों और अकादमिक ढांचे से जुड़ी है। भारत में कला शिक्षा, कला इतिहास और कला आलोचना से संबंधित अधिकांश पाठ्यक्रम, शोध और प्रकाशन अंग्रेजी में केंद्रित रहे हैं। ललित कला अकादमियां, विश्वविद्यालय, संग्रहालय और गैलरियां भी लंबे समय तक अंग्रेजी को ही 'गंभीर विमर्श' की भाषा मानती रही हैं। इस संस्थागत झुकाव का सीधा प्रभाव हिंदी लेखन की संख्या, गुणवत्ता और दृश्यता पर पड़ा।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

तीसरा पहलू कला बाजार से जुड़ा है। यह सच है कि भारतीय कला बाजार पर आज भी एक अभिजात्य वर्ग का प्रभुत्व है, जो अंग्रेजी को अपनी बौद्धिक और सामाजिक पहचान से जोड़कर देखता है। चूंकि अधिकांश कला संग्राहक, क्यूरेटर और गैलरी संचालक इसी वर्ग से आते हैं, इसलिए प्रदर्शनी कैटलॉग, प्रेस रिलीज और आलोचनात्मक लेखन में अंग्रेजी को प्राथमिकता दी जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हिंदी पट्टी के कलाकार भी अपनी प्रस्तुति में अंग्रेजी को अनिवार्य मान लेते हैं, चाहे उनका सामाजिक-सांस्कृतिक अनुभव हिंदी का ही क्यों न हो। हालांकि इस निराशाजनक परिदृश्य के बीच कुछ सकारात्मक बदलाव भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। पिछले एक-दो दशकों में हिंदी में कला विषयक पुस्तकों की संख्या बढ़ी है, चाहे वे कला इतिहास, लोक एवं आदिवासी कला, आधुनिक भारतीय कला या समकालीन विमर्श पर आधारित हों। इसके साथ ही आलेखन डॉट इन जैसी वेबसाइटों और अन्य डिजिटल मंचों ने हिंदी कला लेखन को एक नया विस्तार दिया है। ये मंच न केवल लेखकों को अभिव्यक्ति का अवसर दे रहे हैं, बल्कि एक ऐसे पाठक वर्ग का निर्माण भी कर रहे हैं, जो कला को अपनी भाषा में समझना चाहता है। डिजिटल माध्यमों की भूमिका यहां विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। सोशल मीडिया, ऑनलाइन पत्रिकाएं और ब्लॉग्स ने उस दूरी को कुछ हद तक पाटा है, जो पहले कला और आम हिंदी पाठक के बीच थी।

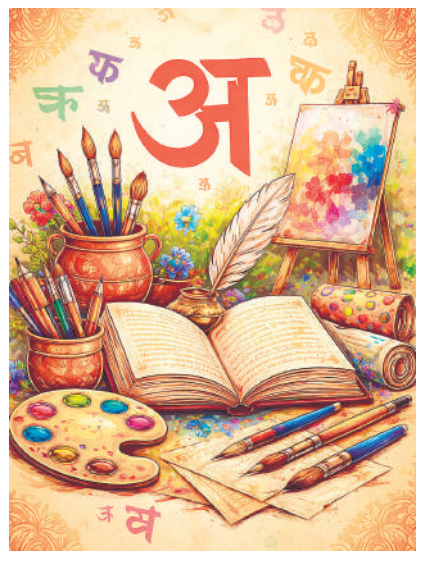

आज युवा लेखक, कलाकार और समीक्षक बिना किसी बड़े संस्थागत समर्थन के भी हिंदी में सार्थक कला विमर्श खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, किंतु इन सबके बावजूद आवश्यकता इस बात की भी है कि हिंदी के समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में नियमित रूप से कला विषयक लेख, समीक्षा, परिचर्चा और साक्षात्कार का प्रकाशन होता रहे।

अंततः यह कहा जा सकता है कि हिंदी में कला विषयक लेखन की चुनौती केवल भाषा की नहीं, बल्कि दृष्टि और संरचना की भी है। जब तक कला विमर्श को अभिजात्य दायरे से बाहर निकालकर व्यापक सांस्कृतिक संवाद का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा, तब तक हिंदी को उसका वाजिब स्थान नहीं मिल पाएगा। हाल के प्रयास यह संकेत देते हैं कि हिंदी कला लेखन धीरे-धीरे अपनी जमीन तलाश रहा है और यही भविष्य के लिए सबसे आशाजनक संकेत है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	82,180 .47	25,232 .50
गिरावट	1,065 .71	353
प्रतिशत में	1.28	1.38

सोना 1,53,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,23,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 21 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

बाजार में 7,000 करोड़ निवेश करेगी एम्बेसी

मुंबई। रियल्टी क्षेत्र की कंपनी एम्बेसी डेवलपमेंट्स ने मंगलवार को कहा कि वह मुंबई के बाजार में 7,000 करोड़ का निवेश करेगी। मजबूत मांग के बीच तीन नई लक्जरी आवासीय परियोजनाएं और तीन मौजूदा परियोजनाओं को पूरा करने के लिए ये निवेश होगा। एम्बेसी डेवलपमेंट्स लिमिटेड (ईडीएल) जल्द मुंबई महानगरीय क्षेत्र के जुहू, वर्ली और अलीबाग में तीन परियोजनाएं शुरू करेगी। ईडीएल का नाम पहले इंडियाबुल्स रियल एस्टेट लिमिटेड थी और यह शेयर बाजारों में सूचीबद्ध अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। कंपनी के चेयरमैन जीतू विरवानी ने कहा कि हम मुंबई में वृद्धि के अगले अध्याय के लिए तैयार हैं।

फोनपे को आईपीओ की सेबी से मिली मंजूरी

नई दिल्ली। फोनपे को बाजार नियामक सेबी से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी मिल गई है और कंपनी दस्तावेज (यूडीएचआरपी) दाखिल करेगी। इससे बहुप्रतीक्षित वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी के लिए आईपीओ लाने का मंच तैयार होगा। यह आईपीओ मौजूदा शेयरधारकों द्वारा बिक्री पेशकश (ओएफएस) होगी। कंपनी आईपीओ से कोई अतिरिक्त प्राथमिक पूंजी नहीं जुटाएगी। यूपीआई लेनदेन में 45% से अधिक बाजार हिस्सेदारी के साथ फोनपे भारत के डिजिटल भुगतान बाजार में अग्रणी है। एनपीसीआई के अनुसार, दिसंबर 2025 में कंपनी ने 9 .8 अरब लेनदेन किए।

एचपीसीएल ने एडनॉक गैस से किया सौदा

नई दिल्ली। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी गैस (एडनॉक गैस) से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) खरीदने के लिए तीन अरब डॉलर का सौदा किया। कंपनी ने बताया कि वह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की सबसे बड़ी ग्राहक बन गई है। दोनों कंपनियों ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की भारत की दो घंटे की यात्रा के दौरान बिक्री और खरीद समझौता किया। यूएई के राष्ट्रपति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बातचीत के लिए आए थे।

सीआईएल को मिला दुर्लभ खनिज का लाइसेंस

कोलकाता। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने मंगलवार को कहा कि उसे महाराष्ट्र में कवलापुर दुर्लभ खनिज (आरईई) ब्लॉक के लिए खनन मंत्रालय से खनिज रियायत लाइसेंस मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि खननकर्ता के पास ब्लॉक का लाइसेंस पांच साल के लिए होगा। इस विकासक्रम को खननकर्ता कंपनी के सामरिक दुर्लभ खनिज खंड में विविधीकरण की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। खनिज ब्लॉक के ब्यौरे के अनुसार, आरईई ब्लॉक नागपुर जिले की रामटेक तहसील के कवलापुर गांव में है और 398 .23 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है।

खाद्य प्रसंस्करण संवर्धन परिषद के गठन की मांग

नई दिल्ली। खाद्य प्रसंस्करण परिवेश को मजबूत करने के बारे में दो दिवसीय गहन बैठक मंगलवार को उदयपुर में समाप्त हुआ। इसमें राष्ट्रीय खाद्य प्रसंस्करण संवर्धन परिषद के गठन और भारत गुणवत्ता खाद्य चिह्न लाने की सिफारिशें की गईं। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान की अध्यक्षता में हुई बैठक में 22 केंद्रीय मंत्रालयों, 27 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों, 30 से ज्यादा उद्योग के सदस्यों, शिक्षण संस्थानों, निफ्टेम और इन्वेस्ट इंडिया ने हिस्सा लिया। पासवान ने आधुनिक, प्रतिस्पर्धी और सबको साथ लेकर चलने वाला खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र बनाने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

जीडीपी-राजस्व वृद्धि का भारतीय सीईओ को बाकी दुनिया से ज्यादा भरोसा

दावोस, एजेंसी

वैश्विक स्तर पर आर्थिक परिदृश्य सुस्त रहने के बावजूद भारतीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अपने देश की अर्थव्यवस्था और कंपनियों की आय वृद्धि को लेकर अपने वैश्विक समकक्षों की तुलना में कहीं अधिक आशावादी हैं। मंगलवार को विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित वार्षिक बैठक के दौरान पीडब्ल्यूसी की वार्षिक सीईओ सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी की गई।

यह सर्वेक्षण 4,454 प्रतिभागियों के विचारों पर आधारित है, जिनमें भारत के 50 सीईओ शामिल हैं। इस सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक सीईओ में जहां केवल आधे से कुछ अधिक ही आर्थिक वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं भारत इस मामले में एक स्पष्ट अपवाद के रूप में उभरा है। सर्वे में शामिल 77% भारतीय सीईओ ने घरेलू अर्थव्यवस्था में मजबूत वृद्धि की संभावना जताई है जबकि 57% ने निकट अवधि में कंपनी की आय बढ़ने को लेकर उच्च भरोसा जताया। यह अनुपात वैश्विक औसत का लगभग दोगुना है। सर्वेक्षण अनुसार, भारत वैश्विक निवेश मानचित्र पर तेजी से ऊपर आया है। संभावित निवेश गंतव्य के रूप में भारत अब अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया है जबकि गत वर्ष यह सूची में पांचवें स्थान पर था। जहां 46% वैश्विक सीईओ किसी भी नए निवेश की योजना नहीं बना रहे हैं, वहीं सीमापार निवेश की योजना रखने वालों में 35% अमेरिका, जबकि 13-13% भारत, जर्मनी और ब्रिटेन में निवेश करना चाहते हैं। भारतीय सीईओ की नजर में प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ब्रिटेन हैं।

समग्र आर्थिक एवं समझौतों से मिलेगी मजबूती

पीडब्ल्यूसी के मुताबिक, यूएई के साथ समग्र आर्थिक भागीदारी समझौता और ब्रिटेन के साथ समग्र आर्थिक एवं व्यापार समझौता जैसे करार इस रुझान को और मजबूत करते हैं। जोखिम के मोर्चे पर वैश्विक सीईओ ने अगले 12 महीनों में वृहद-आर्थिक अस्थिरता, साइबर जोखिम और मुद्रास्फीति को सबसे बड़ी चुनौतियां बताया। वहीं भारतीय सीईओ के लिए प्रमुख जोखिमों में वृहद-आर्थिक अस्थिरता, साइबर जोखिम, प्रौद्योगिकी व्यवधान और कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता शामिल हैं। साइबर हमलों की बढ़ती तीव्रता और जटिलता को देखते हुए साइबर सुरक्षा ने मुद्रास्फीति को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक एवं भारतीय दोनों ही सीईओ के लिए दूसरा सबसे बड़ा जोखिम स्थान हासिल किया है।

वैश्विक स्तर पर भारत की सबसे बड़ी यूएसपी हैं मोदी : प्रल्हाद जोशी

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि वैश्विक कंपनियां भारत में स्थिर सरकार, स्थिर नीतियां और मजबूत प्रतिभा भंडार होने से भरोसा कर रही हैं और वैश्विक मंच पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की सबसे बड़ी यूएसपी (विशिष्ट पहचान) हैं। जोशी ने डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक के दौरान कहा कि बैठकों के दौरान यह स्पष्ट नजर आया है कि वैश्विक निवेशकों को भारतीय नेतृत्व पर भरोसा है और वे भारत को एक बढ़िया निवेश गंतव्य मानते हैं। उन्होंने भारत के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य पर कहा कि 10-11 साल पहले भारत को एक नाजुक अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब वह चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। जहां देश को एक लाख करोड़ डॉलर से दो लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में 50 साल से अधिक समय लगा, वहीं तीन लाख करोड़ और चार लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में एक दशक ही लगा।

भारत सोई हुई ताकत, जगने पर बन सकता है शीर्ष अर्थव्यवस्था : नायडू

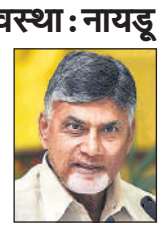

वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों के साथ 10 राज्यों के मुख्यमंत्रियों एवं वरिष्ठ नेताओं ने सोमवार को स्विट्जरलैंड के दावोस में एक सुर से भारत की आर्थिक वृद्धि और निवेश संभावनाओं की सराहना की। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि भारत पहले से ही दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अगले दो-तीन वर्ष में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। 2048 तक यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन जाएगा। उन्होंने इंडिया पैवेलियन के उद्घाटन कार्यक्रम में कहा कि हम दिग्गजों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने कहा कि उनका राज्य नरेन्द्र मोदी सरकार की एक्ट ईस्ट और अन्य नीतियों से अत्यधिक लाभान्वित हो रहा है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने राज्य में प्रचलित पारंपरिक अभिवादन जोहार से सभी का अभिवादन किया। इंडिया पैवेलियन के उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्र सरकार के कई मंत्रियों के अलावा, 10 राज्यों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

एआई का लक्ष्य जीवन को बेहतर बनाना हो: नडेला

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) का लक्ष्य हर किसी के जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए। इसमें शिक्षा से लेकर सार्वजनिक क्षेत्र की दक्षता तक शामिल है। उन्होंने डब्ल्यूईएफ की बैठक में कहा कि यदि एआई से जुड़ी सारी चर्चा केवल आपूर्ति पक्ष या तकनीकी कंपनियों पर ही केंद्रित रही, तो यह बुलबुला साबित हो सकता है।

हिताची का रेलवे, ऊर्जा और भुगतान क्षेत्रों पर जोर

बड़ी परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी पर सरकार की सराहना करते हुए हिताची इंडिया के चेयरमैन भरत कौशल ने कहा कि जापान के निवेश संकल्पों को अब तेजी से पूरा किया जा रहा है। अब भारत और जापान के बीच सौदों का आकार भी काफी बड़ा हो रहा है। ये सौदे दो सरकारों तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि इक्विटी, ऋण और साझेदारी के क्षेत्रों में निजी क्षेत्र के भी कई सौदे हो रहे हैं।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 4 माह के उच्चतम स्तर 3.7 प्रतिशत पर

उर्वरक-सीमेंट में आया उछाल, कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पाद घटे

नई दिल्ली, एजेंसी

उर्वरक और सीमेंट उत्पादन में उछाल से बीते महीने देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 3.7 प्रतिशत रही। यह चार महीने का उच्चतम स्तर है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2024 में यह दर 5.1 प्रतिशत थी। इस तरह बीते महीने के आंकड़े में सालाना आधार पर गिरावट है। पिछले साल नवंबर में यह आंकड़ा 2.1 प्रतिशत था।

समीक्षाधीन महीने के दौरान कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन बढ़ने की रफ्तार घट गई। इस दौरान उर्वरक के उत्पादन में 4.1 प्रतिशत और सीमेंट के उत्पादन में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दिसंबर 2025 में कोयला उत्पादन 3.6 प्रतिशत, इस्पात उत्पादन 6.9 प्रतिशत और बिजली उत्पादन 5.3 प्रतिशत की दर से बढ़ा। बिजली उत्पादन में नवंबर 2025 के मुकाबले बढ़ोत्तरी हुई, क्योंकि नवंबर में इसमें 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान इन आठ क्षेत्रों के उत्पादन में 2.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.5 प्रतिशत थी। आठ प्रमुख उद्योगों की औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि आईआईपी वृद्धि दर नवंबर 2025 के 6.7 प्रतिशत से घटकर दिसंबर 2025 में लगभग 4.5-5 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान है।

फिक्की विनिर्माण सूचकांक तीसरी तिमाही में उच्चतम स्तर पर पहुंचा

- आठ प्रमुख क्षेत्रों के विनिर्माताओं के प्रदर्शन एवं बाजार की स्थिति का किया आकलन

नई दिल्ली। उत्पादन लागत अधिक रहने के बावजूद फिक्की विनिर्माण सूचकांक चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। इसमें 91% कंपनियों ने स्थिर या उससे अधिक उत्पादन दर्ज किया है जो जुलाई-सितंबर के 87 प्रतिशत से अधिक है। फिक्की के विनिर्माण पर तिमाही सर्वेक्षण (क्यूएसएम) के 68वें संस्करण में तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में आठ प्रमुख क्षेत्रों के विनिर्माताओं के प्रदर्शन एवं बाजार की स्थिति का आकलन किया गया। इनमें मोटर वाहन कलपुर्जों, पूंजीगत सामान, रसायन, उर्वरक तथा दवा, इलेक्ट्रॉनिक एवं इलेक्ट्रिकल, मशीन उपकरण, धातु व धातु उत्पाद, वस्त्र, परिधान तथा प्रौद्योगिकी वस्त्र तथा विविध वस्तुएं शामिल हैं। लघु एवं मझोले उद्यम दोनों क्षेत्रों की विनिर्माण इकाइयों से प्रतिक्रियाएं प्राप्त की गई हैं, जिनका वार्षिक कारोबार संयुक्त रूप से तीन लाख करोड़ से अधिक है। 57% उत्तरदाताओं ने बिक्री के प्रतिशत के रूप में उत्पादन लागत में वृद्धि की जानकारी दी जो पिछली तिमाही के निष्कर्षों के अनुरूप है और यह दर्शाता है कि लागत अब भी अधिक है। उद्योग मंडल ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादन लागत में वृद्धि मुख्य रूप से कच्चे माल की उच्च लागत, मुद्रा में उतार-चढ़ाव और लॉजिस्टिक, बिजली एवं यूटिलीटी लागत में वृद्धि के कारण हुई है। तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में विनिर्माण सूचकांक का प्रदर्शन भारत के विनिर्माण क्षेत्र में निरंतर वृद्धि एवं बढ़ते आशावाद को दर्शाता है।

चीनी उत्पादन 22 प्रतिशत बढ़कर हुआ 159 लाख टन : इस्मा

नई दिल्ली, एजेंसी

गन्ने की अधिक आपूर्ति और बेहतर पैदावार के चलते भारत का चीनी उत्पादन 2025-26 सत्र में 15 जनवरी तक सालाना आधार पर 22% बढ़कर 1.59 करोड़ टन हो गया है। उद्योग संगठन इस्मा ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

भारतीय चीनी एवं बायो-ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) ने कहा कि पिछले साल इसी अवधि में उत्पादन 1.3 करोड़ टन था। इस साल 15 जनवरी तक 518 चीनी मिलें चालू थीं, जबकि एक साल पहले यह संख्या 500 थी। देश में चीनी का सत्र अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। सबसे बड़े उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में उत्पादन सालाना आधार पर 42.7 लाख टन से 51% बढ़कर 64.5 लाख टन हो गया। उत्तर प्रदेश में उत्पादन 42.8 लाख टन से बढ़कर 46 लाख टन हो गया। कर्नाटक का उत्पादन सालाना आधार पर 27.5 लाख टन से बढ़कर 31 लाख टन हो गया।

इस्मा ने कहा कि गन्ने की पर्याप्त उपलब्धता, बेहतर पैदावार और प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में सुचारू कामकाज के कारण 2025-26 के सत्र में भारत के चीनी क्षेत्र ने अब तक स्थिर प्रगति की है। उद्योग निकाय ने चेतावनी दी कि गन्ने की बढ़ती कीमतों और चीनी की कीमतों में गिरावट से मिलों की वित्तीय स्थिति खराब हो रही है और किसानों को गन्ने के भुगतान में देरी हो रही है।

इस्मा ने बताया कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में मिलों से निकलने वाली चीनी की कीमतें गिरकर 3,550 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गई हैं, जो उत्पादन लागत से काफी कम है। संस्था ने कहा कि चीनी का भंडार बढ़ रहा है और संकेत मिल रहे हैं कि गन्ने के भुगतान का बकाया बढ़ना शुरू हो गया है। अगर मौजूदा हालात बने रहे तो यह और बढ़ सकता है। इस्मा ने वित्तीय स्थिरता बहाल करने और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) में जल्द संशोधन की मांग की है।

- उत्तर प्रदेश में उत्पादन 42.8 लाख टन से बढ़कर 46 लाख टन पहुंचा, कर्नाटक ने भी दर्ज की बढ़ोतरी
- उद्योग निकाय ने कहा- गन्ने की बढ़ती और चीनी के गिरते दाम से मिलों को हानि, किसानों के भुगतान में देरी

कर राहत, ऋण कोष के लिए इंडेक्सेशन लाभ बहाल करे केंद्र सरकार : एम्फी

नई दिल्ली, एजेंसी

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) ने सरकार से आगामी बजट 2026-27 में ऋण (बॉण्ड) कोष के लिए इंडेक्सेशन लाभों को बहाल करने की मांग की। एम्फी ने साथ ही म्यूचुअल फंडों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के समान कर लाभों के साथ पेंशन आधारित योजनाएं पेश करने की अनुमति देने का आग्रह भी किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को लोकसभा में आम बजट पेश करेंगी।

इंडेक्सेशन वह तरीका है, जिससे निवेश पर होने वाले मुनाफे में महंगाई को समायोजित किया जाता है, जिससे कर का बोझ कम हो जाता है। म्यूचुअल फंड निकाय ने खुदरा और दीर्घकालिक निवेशकों को अधिक राहत देने के लिए इक्विटी निवेश से होने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर कर मुक्त छूट की सीमा बढ़ाने की भी मांग की है। वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट के लिए अपनी सिफारिशों में एम्फी ने सरकार से इक्विटी एलटीसीजी (एलटीसीजी) के लिए कर मुक्त छूट की सीमा को 1.25 लाख से बढ़ाकर दो लाख रुपये करने का आग्रह किया है। उसने कहा कि एमएफ उद्योग में स्थिर दीर्घकालिक पूंजी को प्रोत्साहित करने को पांच वर्ष से अधिक समय तक रखी गई इकाइयों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ से छूट की सिफारिश की है। इससे सुनिश्चित होगा कि निवेशक लंबी अवधि तक निवेशित रहें। एम्फी ने एमएफ की ऋण योजनाओं के लिए दीर्घकालिक इंडेक्सेशन लाभ को बहाल करने का अनुरोध किया है, जिसे बजट 2024 में वापस ले लिया गया था।

- निकाय ने की एलटीसीजी पर कर मुक्त छूट की सीमा बढ़ाने की मांग

सोना 1.5 लाख के पार, चांदी 20,400 रुपये उछली

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना मंगलवार को मजबूत मांग के कारण 5,100 रुपये की छलांग लगाते हुए पहली बार 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया जबकि चांदी ने 20,400 रुपये के उछाल के साथ नया रिकॉर्ड बना दिया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि सोना 5,100 रुपये की बढ़त के साथ 1,53,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर) पर पहुंच गया। साथ ही सोने ने 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम का अहम मनोवैज्ञानिक स्तर भी पार कर लिया। सोना सोमवार को 1,48,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतों ने भी सर्राफा बाजार में मजबूती दिखाते हुए नया उच्चतम स्तर छू लिया। सफेद धातु 20,400 रुपये यानी 7% बढ़कर 3,23,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर) पर पहुंच गई। सोमवार को चांदी की कीमतों में 10,000 रुपये की तेजी देखी गई थी, जिससे यह तीन लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर गई थी।

विदेशी बाजारों में भी सोना और चांदी की मांग में तेजी रही। फॉरेक्स डॉटकॉम के आंकड़ों के मुताबिक, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना पहली बार 4,700 डॉलर प्रति औंस का स्तर के पार पहुंचा। सोने में 66.38 डॉलर यानी 1.42% की बढ़त के साथ कीमत 4,737.40 डॉलर प्रति औंस पहुंच गई।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी हाजिर चांदी ने नया रिकॉर्ड बनाया और 95.88 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, सुरक्षित निवेश की मांग और आभूषणों एवं निवेशकों से आने वाली लगातार मांग से कीमती धातुओं में यह तेजी देखी जा रही है।

- विदेशी बाजारों में भी सोना और चांदी की मांग में रही तेजी

वायदा में भी पीले-सफेद धातु की चमक बढ़ी

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से सोने का वायदा भाव मंगलवार को 1.5 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर के पार पहुंचा। चांदी भी 3 .27 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के उच्चतम स्तर पहुंची। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में फरवरी में आपूर्ति वाले सोने का भाव 6,861 रुपये यानी 4 .7% चढ़कर 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि और रुपये के कमजोर होने से सोने की कीमत में वृद्धि हो रही है। आपूर्ति वाले चांदी के अनुबंधों का वायदा भाव 6% चढ़कर 3,27,998 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंचा।

वित्त मंत्रालय आरआरबी के विलय की करेगा समीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी

- पीएसबी के प्रमुखों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के चेयरपर्सन के साथ 31 को होगी बैठक

वित्त मंत्रालय 30 जनवरी को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के प्रमुखों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के चेयरपर्सन के साथ बैठक करेगा। इसमें आरआरबी के विलय के बाद उनके प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराजू करेंगे और इसमें नाबार्ड के चेयरमैन, सिडबी के सीएमडी और रिजर्व बैंक के संबंधित कार्यकारी निदेशक शामिल होंगे।

1 मई से प्रभावी आरआरबी के एकीकरण के चौथे दौर के बाद यह पहली उच्च स्तरीय बैठक होने जा रही है। इस एकीकरण से आरआरबी की संख्या 43 से घटकर 28 रह गई है। बैठक में विलय के बाद आरआरबी के वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी। इसमें प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण देने की प्रगति और आरआरबी द्वारा शुरू की गई विभिन्न वित्तीय योजनाओं की समीक्षा होगी। बेहतर परिचालन दक्षता और लागत को युक्तिसंगत बनाने के लिए 1 मई को 11 राज्यों के 15 आरआरबी के एकीकरण के बाद राज्य के स्वामित्व वाला आरआरबी अस्तित्व में आया। पहले चरण (2005-06 से 2009-10) में आरआरबी की संख्या 196 से घटाकर 82 कर दी गई थी। दूसरे चरण (वित्त वर्ष 2012-13 से 2014-15) में इसे 82 से घटाकर 56 किया गया और तीसरे चरण में यह संख्या 56 से घटकर 43 रह गई।

रुपया 7 पैसे टूटकर 90.97 प्रति डॉलर के न्यूनतम स्तर पर

मुंबई। रुपया मंगलवार को 7 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.97 के अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। धातु आयातकों की मजबूत डॉलर मांग और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से निवेशकों की कारोबारी धारणा प्रभावित हुई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिका के विस्तारवादी संकेत सहित बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं ने जोखिम से बचने की प्रवृत्ति को बढ़ा दिया है।

विदेशी पूंजी की निकासी के कारण घरेलू शेयर बाजार में सुस्ती भी इसकी एक वजह रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.91 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले 91.06 पर पहुंच गया। अंत में 90.97 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर बंद हुआ।

आईटी ब्रांड | शीर्ष 25 आईटी सेवा कंपनियों की सूची में भारत और अमेरिका की आठ-आठ कंपनियां

वैश्विक आईटी सेवा ब्रांड रैंकिंग में आठ भारतीय कंपनियां

- टीसीएस और इन्फोसिस क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाओं के क्षेत्र में भारतीय कंपनियों का दबदबा कायम है। ब्रांड फाइनेंस की नवीनतम रिपोर्ट में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस ने क्रमशः दुनिया के दूसरे और तीसरे सबसे मूल्यवान आईटी सेवा ब्रांड के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक आईटी रैंकिंग में भारत और अमेरिका बहुत करीब खड़े हैं। शीर्ष 25 आईटी सेवा कंपनियों की सूची में इन दोनों देशों की आठ-आठ कंपनियां शामिल हैं।

दुनिया की अग्रणी आईटी कंपनियों के ब्रांड मूल्य और मजबूती पर नजर रखने वाली रिपोर्ट कहती है कि एक्सेंचर 42.2 अरब डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ आठवें साल दुनिया का सबसे मूल्यवान आईटी सेवा ब्रांड चुना गया है। टीसीएस 2026 में 21.2 अरब डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ पांचवें वर्ष दुनिया का दूसरा सबसे मूल्यवान आईटी सेवा ब्रांड रहा। टीसीएस को प्रशंसा और विश्वसनीयता जैसे प्रमुख मानकों पर बेहद मजबूत स्कोर मिला है, जो इसे एक भरोसेमंद और विश्वसनीय कारोबारी साझेदार के रूप में स्थापित करता है। ब्रांड पर विचार और अनुशंसा के मामले में भी कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा, जो दीर्घकालिक ग्राहक विश्वास बनाए रखने की क्षमता दर्शाता है। इन्फोसिस 16.4 अरब डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ दुनिया का तीसरा सबसे मूल्यवान आईटी सेवा ब्रांड रहा। यह बीते छह वर्षों में 15 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि दर के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाला आईटी सेवा ब्रांड भी रहा है।

एचसीएल टेक और विप्रो भी शीर्ष 10 की सूची में

रिपोर्ट में इन्फोसिस को 100 में से 86 .8 के स्कोर के साथ दुनिया का तीसरा सबसे मजबूत आईटी सेवा ब्रांड बताया गया है। इस सूची में भारतीय आईटी कंपनियां एचसीएल टेक और विप्रो भी शीर्ष 10 की सूची में शामिल रहीं, जबकि टेक महिंद्रा 12वें स्थान पर कायम रही। एलटीआईमाइंडट्री, पर्सिस्टेंट सिस्टम्स और हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज ने भी शीर्ष 25 की सूची में जगह बनाई। रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 में दुनिया की शीर्ष 25 आईटी सेवा कंपनियों का संयुक्त ब्रांड मूल्य 167 .2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। इस सूची में आईबीएम कंसल्टिंग, कैपजेमिनी, एनटीटी डेटा, कॉग्निजेंट, ईपीएएम और जेनपैक्ट जैसी वैश्विक कंपनियां भी शामिल हैं।

इस्लामिक स्टेट ने ली काबुल में चीनी रेस्टोरेंट में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी

काबुल, एजेंसी

● चीनी नागरिक समेत सात लोगों की हुई थी मौत, 25 लोग घायल

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक चीनी रेस्तरां में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह ने ली है और धमाके के कारणों की जांच अब भी जारी है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इस विस्फोट में चीन के एक नागरिक समेत सात लोग मारे गए।

आतंकवादी समूह ने सोमवार देर रात समाचार एजेंसी अमाक पर जारी एक बयान में कहा कि एक आत्मघाती हमलावर शहर के एक रेस्तरां में घुस और विस्फोट कर दिया। इस रेस्तरां में अक्सर चीनी नागरिक आते-जाते थे। हमले में तालिबान के सुरक्षाकर्मियों समेत 25 लोग हताहत हुए। इन विवरणों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। अफगान प्राधिकारियों ने सोमवार को हुए विस्फोट के कारण की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है और गृह मंत्रालय के प्रवक्ता मुफ्ती अब्दुल मतीन क़ानी ने मंगलवार को कहा कि इसकी अब भी जांच की जा रही है। तालिबान ने 2021 में काबुल पर कब्जा कर लिया था और सभी देशों ने अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुला ली थीं, लेकिन चीन ने आर्थिक उपस्थिति बनाए रखी है।

चीनी नागरिकों की सुरक्षा का आग्रह

बीजिंग। चीन ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से अपने नागरिकों, परियोजनाओं और संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने का मंगलवार को आग्रह किया। यह अपील काबुल में एक चीनी रेस्तरां में हुए घातक विस्फोट के बाद की गई है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां बताया कि इस विस्फोट में एक चीनी नागरिक की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, जान गंवाने वाले लोगों के प्रति चीन गहरी संवेदना व्यक्त करता है ।

दावोस में बर्फ की परतें क्या पिघलेंगी

विश्व आर्थिक मंच की दावोस में होने वाली वार्षिक बैठक हमेशा से वैश्विक अर्थव्यवस्था और नीतिगत बदलावों का केंद्र रही है। लेकिन साल 2026 की इस बैठक में ग्रीनलैंड का मुद्दा गरमाया हुआ है जो न केवल पर्यावरण से जुड़ा है, बल्कि वैश्विक सत्ता के संतुलन को भी बदल सकता है। दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप ग्रीनलैंड वर्तमान में जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है। बर्फ पिघलने के साथ इसके नीचे दबे अकूत खनिज भंडार और दुर्लभ पृथ्वी तत्व दुनिया की नजरों में आ गए हैं। दावोस 2026 में यह सवाल प्रमुखता से उठ रहा है कि क्या यह द्वीप भविष्य की ग्रीन इकोनॉमी का इंजन बनेगा या महाशक्तियों के बीच नए शीत युद्ध का अखाड़ा? बहरहाल इस वैश्विक मंच से ग्रीनलैंड की बर्फ की परतों के नीचे दबी भू-राजनीति के पिघलने की उम्मीद ही की जा सकती है।

ग्रीनलैंड पर महासंग्राम

अमेरिका-ईयू के साथ अन्य दावेदार

● अमेरिका इसे अपनी सुरक्षा और आर्कटिक रणनीति के लिए अनिवार्य मानता है, जबकि यूरोपीय संघ (ईयू) इसे अपनी ग्रीन डील के लिए कच्चे माल का सबसे भरोसेमंद स्रोत देख रहा है। दूसरी ओर, रूस और चीन की बढ़ती सक्रियता ने पश्चिमी देशों की नींद उड़ा दी है। रूस जहां आर्कटिक में अपने सैन्य प्रभुत्व को ग्रीनलैंड के करीब तक ले जाना चाहता है, वहीं चीन पोलर सिल्क रोड के जरिए यहां भारी निवेश कर रहा है। दावोस का मंच इन विरोधाभासों को सुलझाने का एक आखिरी कूटनीतिक प्रयास हो सकता है, जहां व्यापारिक हितों और संप्रभुता के बीच एक महीन रेखा खींचने की कोशिश की जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप तो किसी भी की कीमत पर ग्रीनलैंड को हासिल कर लेना चाहते हैं। उनका कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल किया जाना बहुत जरूरी है और हम इसके लिए सैन्य प्रयास भी कर सकते हैं।

रक्षा बनाम संसाधन

● अमेरिका : अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड का मुद्दा केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक है। आर्कटिक में रूस की बढ़ती मिसाइल क्षमता को देखते हुए ग्रीनलैंड में मौजूद थ्यूल एयर बेस का महत्व बढ़ गया है।

● यूरोपीय संघ : ईयू के लिए ग्रीनलैंड एक रणनीतिक साझेदार है। चूंकि डेनमार्क ईयू का हिस्सा है और ग्रीनलैंड उसका स्वायत्त क्षेत्र है, इसलिए ब्रुसेल्स यहां से लिथियम, कोबाल्ट और जिंक की आपूर्ति चाहता है।

ग्रीनलैंड कीमती क्यों

● दुर्लभ खनिज : यहां दुनिया के 25% दुर्लभ पृथ्वी तत्व होने का अनुमान है, जो स्मार्टफोन और इलेक्ट्रिक कारों के लिए जरूरी हैं।

● नए व्यापारिक मार्ग : बर्फ पिघलने से जहाजों के लिए एशिया से यूरोप का रास्ता 40% छोटा हो जाएगा।

● रणनीतिक स्थिति : उत्तरी अमेरिका और यूरोप के बीच होने से महत्वपूर्ण।

रूस और चीन का रुख

● रूस : रूस का कहना है कि आर्कटिक क्षेत्र केवल पश्चिमी देशों की जागीर नहीं है। दावोस में रूसी प्रतिनिधियों का तर्क है कि ग्रीनलैंड के आसपास के जलक्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता होनी चाहिए। रूस अपनी 'नॉर्दर्न सी रूट' परियोजना को ग्रीनलैंड के आर्थिक विकास से जोड़कर देख रहा है।

● चीन : चीन खुद को नियर-आर्कटिक स्टेट घोषित कर चुका है। दावोस में चीन का पक्ष स्पष्ट है कि वे ग्रीनलैंड के बुनियादी ढांचे और खनन क्षेत्र में निवेश करना चाहते हैं। चीन का तर्क है कि आर्थिक विकास पर किसी एक देश का एकाधिकार नहीं होना चाहिए, जो सीधे तौर पर अमेरिका को चुनौती है।

आगे की राह

दावोस में ग्रीनलैंड मुद्दे का समाधान रातों-रात नहीं निकलेगा, लेकिन यह मंच संवाद की शुरुआत जरूर कर सकता है। 2026 तक ग्रीनलैंड की सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी जमीन को भू-राजनीतिक मोहरा नहीं बनने देगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

इस्तीफा देंगे बुल्गारिया के राष्ट्रपति रादेव

सोफिया। बुल्गारिया के वामपंथी झुकाव वाले राष्ट्रपति रूमेन रादेव ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। रादेव ने संकेत दिया है कि वह आगामी चुनाव में हिस्सा ले सकते हैं, जिसकी व्यापक उम्मीद की जा रही है क्योंकि हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद मध्य-दक्षिणपंथी सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। रादेव ने कहा कि वह मंगलवार को अपना इस्तीफा औपचारिक रूप से संवैधानिक न्यायालय को सौंपेंगे।

पाकिस्तान ने हवाई रोक एक माह बढ़ाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र पर लगे प्रतिबंध को मंगलवार को एक और महीने के लिए यानी 24 फरवरी तक बढ़ा दिया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पिछले साल अप्रैल में पाकिस्तान ने भारतीय एयरलाइंस के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। भारत ने भी पाकिस्तान पर इसी तरह का प्रतिबंध लगाया है। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण ने एक नोटम में कहा है कि हवाई क्षेत्र पर पहले से लागू प्रतिबंध 24 फरवरी तक जारी रहेगा। मौजूदा प्रतिबंध की अवधि 23 जनवरी को खत्म होने वाली थी।

चागोस द्वीप मॉरीशस को देने की आलोचना

लंदन। चागोस द्वीपसमूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपने के ब्रिटेन के फैसले की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आलोचना किए जाने के बाद हैरत में पड़ी ब्रिटिश सरकार ने मंगलवार को अपने निर्णय का बचाव किया। इससे पहले ट्रंप प्रशासन ने ब्रिटेन के इस फैसले का समर्थन किया था। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि हैरानी की बात है कि हमारा नाटो सहयोगी ब्रिटेन इस समय डिएगो गार्सिया द्वीप को मॉरीशस को सौंपने की योजना बना रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि चीन और रूस ने पूरी तरह कमजोरी भरे इस कदम पर ध्यान दिया होगा।

रूस में बर्फबारी ने तोड़ा 50 साल का रिकॉर्ड

व्लादिवोस्तोक। रूस के कामचातका प्रायद्वीप में बर्फबारी ने 50 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है और कई जगहों पर 2.5 मीटर से भी ऊंची बर्फ इकट्ठा हो गयी है। कामचातका क्राय की राजधानी पेट्रोपावलोव्स्क-कामचात्सकी में 370 मिलीमीटर बर्फ गिरी, जो महीने के औसत से तीन गुना ज़्यादा थी। एक से 16 जनवरी 2026 तक शहर में 163 मिलीमीटर बर्फ गिरी। कई जगहों पर बर्फ 5.5 फीट थी, जबकि कुछ इलाकों में आठ फीट से ज़्यादा थी। आखिरी बार ऐसी बर्फबारी 1970 में हुई थी।

ग्रीनलैंड पर शुल्क की धमकी से ट्रंप की विश्वसनीयता पर उठे सवाल

दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में शीर्ष ईयू अधिकारी ने बताया ट्रंप की भूल

दावोस, एजेंसी

यूरोपीय संघ की शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने पिछले वर्ष यूरोपीय संघ के सदस्य देशों पर नए शुल्क नहीं लगाने पर सहमति जताई थी। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच जुलाई में एक व्यापार समझौता हुआ था। राजनीति में भी, जैसे व्यापार में समझौता मतलब समझौता होता है। और जब मित्र हाथ मिलाते हैं, तो उसका कुछ अर्थ होना चाहिए।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक के दौरान दावोस में दिए गए अपने संबोधन में वॉन डेर लेयेन ने कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए शुल्क खासतौर पर लंबे समय से सहयोगी रहे देशों के बीच एक भूल हैं। उन्होंने संकेत दिया कि ऐसे कदम ट्रांस-अटलांटिक संबंधों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और आपसी भरोसे को कमजोर कर सकते हैं।

ट्रंप बोले, अब शांति रखने की जिम्मेदारी मेरी नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर पूर्ण और संपूर्ण नियंत्रण की अपनी मांग को लेकर नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोएरे को एक पत्र लिखकर कहा है कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला है इसलिए अब वह शांति के बारे में सोचने के लिए बाध्य नहीं हैं। स्काई न्यूज द्वारा प्रकाशित पत्र में ट्रंप ने लिखा, प्रिय जोनास, यह देखते हुए कि आपके देश ने आठ से अधिक युद्ध रुकवाने के बावजूद मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं देने का निर्णय लिया, अब मैं केवल शांति के बारे में सोचने के लिए स्वयं को बाध्य नहीं मानता। शांति हमेशा प्रमुख रहेगी, लेकिन अब मैं यह भी सोच सकता हूं कि अमेरिका के लिए क्या उचित है। पत्र में कहा गया, डेनमार्क उस भूमि को रूस या चीन से सुरक्षित नहीं रख सकता, और वैसे भी उनके पास 'स्वामित्व का अधिकार' क्यों है? कोई लिखित दस्तावेज नहीं हैं। सिर्फ यह कहा जाता है कि सैकड़ों साल पहले वहां एक जहाज उतरा था, लेकिन हमारे जहाज भी वहां उतरे थे। मैंने नाटो के गठन के बाद से किसी भी व्यक्ति से अधिक योगदान दिया है। अब नाटो को अमेरिका के लिए कुछ करना चाहिए। उन्होंने अपने पत्र के अंत में लिखा, दुनिया तब तक सुरक्षित नहीं है, जब तक हमारे पास ग्रीनलैंड का पूर्ण और सम्पूर्ण नियंत्रण न हो। धन्यवाद! राष्ट्रपति ट्रंप का यह संदेश नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोएरे से प्राप्त एक संदेश के जवाब में भेजा गया था। यह संदेश प्रधानमंत्री स्टोएरे ने फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब की ओर से भी भेजा था।

अमेरिका के साथ यूरोप के संबंध अब भी मजबूत : बेसेंट

दावोस। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने मंगलवार को कहा कि यूरोप के साथ अमेरिका के संबंध अब भी मजबूत बने हुए हैं। साथ ही उन्होंने अपने व्यापारिक साझेदार देशों से अपील की कि वे ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप प्रशासन की नई शुल्क (टैरिफ) धमकियों से उत्पन्न तनाव को समय के साथ शांत होने दें और धैर्य रखें। उन्होंने स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक से इतर कहा, मुझे लगता है कि हमारे संबंध कभी इतने घनिष्ठ नहीं रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि फरवरी से आठ यूरोपीय देशों से आने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। ये वही देश हैं जिन्होंने ग्रीनलैंड को अमेरिका के अधीन लेने की ट्रंप की बढ़ती मांगों के बाद डेनमार्क के समर्थन में एकजुटता दिखाई है। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका को सुरक्षा कारणों से ग्रीनलैंड की आवश्यकता है, ताकि चीन और रूस से संभावित खतरों का मुकाबला किया जा सके।

ईडी ने केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में की छापेमारी

● शबरिमला सोना चोरी मामले में केंद्रीय एजेंसी ने की कार्रवाई

कोच्चि/नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शबरिमला में कथित सोने की चोरी के मामले में धन शोधन की जांच के तहत तीन राज्यों में मंगलवार को छापे मारे। अधिकारियों ने बताया कि केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में लगभग 21 स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की जा रही है। संघीय जांच एजेंसी ने बेंगलुरु में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार के अलावा आभूषण विक्रेताओं से जुड़े परिसरों की तलाशी ली।

ईडी ने केरल पुलिस की प्राथमिकियों का संज्ञान लेते हुए नौ जनवरी को पीएमएलए के तहत एक मामला दर्ज किया था। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस मामले की जांच केरल उच्च न्यायालय की देखरेख में राज्य के विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह जांच कई अनियमितताओं से संबंधित है, जिनमें आधिकारिक कदाचार, प्रशासनिक चूक और भगवान अयप्पा मंदिर की विभिन्न कलाकृतियों से सोना चोरी करने की आपराधिक साजिश शामिल है। आरोपों में द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों की सोने से मढ़ी तांबे की प्लेटों और मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों के फ्रेम से सोने की चोरी भी शामिल है। ईडी के अधिकारियों ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि सोने से मढ़ी पवित्र कलाकृतियों को आधिकारिक अभिलेखों में जानबूझकर तांबे की प्लेट के रूप में गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया और 2019 तथा 2025 के बीच मंदिर परिसर से गैरकानूनी रूप से हटा दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, चेन्नई और कर्नाटक में निजी प्रतिष्ठानों में रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से कथित तौर पर सोना निकाला गया था, जिससे अपराध की आय अर्जित हुई और इस आय को अपने पास रखा गया, हस्तांतरित तथा छिपाया गया।

फर्जी जीएसटी मामले में कई राज्यों में तलाशी

नई दिल्ली/कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश में 658 करोड़ रुपये के कथित फर्जी जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट मामले के संबंध में कई राज्यों में तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही जांच के सिलसिले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और मणिपुर में इस मामले से जुड़े व्यक्तियों और कंपनियों के कई परिसरों की तलाशी ली जा रही है। 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' (आईटीसी) वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में एक कानूनी प्रावधान है जो व्यावसायिक संस्थाओं को व्यवसाय से संबंधित खरीद पर भुगतान किए गए जीएसटी पर क्रेडिट का दावा करके अपनी कर देनदारी को कम करने की अनुमति देता है। अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में स्थित ईडी कार्यालय विभिन्न राज्य पुलिस बलों के समन्वय से इस अभियान का संचालन कर रहा है। धन शोधन का यह मामला ईटानगर पुलिस द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी से जुड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राकेश शर्मा और आशुतोष कुमार झा नामक व्यक्तियों ने बिना किसी वास्तविक वस्तु या सेवा की आपूर्ति किए फर्जी रसीद के जरिए धोखाधड़ी करके इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाया। मामले में सिद्धि विनायक ट्रेड मर्चेंट्स नाम की एक फर्जी कंपनी भी शामिल बताई गई है।

रूस-भारत में एसजे-100 यात्री विमान की बिक्री पर समझौता

मॉस्को, एजेंसी

● रूस के उद्योग-व्यापार उपमंत्री गेनाडी ने दी जानकारी

रूस और भारत के बीच रूसी निर्मित यात्री विमान एसजे-100 की खरीद और स्थानीय उत्पादन पर प्रारंभिक समझौते हो चुके हैं और बातचीत जारी है। यह जानकारी रूस के उद्योग और व्यापार उप मंत्री गेनाडी अब्रामेनकोव ने मंगलवार को दी।

अब्रामेनकोव ने कहा साझेदारों के साथ खरीद की संभावना पर एक प्रारंभिक समझौता हो चुका है, जिसके बाद भारत में इस प्रकार के विमान का स्थानीय उत्पादन किया जाएगा। फिलहाल, बातचीत चल रही है। अक्टूबर के अंत में यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने एसजे-100 विमान के उत्पादन पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यूएसी के प्रमुख वादिम बदेहा ने बाद में कहा कि भारत ने एसजे-100 विमान की उच्च दक्षता को ध्यान में रखा है। एसजे-100 एक अल्प दूरी का नैरो-बॉडी विमान है जिसे आयातित प्रणालियों को बदलने के कार्यक्रम के तहत विकसित किया जा रहा है। यह विमान वर्तमान में संचालित सुपरजेट प्रकार के विमानों के परिवार में एक और मॉडल बनेगा। एसजे विमान ने रूसी पीडी-8 इंजन के साथ पहली उड़ान 17 मार्च, 2025 को कोम्सोमोल्स्क-ऑन-अमूर शहर में भरी।

रूस का यूक्रेन के बिजली ग्रिड पर ड्रोन से हमला

कीव। रूस ने यूक्रेन के बिजली ग्रिड को निशाना बनाते हुए 300 से अधिक ड्रोन तथा बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें दागीं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि मॉस्को की ओर से युद्ध समाप्त करने की कोई इच्छा फिलहाल दिखाई नहीं दे रही है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को के अनुसार, सोमवार रात हुए इस हमले के कारण राजधानी में 5,600 से अधिक अपार्टमेंट इमारतों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। उन्होंने बताया कि प्रभावित इमारतों में से लगभग 80 प्रतिशत में, हाल ही में 9 जनवरी को हुए बड़े रूसी हमले के बाद बिजली बहाल की गई थी। उस दौरान हजारों लोग कई दिनों तक बिजली गुल रहने से प्रभावित हुए थे। यूक्रेन हाल के वर्षों के सबसे सर्द मौसम का सामना कर रहा है। कीव में तापमान शून्य से 20 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिर गया है। इसी बीच, रूस ने बिजली ग्रिड पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं, जिनका उद्देश्य यूक्रेनवासियों को गर्मी प्रदान करने वाले उपकरणों के उपयोग और पेयजल आपूर्ति से वंचित करना तथा 24 फरवरी 2022 को शुरू किए गए आक्रमण के प्रतिरोध को कमजोर करना है।

ट्रंप ने दी फ्रांस की वाइन पर 200% टैरिफ की धमकी

वाशिंगटन/पेरिस, एजेंसी

● गाजा शांति योजना पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति पर दबाव का प्रयास

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फ्रांसिसी वाइन और शैंपेन पर 200 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की धमकी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस कदम को व्यापक रूप से फ्रांसिसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर दबाव बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, ताकि वे गाजा और अन्य वैश्विक संघर्षों को सुलझाने के उद्देश्य से ट्रंप की प्रस्तावित शांति बोर्ड पहल का समर्थन करें।

ट्रंप ने संकेत दिया कि इन दंडात्मक आयात शुल्क का उपयोग फ्रांस को सहयोग के लिए मजबूर करने हेतु किया जा सकता है। यह बयान उन रिपोर्टों के बाद आया है, जिनमें कहा गया था कि मैक्रों ने इस पहल में शामिल होने के निमंत्रण को स्वीकार करने में अनिच्छा जताई है। प्रस्तावित निकाय शुरू में गाजा युद्ध पर ध्यान केंद्रित करेगा और बाद में अन्य अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों तक विस्तार करेगा। हालांकि यह सवाल भी उठ रहे हैं कि यह निकाय संयुक्त राष्ट्र जैसे मौजूदा संस्थानों के साथ कैसे तालमेल बिठाएगा। ट्रंप से मैक्रों की कथित अनिच्छा के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि क्या उन्होंने ऐसा कहा? वह बहुत जल्द पदच्यूत होने वाले हैं।

बांग्लादेश से अधिकारियों के परिवार वापस बुलाएगा भारत

नई दिल्ली। बांग्लादेश में मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए भारत ने मंगलवार को वहां तैनात भारतीय अधिकारियों के परिवारों को वापस बुलाने का फैसला किया। बांग्लादेश में संसदीय चुनाव होने से कुछ सप्ताह पहले भारत ने यह कदम उठाया है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि सुरक्षा स्थिति को देखते हुए एहतियात के तौर पर हमने उच्चायोग और अन्य पदों पर तैनात अपने अधिकारियों के आश्रितों को भारत लौटने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में मिशन (उच्चायोग) खुले हैं और सभी पदों पर कर्मी कार्यरत हैं। ढाका में स्थित उच्चायोग के अलावा चटगांव, खुलना, राजशाही और सिलहट में भी भारत के राजनयिक कार्यरत हैं। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि राजनयिकों और अन्य अधिकारियों के परिवार भारत कब लौटेंगे। ऐसी सूचना है कि भारत ने बांग्लादेश में चरमपंथी तत्वों की बढ़ती गतिविधियों के मद्देनजर सुरक्षा संबंधी चिंताओं के मद्देनजर भारतीय राजनयिकों और अधिकारियों के लिए बांग्लादेश को गैर-पारिवारिक गंतव्य बनाने का निर्णय लिया है। पड़ोसी देश पाकिस्तान भी भारतीय राजनयिकों और अधिकारियों के लिए एक गैर-पारिवारिक गंतव्य है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 जनवरी, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 22 जनवरी 02.47 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

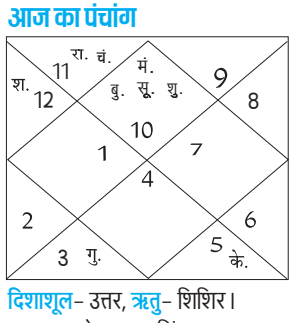

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा 13.58 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष — आज नया काम शुरू करने के लिए दिन बेहद अनुकूल है। आप अपने शौकों को पूरा करने में लगे रहेंगे। संतान के आज्ञाकारी व्यवहार से प्रसन्नता होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी आय बढ़ेगी। मित्रों के साथ किसी महत्वपूर्ण कार्य की चर्चा कर सकते हैं।

वृष — आज अटके हुए कार्यों को आप दोबारा शुरू कर सकते हैं। आपकी प्रबंधन क्षमता की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी को उपहार दे सकते हैं। पुराने कर्जों से छुटकारा मिल सकता है। आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी।

मिथुन — आज यदि नई नौकरी के लिए इंटरव्यू दे रहे हैं, तो सफलता मिलेगी। परिवार के सदस्यों का विशेष ध्यान रखें। पिता की सलाह लेना आपके लिए हितकर होगा। भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर महसूस करेंगे। व्यापार में दोगुनी वृद्धि हो सकती है।

कर्क — आज आपके कार्यों की लोग सराहना करेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। मानसिक तनाव से बचने के लिए योग करें। अनावश्यक विचारों में अधिक समय बर्बाद न करें। व्यवसाय को लेकर परेशानी हो सकती है।

सिंह — आज मन में नए विचार उत्पन्न होंगे। लोग आपसे अधिक अपेक्षा रखेंगे। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी सामाजिक कार्य के लिए आपकी प्रशंसा हो सकती है। नव विवाहित लोग कहीं घूमने जा सकते हैं।

कन्या — आज आपके सामाजिक यश में वृद्धि होगी। दांपत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। करियर को लेकर उत्तम अवसर प्राप्त हो सकते हैं। भविष्य को लेकर योजना बनाएंगे। मेहनत का उत्तम लाभ मिलेगा। सिर में थोड़ा भारीपन हो सकता है।

तुला — आज का दिन आपके लिए अत्यधिक विशेष रहेगा। आयात-निर्यात से बड़ा धन लाभ हो सकता है। दूसरों के सामने अपने हितों को अनदेखा न करें। व्यापार में कुछ तकनीकी समस्या हो सकती है, जिसे आप शाम तक सुलझा लेंगे।

वृश्चिक — आज यात्रा के दौरान थकान हो सकती है। शुगर के रोगी अपनी सेहत का ध्यान रखें। दूसरों पर अधिक ध्यान न दें। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए दिन काफी अच्छा है। अनावश्यक कार्यों को अधिक समय देने के कारण आवश्यक कार्य छूट सकते हैं।

धनु — आज दिन के उत्तरार्ध भाग में रुका हुआ सरकारी काम बन सकता है। परिस्थितियां आपके लिए अत्यधिक अनुकूल रहने वाली हैं। घर में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। अपनी प्रतिभा से लोगों को प्रभावित कर सकते हैं।

मकर — आज व्यापार में नए लोगों से थोड़ा संभलकर व्यापार करें। बेरोजगार लोगों को जॉब मिल सकती है, किंतु आप अपने काम से संतुष्ट नहीं रहेंगे। मित्रों पर अधिक विश्वास न करें। यदि कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो चिकित्सक से परामर्श ले लें।

कुंभ — आज अचल संपत्ति के झगड़ों का निवारण होगा। कलात्मक विधाओं में आपकी रुचि बढ़ेगी। वैवाहिक जीवन में प्रसन्नता और संतुष्टि रहेगी। बड़ा काम करने का विचार बनेगा। शेयर और लॉटरी आदि से धन लाभ मिलने की संभावना बन रही है।

मीन — आज यात्राओं के दौरान सावधानी रखें। बुरे लोगों की संगत के कारण धन हानि हो सकती है। गुप्त शत्रु आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास करेंगे। दिखावे के कारण आपकी छवि खराब हो सकती है। कोई महत्वपूर्ण कार्य अटक सकता है।

सुडोकू-38

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

6		3			8		7	9
	9		6			3		
2			9					1
		2			5		1	
9		4		7			3	2
1			3			7		
	5			8			6	
7			1			4		3
		1			4		2	

सुडोकू - 37 का हल

1	3	8	5	4	6	9	2	7
4	2	5	9	7	3	1	8	6
6	9	7	1	8	2	3	4	5
9	5	6	8	2	4	7	1	3
3	4	2	6	1	7	8	5	9
7	8	1	3	9	5	2	6	4
8	1	4	7	5	9	6	3	2
2	6	9	4	3	1	5	7	8
5	7	3	2	6	8	4	9	1

मैंने अपने करियर के दौरान काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं और मैं जानती हूं कि सही समय पर उचित मार्गदर्शन से कितना बदलाव आ सकता है। द नेक्स्ट सेट मेरे लिए बेहद व्यक्तिगत है। भारतीय महिला टेनिस में अपार प्रतिभा है और सही मार्गदर्शन से उन्हें आगे बढ़ाया जा सकता है।
-सानिया मिर्जा

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, बुधवार, 21 जनवरी 2026

हाईलाइट

दक्षिण अफ्रीका जाएगी भारतीय महिला टीम

जोहानिसबर्ग। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को घोषणा की कि भारतीय महिला टीम पांच मैचों की अंतर्राष्ट्रीय टी20 शृंखला खेलने अप्रैल में वहां पहुंचेगी। ये मैच 17 से 27 अप्रैल के बीच डरबन, जोहानिसबर्ग और बेनोनी में खेले जाएंगे। पहला और दूसरा मैच डरबन में 17 और 19 अप्रैल को होगा। इसके बाद तीसरा और चौथा मैच जोहानिसबर्ग में 22 और 25 अप्रैल को और आखिरी मैच बेनोनी में 27 अप्रैल को खेला जायेगा। इंग्लैंड में 12 जून से होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व से पहले दक्षिण अफ्रीका टीम की यह आखिरी शृंखला होगी।

नॉर्वे शतरंज 2026 में खेलेंगे प्रज्ञानानंदा

स्टावेंजर (नॉर्वे)। भारतीय स्टार आर प्रज्ञानानंदा ने मंगलवार को पुष्टि की कि वह तीसरी बार नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भाग लेंगे। नई पीढ़ी के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में शामिल प्रज्ञानानंदा ने 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने यहां एक विज्ञप्ति में कहा नॉर्वे शतरंज में वापसी को बेकरार हूं। मुझे 2024 में वहां खेलने में काफी मजा आया। बेहद रोमांचक प्रारूप। नॉर्वे शतरंज के सीओओ बेनेडिक्टे रेस्ट्रे एस ने कहा प्रज्ञानानंदा ने 2024 में यहां शानदार प्रदर्शन किया। उनका फिर स्वागत करना बेहतरीन होगा।

सातवीं बार असम में होगी संतोष ट्रॉफी

नई दिल्ली। 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप संतोष ट्रॉफी बुधवार से असम में शुरू होगी जो सातवीं बार इसकी मेजबानी कर रहा है। पहली बार असम में 1959 .60 में संतोष ट्रॉफी खेली गई थी। टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग दौर के लिये सभी राज्यों की टीमों को नौ समूहों में बांटा गया है और हर समूह की शीर्ष टीम फाइनल दौर में खेलेगी। मेजबान और पिछले सत्र की उपविजेता असम, पश्चिम बंगाल और केरल सीधे फाइनल दौर में खेलेंगे। नॉकआउट क्वार्टर फाइनल दो और तीन फरवरी को होंगे, जबकि सेमीफाइनल 5 फरवरी को और फाइनल 8 फरवरी को खेला जाएगा।

भारतीय महिला टीम की कोच बनीं अमेलिया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को कोस्टा रिका की अमेलिया वाल्वर्डे को भारतीय सीनियर महिला टीम की मुख्य कोच बनाया। 39 वर्ष की अमेलिया अंताल्या में भारतीय टीम के शिविर में पहुंच गई है। भारतीय टीम मार्च में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप आस्ट्रेलिया 2026 की तैयारी कर रही है। पंद्रह बरस पहले कोचिंग कैरियर की शुरूआत करने वाली अमेलिया 2015 से 2023 तक कोस्टा रिका महिला टीम की कोच रही। उनके कार्यकाल में कोस्टा रिका ने 2015 और 2023 फीफा महिला विश्व कप में भाग लिया। वह 2015 विश्व कप में 28 वर्ष की थी और सबसे युवा मुख्य कोच रहीं। उनके साथ गोलकीपिंग कोच एली अविला और स्ट्रेंथ तथा कंडीशनिंग कोच जोस सांचेज भी टीम से जुड़ेंगे।

ईशान किशन को श्रेयस अय्यर से पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा जाएगा : सूर्यकुमार

नागपुर। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज में ईशान किशन को श्रेयस अय्यर से पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा जाएगा क्योंकि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा हैं और चोटिल तिलक वर्मा की तरह ही खब्बू बल्लेबाज हैं। तिलक के पेट का आपरेशन हुआ है और वह पहले तीन मैचों से बाहर हैं। इससे श्रेयस को पहले तीन मैचों के लिये वापसी का मौका मिला है। सूर्यकुमार ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा ईशान तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेगा क्योंकि वह हमारी टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा है और उसे टीम में पहले चुना गया तो उसे मौका देना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा पिछले डेढ साल से वह भारत के लिए खेला नहीं है, लेकिन घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा ईशान को टी20 विश्व कप के लिये चुना गया है तो उसे श्रेयस से ऊपर भेजा जाना चाहिए।

न्यूजीलैंड से वनडे का हिसाब चुकता करने उतरेगा भारत

कप्तान सूर्यकुमार के प्रदर्शन पर होगी नजर, मुकाबला शाम 7 बजे से

नागपुर, एजेंसी

पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे कप्तान सूर्यकुमार यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 शृंखला से फॉर्म में वापसी करने के लिए बेताब होंगे जिसमें भारत की नजर वनडे शृंखला में मिली हार का बदला चुकता करके अगले महीने घरेलू धरती पर होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता अंजाम देने पर होगी।

सूर्यकुमार ने 2024 में टी20 टीम की कप्तानी संभाली थी जिसके बाद भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसकी जीत का प्रतिशत 72 प्रतिशत से अधिक रहा है। इससे कप्तान के बल्लेबाजी में निराशाजनक प्रदर्शन पर ज्यादा गौर नहीं किया गया लेकिन अब ऐसा नहीं है। पिछले दो वर्षों में भारतीय टी20 टीम स्वचालित मोड पर रही है, जिसमें उसे इक्का-दुक्का हार का ही सामना करना पड़ा। आईपीएल के कारण उसके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से जानते हैं।

भारतीय टीम पर हालांकि विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने और घरेलू धरती पर खेलने का दबाव होगा और सूर्यकुमार न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से पहले इन बातों पर जरूर गौर कर रहे होंगे। न्यूजीलैंड की टीम काफी मजबूत है और उसने पिछले एक साल में कई उपलब्धियां हासिल की है जिसमें भारत के खिलाफ टेस्ट शृंखला में क्लीन स्वीप करना और वनडे शृंखला जीतना भी शामिल है। भारतीय धरती पर पहली बार द्विपक्षीय वनडे शृंखला जीतने से निश्चित तौर पर उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा होगा। लेकिन जब टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की बात आती है तो सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत एक अलग ही टीम साबित हुई है, जिसने पिछले 25 में से 18 मैच जीते हैं। इसका श्रेय काफी हद तक अभिषेक शर्मा की तूफानी शुरुआत और वरुण चक्रवर्ती की बीच के ओवरों में शानदार गेंदबाजी को जाता है। न्यूजीलैंड ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद खेले गए 21 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में से 13 में जीत हासिल की है। आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे, कप्तान मिचेल सैंटनर, तेज गेंदबाज जैकब डफी, बेहतरीन फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स की मौजूदगी में न्यूजीलैंड मजबूत प्रतिद्वंद्वी टीम साबित हो सकती है। इसका यह भी मतलब है कि मौजूदा चैंपियन भारत को विश्व कप की तैयारी के लिए बेहतरीन समय मिलेगा। इस पृष्ठभूमि में केवल सूर्यकुमार ही ऐसे हैं, जिनकी खराब फॉर्म मजबूत टीम की कमजोर कड़ी साबित हुआ है।

अभ्यास सत्र के दौरान फुटबाल खेलते न्यूजीलैंड के खिलाड़ी। एजेंसी

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी, क्रिस्टियन क्लार्क।

टी20 विश्व कप विवाद

आईसीसी के दबाव में नहीं आएगा बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरूल ने मंगलवार को दोहराया कि उनकी टीम किसी भी हालत में टी20 विश्व कप के लिये भारत नहीं जायेगी हालांकि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को भागीदारी पर फैसला लेने के लिये 21 जनवरी तक का समय दिया है। बीसीबी अगर 20 टीमों के टूर्नामेंट के लिये भारत टीम नहीं भेजता है तो मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को उतारा जा सकता है।

नजरूल ने पत्रकारों से कहा मुझे जानकारी नहीं है कि हमारी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया है। अगर आईसीसी भारतीय क्रिकेट बोर्ड के दबाव में आकर बेतुकी शर्तें रखकर हम पर दबाव बनाने की कोशिश करता है तो हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा पहले भी ऐसा हुआ है कि पाकिस्तान ने कहा कि वे भारत नहीं जाएंगे तो आईसीसी ने वेन्यू बदल दिया।

अब भी पक्का नहीं है कि हम वर्ल्ड कप में जाएंगे या नहीं : लिटन दास

बंगलादेश के टी20 के कप्तान लिटन दास ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए एक पत्रकार को बीच सवाल में ही रोक दिया, जब उसका सवाल टी20 वर्ल्ड कप से पहले चल रहे गतिरोध की ओर जा रहा था। आपको नहीं पता, मुझे नहीं पता, हम एक ही नाव में हैं। वर्ल्ड कप अभी बहुत दूर है। हमें अभी यह भी पक्का नहीं है कि हम वर्ल्ड कप में जाएंगे भी या नहीं।

ए प्लस श्रेणी को हटाकर केंद्रीय अनुबंध को सरल बनाएगा बोर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

बीसीसीआई खिलाड़ियों के केंद्रीय अनुबंध को सरल बनाते हुए 2018 में शुरू की गई ए प्लस श्रेणी खत्म करने जा रहा है। मौजूदा नीति के तहत ए प्लस श्रेणी के क्रिकेटरों को सालाना सात करोड़ रूपये, ए श्रेणी वालों को पांच करोड़, बी श्रेणी वाले को तीन करोड़ और सी श्रेणी में एक करोड़ रूपये दिये जाते हैं। वर्ष 2025-26 के लिये खिलाड़ियों को ए, बी और सी श्रेणी में रखा जाएगा।

पिछले चक्र में सिर्फ चार खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा ए प्लस श्रेणी में थे। इनमें से सिर्फ बुमराह तीनों प्रारूप में खेलते हैं। कोहली और रोहित सिर्फ वनडे खेलते हैं जबकि जडेजा टेस्ट और वनडे खेलते हैं। केंद्रीय अनुबंध को शीर्ष परिषद की अगली बैठक में मंजूरी दी जायेगी। बोर्ड के एक अधिकारी ने हालांकि पीटीआई को बताया कि तीनों प्रारूपों में तेज आक्रमण की अगुवाई करने वाले बुमराह जैसे खिलाड़ी के पारिश्रमिक में कोई कटौती नहीं की जायेगी भले ही वह कार्यभार प्रबंधन के कारण कुछ मैचों से बाहर रहे हों। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का ए श्रेणी में रहना तय है।

आईपीएल के एआई प्रायोजन के लिए 270 करोड़ रुपये का करार

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले गूगल के एआई प्लेटफॉर्म जेमिनी के साथ 270 करोड़ रूपये का प्रायोजन करार किया है। जेमिनी की प्रतिद्वंद्वी कंपनी चैट जीपीटी महिला प्रीमियर लीग के प्रायोजकों में से एक है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया यह करार तीन साल के लिये है और आईपीएल की वैश्विक अपील की बानगी देता है।

चोटिल कमलिनी की जगह वैष्णवी मुंबई इंडियंस में शामिल

वडोदरा। भारतीय स्पिनर वैष्णवी शर्मा को मंगलवार को महिला प्रीमियर लीग के शेष मैचों के लिए चोटिल विकेटकीपर बल्लेबाज जी कमलिनी की जगह मुंबई इंडियंस की टीम में शामिल किया गया। सत्रह वर्षीय कमलिनी ने डब्ल्यूपीएल के इस सत्र में पांच मैचों में से चार में पारी की शुरुआत की जिसमें उन्होंने 97.40 के स्ट्राइक रेट से केवल 75 रन बनाए। डब्ल्यूपीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा वैष्णवी शर्मा 30 लाख रुपये में मुंबई इंडियंस में शामिल होंगी।

वैष्णवी 2025 में भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम की सदस्य थीं। उन्होंने पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की शृंखला से टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया, जिसे भारत ने 5-0 से जीता था। इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने स्पिन गेंदबाजी से अच्छा प्रभाव डाला और पांच विकेट लिए।

जेमिमा के नाबाद अर्धशतक से दिल्ली जीती

वडोदरा, एजेंसी

जेमिमा रौड्रिग्स ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए नाबाद अर्धशतक लगाकर दिल्ली कैपिटल्स को महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मंगलवार को महत्वपूर्ण जीत दिलाई। धीमी पिच पर पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई मुंबई इंडियंस ने नेट स्किवेर ब्रंट के 45 गेंद में नाबाद 66 रन की सहायता से पांच विकेट पर 154 रन बनाए।

दिल्ली को लिजेले ली (28 गेंद में 46 रन) और शेफाली वर्मा (24 गेंद में 29 रन) ने अच्छी शुरूआत दी लेकिन बीच के ओवरों में टीम ने विकेट गंवा दिए। इसके बाद जेमिमा ने 37 गेंद में 51 रन की अविजित पारी खेलकर दिल्ली को जीत तक पहुंचाया। अनुभवी मरिजाने काप छह गेंद में 10 रन बनाकर नाबाद रही और छक्के के साथ विजयी रन पूरे किए।

दिल्ली कैपिटल्स की यह पांच मैचों में दूसरी जीत है जबकि मुंबई की छह मैचों में चौथी हार है। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने हार के बाद स्वीकार किया कि टीम को पावरप्ले में गेंदबाजी और बल्लेबाजी में सुधार करना होगा। दिल्ली ने पावरप्ले में शेफाली वर्मा का विकेट गंवाया जो बायें हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा का शिकार हुई। वहीं अमनजोत कौर ने 11वें ओवर में लिजेले ली का विकेट लिया। इससे पहले हीली मैथ्यूज के चोट से उबरने के बाद वापसी करने के बावजूद मुंबई इंडियंस पावरप्ले में अपने प्रदर्शन में सुधार नहीं कर सकी। वेस्टइंडीज की मैथ्यूज और उनकी सलामी जोड़ीदार साजीवन साजना सस्ते में आउट हो गई। दिल्ली कैपिटल्स के लिये मरिजाने काप ने सटीक गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में आठ रन देकर मैथ्यूज का विकेट लिया। अब रन बनाने की जिम्मेदारी स्किवेर ब्रंट और कप्तान हरमनप्रीत कौर पर आ गई थी। हरमनप्रीत ने 33 गेंद में 41 रन बनाए।

दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रौड्रिग्स। एजेंसी

- महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराया

मालासुक ने अंडर 19 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ा

विंडहोक (नामीबिया)। आस्ट्रेलिया के बायें हाथ के बल्लेबाज विल मालासुक ने आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के इतिहास का सबसे तेज शतक सिर्फ 51 गेंदों में लगाया जिसकी मदद से आस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप में मंगलवार को जापान को आठ विकेट से मात दी। विल ने 55 गेंद में 102 रन बनाये और 202 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया को आसान जीत दिलाई।

मैडिसन कीज।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

पिछले दो बार के विजेता हैं इटालवी स्टार, महिला सिंगल्स की मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज ने भी दूसरे दौर में बनाई जगह

सिनर के खिताबी हैट्रिक अभियान की सकारात्मक शुरुआत

मेलबर्न, एजेंसी

मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर और मैडिसन कीज ने अपने खिताब बचाने के अभियान की सकारात्मक शुरुआत करते हुए मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। सिनर ने रॉड लेवर एरिना पर सिर्फ तीन गेम गंवाए और एक घंटे से थोड़ा अधिक समय बिताकर खिताबी हैट्रिक पूरा करने के अपने अभियान की शुरुआत की।

विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर जब 6-2, 6-1 से आगे चल रहे थे, तभी ह्यूगो गैस्टन ने अचानक एक अज्ञात चोट के कारण मैच से हटने का फैसला किया। सिनर ने कहा मैंने देखा कि वह दूसरे सेट में बहुत तेज गति से सर्व नहीं कर रहा था लेकिन मैं इस तरह से मैच नहीं जीतना चाहता था। सिनर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार तीन बार चैंपियन बनने वाले चौथे खिलाड़ी बनने की राह पर हैं।

नौवीं वरीयता प्राप्त कीज ने पहले दौर में ओलेक्सांद्रा ओलिन्यकोवा को 7-6 (6), 6-1 से हराया। अपने 50वें ग्रैंड स्लैम मैच में खेल रही कीज ने पहले सेट में 4-0 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करके यूक्रेन की खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबला टाईब्रेकर तक पहुंचाया। पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेल रही ओलिन्यकोवा ने टाईब्रेकर में भी 4-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन वह दो सेट प्वाइंट के मौकों को भुनाने में असफल रही। कीज ने कहा मैच की शुरुआत में थोड़ी नर्वस हो गई थी। मैं जितनी नर्वस थी उसे देखते हुए वापसी करना और जीत हासिल करना शानदार रहा। कीज़ ने ओलिन्यकोवा की प्रशंसा की जिन्होंने मैच के बाद ऑटोग्राफ दिए और कोर्ट पर यूक्रेन का ध्वज लहराया। इस बीच महिला वर्ग में सुबह के सत्र में दो वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा।

इंडोनेशिया की जेनिस टजेन ने कनाडा की 22वीं वरीयता प्राप्त लेयला फर्नांडीज को 6-2, 7-6 (1) से और चेक गणराज्य की टेरेजा वैलेंटोवा ने ऑस्ट्रेलिया की 30वीं वरीयता प्राप्त माया जॉइंट को 6-4, 6-4 से हराया। पूर्व अमेरकी ओपन चैंपियन स्लोएन स्टीफंस भी पहले दौर में कैरोलिना प्लिस्कोवा से 7-6 (7), 6-2 से हार गई। वर्ष 2017 में अमेरिकी ओपन जीतने वाली स्टीफंस ने इस साल क्वालीफायर के जरिए मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई थी। बाएं हाथ से खेलने वाले खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन ने फ्रांस के यूगो हंबर्ट को 6-3, 7-6 (2), 7-6 (5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। पुरुष वर्ग में आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन पिछले साल में टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे।

पूनाचा व इसारो की जोड़ी पहले दौर में बाहर

मेलबर्न। भारत के निकी पूनाचा और थाईलैंड के उनके जोड़ीदार प्रुच्य इसारो मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के पहले दौर में बाहर हो गए। पूनाचा और इसारो की वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली जोड़ी ने पेड्रो मार्टिनेज और जौमे मुनार की स्पेनिश जोड़ी के सामने अच्छी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें एक घंटे और 51 मिनट में 6-7(3) 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों जोड़ियों के बीच ज्यादा अंतर नहीं था, पर पूनाचा व इसारो तीन में से केवल एक ब्रेक प्वाइंट के मौके को ही भुना पाए और मैच में दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठे। युगल स्पर्धा में भारत की उम्मीदें बरकरार हैं। युकी भांबरी स्वीडन के साथी आंद्रे गोरान्सन के साथ चुनौती पेश करेंगे। उन्हें 10वीं वरीयता दी गई है।

सानिया ने 'द नेक्स्ट सेट' लॉन्च किया

हैदराबाद। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सानिया मिर्जा ने मंगलवार को 'द नेक्स्ट सेट' नामक एक पहल की घोषणा की, जिसका उद्देश्य टेनिस सहित भारत की अग्रणी और उभरती महिला खिलाड़ियों को सलाह और समर्थन देना है।

सानिया ने खेल जगत को वापस कुछ देने के उद्देश्य से यह पहल शुरू की है जिसमें शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करना है।

इस कार्यक्रम के तहत मुख्य रूप से एक समर्पित सहायता प्रणाली तक सहजता से पहुंच बनाना होगा जिसमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट आदि शामिल होंगे जो पूरे सत्र में खिलाड़ियों के साथ टूर्नामेंट में यात्रा कर सकते हैं ताकि पूरे सत्र में निरंतर तैयारी और समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम के तहत सानिया की अकादमी में उनके नेतृत्व में विशेष टेनिस शिविर और कोचिंग कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा।